निरंतर अभ्यास-ज्ञान और सत्य के साथ

काल: सत्यं वदति

दैनिक

सच समाचार

www.dainiksachsamachar.com, E-mail ID: sachsamachar013@gmail.com

RNI NO. - MPHIN/2025/A2700

वर्ष-1 ॥ अंक- 285 ॥ पृष्ठ-8 ॥ शुल्क- 2 रुपए ॥ भोपाल ॥ सोमवार 20 जुलाई ॥ 2026

सच-संक्षेप

केंद्रीय मंत्री करंदलाजे के खिलाफ मानहानि का मुकदमा रद्द

बंगलूरू। कर्नाटक हाईकोर्ट ने केंद्रीय राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे के खिलाफ दायर आपराधिक मानहानि का मुकदमा रद्द कर दिया है। उनके खिलाफ यह मुकदमा पूर्व कांग्रेस विधायक सौम्या रेड्डी ने दायर किया था। हाईकोर्ट की एकल पीठ ने आईपीसी की धारा 499/500 के तहत प्रथम दृष्टया यह मानहानि का मामला नहीं बनता कहते हुए करंदलाजे की याचिका मंजूर कर ली और उनके खिलाफ निचली अदालत में चल रही कार्यवाही रद्द कर दी।

मासूम से बदसलूकी करने वाले शख्स की पिटाई के बाद मौत

हैदराबाद । हैदराबाद के कुलसुमपुरा में एक नौ वर्षीय मासूम बच्ची से बदसलूकी करने वाले व्यक्ति की स्थानीय लोगों और परिजनों द्वारा पिटाई के बाद अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। आरोप है कि शख्स ने बच्ची को गलत नीयत से छुआ था, जिसे एक पड़ोसी ने देख लिया। पड़ोसी के टोकने पर आरोपी वहां से भाग निकला।

पत्नी का जन्मदिन मनाने आए इंजीनियर की संदिग्ध मौत

बालासोर। ओडिशा के बालासोर जिले से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। कटक में तैनात 34 वर्षीय इंजीनियर रश्मिरंजन सेठी अपनी पत्नी को जन्मदिन का सरप्राइज देने 16 जुलाई की रात बालासोर पहुंचे थे। अगली ही सुबह घर में उनका शव फंदे से लटका मिला।

फुटबॉल का महायुद्ध आज

न्यूयॉर्क। अमरीका, कनाडा और मेक्सिको में करीब एक महीने तक चले रोमांच, उलटफेर और यादगार मुकाबलों के बाद फीफा विश्व कप 2026 का सफर अब आखिरी पड़ाव पर पहुंच गया है। आज देर रात खिताबी मुकाबले में गत चैंपियन अर्जेंटीना और 2010 की विश्व विजेता स्पेन आमने-सामने होंगे।

स्पेन ने सेमीफाइनल में फ्रांस को 2-0 से हराकर फाइनल में जगह बनाई, जबकि अर्जेंटीना ने इंग्लैंड को 2-1 से मात देकर खिताबी मुकाबले का टिकट हासिल किया। फीफा विश्व कप 2026 का फाइनल अमरीका के न्यू जर्सी के ईस्ट रदरफोर्ड स्थित प्रतिष्ठित मेटलाइफ स्टेडियम (न्यूयॉर्क न्यू जर्सी स्टेडियम) में खेला जाएगा। यह पहली बार होगा जब न्यूयॉर्क महानगरीय क्षेत्र में विश्व कप फाइनल का आयोजन किया जाएगा। इस स्टेडियम में 80 हजार से अधिक दर्शकों के पहुंचने की उम्मीद है। यह मुकाबला टूर्नामेंट के पहले ऐसे फाइनल के रूप में भी याद किया जाएगा, जिसमें पहली बार हाफटाइम एंटरटेनमेंट शो का आयोजन होगा। इसके चलते पारंपरिक हाफटाइम अंतराल को भी बढ़ाया जाएगा।

पीएम मोदी से मशहूर इंडस्ट्री लीडर रविकांत की मुलाकात

न्नई दिल्ली। देश के जाने-माने इंडस्ट्री लीडर रविकांत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और उन्हें अपनी किताब लीडिंग फ्रॉम द बैक - टू अचीव द इम्पॉसिबल की एक कॉपी सौंपी। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में जानकारी देते हुए कहा कि जाने-माने इंडस्ट्री लीडर रविकांत ने पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और उन्हें अपनी किताब लीडिंग फ्रॉम द बैक - टू अचीव द इम्पॉसिबल की एक कॉपी दी। डॉ. रविकांत दुनिया भर में मशहूर कॉर्पोरेट एग्जीक्यूटिव हैं, जिन्होंने एक्सट्रैक्टिव, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री में 50 साल के कॉर्पोरेट अनुभव के साथ कई ग्लोबल ग्रुप्स को लीड किया है। उनकी सबसे नई पोस्ट टाटा में वाइस चेयरमैन के तौर पर थी। वह यूके की वारविक यूनिवर्सिटी में इंडस्ट्रियल प्रोफेसर और आईआईटी खड़गपुर में जाने-माने प्रोफेसर हैं।

बंगलूरू में बांग्लादेशियों की कथित पिटाई, मारपीट करने वालों पर केस, हिरासत में संदिग्ध

बंगलूरू। बंगलूरू के बाहरी इलाके चोक्कनहल्ली गांव में दो संदिग्ध अवैध बांग्लादेशी नागरिकों की बेरहमी से पिटाई का मामला सामने आया है। कुछ स्थानीय लोगों को खबर मिली थी कि गांव में अवैध रूप से बांग्लादेशी रह रहे हैं, जिसके बाद उन्होंने दोनों को पकड़कर पीट दिया। इस मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद नंदगुड़ी थाना पुलिस ने हमलावरों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दूसरी तरफ, पुलिस ने मारपीट के शिकार हुए दोनों संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में ले लिया है। उन्हें भारत से वापस भेजने (डिपोर्ट करने) की कानूनी कार्रवाई के लिए विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) के सामने पेश किया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में आज जगदीशपुर में कैबिनेट बैठक आयोजित की गई। बैठक से पहले मुख्यमंत्री, मंत्री, मुख्य सचिव व अन्य प्रशासनिक अधिकारियों के साथ कुशाभाऊ कन्वेंशन सेंटर से जगदीशपुर में होने वाली मंत्रि-परिषद की बैठक में शामिल होने के लिए ई-बस से पहुंचे। प्रदेश में शासकीय संसाधनों के मितव्ययी उपयोग, ईंधन की बचत और सुशासन की भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री एवं मंत्रिपरिषद ने एक नई पहल की है। मुख्यमंत्री श्री यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपील पर अमल करते हुए प्रदेश में पहली बार सभी मंत्रियों, अधिकारियों, फ्राकारों के वाहन शहर में ही छोड़कर सब एकसाथ इलेक्ट्रिक बस में सवार होकर जगदीशपुर पहुंचे। इस बीच बस के आगे न कोई पायलट गाड़ी थी न फॉलो वाहन। सामान्य तरीके से मुख्यमंत्री निवास और कुशाभाऊ सभागार से बसें सीधे बैठक स्थल पहुंची।

बदरीनाथ-केदारनाथ यात्रा होगी सुगम, लंबी सुरंग तैयार

रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड में चारधाम यात्रा को अधिक सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित बनाने की दिशा में रुद्रप्रयाग जिले में एक महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजना अंतिम पड़ाव पर है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग और केदारनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग को जोड़ने के लिए निर्मित की जा रही 900 मीटर लंबी सुरंग का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है, जबकि इसके साथ बनाया जा रहा 200 मीटर लंबा पुल भी अपने अंतिम चरण में पहुंच गया है। इस परियोजना के पूरा होने से बदरीनाथ एवं केदारनाथ धाम आने-जाने वाले श्रद्धालुओं के साथ-साथ स्थानीय लोगों को भी बड़ी राहत मिलेगी। जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने बताया कि पुल का निर्माण कार्य 31 अगस्त तक पूर्ण कर लिया जाएगा। इसके बाद पुल की गुणवत्ता, सुरक्षा एवं तकनीकी मानकों की जांच के लिए आवश्यक टेस्टिंग और ट्रायल की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। उन्होंने बताया कि वर्तमान में रुद्रप्रयाग नगर से होकर गुजरने वाले वाहनों के कारण अक्सर यातायात का दबाव बढ़ जाता है, जिससे स्थानीय नागरिकों और यात्रियों को जाम की समस्या का सामना करना पड़ता है। पुल और सुरंग के संचालन में आने के बाद वाहनों की आवाजाही अधिक व्यवस्थित होगी।

20 जुलाई को आजादी का दूसरा आंदोलन

वांगचुक का नया संदेश, फिर बढ़ेगा आंदोलन ?

नई दिल्ली ॥ एजेंसी

सफदरजंग अस्पताल में भर्ती पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की ओर से उनकी पत्नी गीतांजलि के माध्यम से एक हस्तलिखित संदेश जारी किया गया है। इस संदेश में उन्होंने 20 जुलाई को होने वाले कार्यक्रम को %आजादी का दूसरा आंदोलन बताते हुए लोगों से संसद मार्च में शामिल होकर इसे सफल बनाने की अपील की है। हस्तलिखित संदेश में सोनम वांगचुक ने लिखा है, आजादी का दूसरा आन्दोलन, जय मुक्त भारत, अन्याय मुक्त भारत। इसके साथ उन्होंने अंग्रेजी में Freedom from injustice (Like paper leaks) और Freedom from Fear (my illegal detention); यानी अन्याय (जैसे पेपर लीक) से आजादी और डर से आजादी (मेरी कथित अवैध हिरासत) का उल्लेख किया है।संदेश में आगे सोनम वांगचुक ने

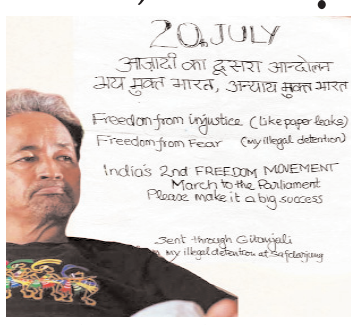

20 जुलाई को संसद मार्च को सफल बनाने की अपील की है। संदेश के अंत में उन्होंने लिखा, यह संदेश उनकी पत्नी गीतांजलि के माध्यम से सफदरजंग में अपनी कथित अवैध हिरासत से भेजा गया है। गौरतलब है कि सोनम वांगचुक को जंतर-मंतर से हटाए जाने के बाद सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल, सोनम डॉक्टरों के निगरानी में हैं।

सरकार सीमाओं की परीक्षा न ले : अन्ना

सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल को अब सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे का भी समर्थन मिला है। अन्ना ने कहा कि सरकार को उनकी सीमाओं की परीक्षा नहीं लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार चाहे उनकी मांगों पर हां कहे या ना, लेकिन बातचीत करने में कोई बुराई नहीं है। इस बीच वांगचुक ने ड्रिप और मुंह से किसी भी तरह का तरल पदार्थ लेने से इनकार कर दिया है। हालांकि डॉक्टरों के अनुसार उनका ब्लड प्रेशर, ऑक्सीजन लेवल और नाड़ी की रफ्तार सामान्य है तथा वह पूरी तरह होश में हैं और बातचीत भी कर रहे हैं।दूसरी ओर, सोनम वांगचुक की पत्नी ने साफ किया है कि 20 जुलाई को संसद घेरने का कार्यक्रम तय योजना के अनुसार ही होगा।

अमरनाथ यात्रा ॥ आज से अगले आदेश तक स्थगित

जम्मू। मौसम विभाग के अलर्ट के बाद अधिकारियों ने रविवार से पहलगाम और बालटाल दोनों रास्तों से सालाना श्री अमरनाथजी यात्रा अस्थायी रूप से रोक दी। आईएमडी ने अगले कुछ दिनों में जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश की चेतावनी दी है। पवित्र गुफा मंदिर जाने वाले तीर्थयात्रियों की सुरक्षा पक्का करने के लिए एहतियात के तौर पर यह फैसला लिया गया। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक यात्रा आज से रोक दी जाएगी। बयान में कहा गया, अगले कुछ दिनों में खराब मौसम के अनुमान और तीर्थयात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए श्री अमरनाथजी यात्रा आज से पहलगाम और बालटाल दोनों रास्तों से कुछ समय के लिए रोक दी जाएगी। कश्मीर के डिविजनल कमिश्नर अंशुल गर्ग ने कहा कि रविवार से बालटाल और नुनवान-चंदनवाड़ी बेस कैंप से तीर्थयात्रियों को आगे बढ़ने की इजाजत नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि मौसम की स्थिति का पूरी तरह से पता लगाने और दोनों रास्तों को यात्रा के लिए सुरक्षित घोषित किए जाने के बाद ही तीर्थयात्रा फिर से शुरू होगी। रिव्यू के बाद नए अपडेट जारी किए जाएंगे।यह सस्पेंशन तब आया है जब आईएमडी के श्रीनगर में मौसम विज्ञान केंद्र ने मौसम की सलाह जारी की थी।

राजोरी-पुंछ में भारी बारिश से तबाही

जम्मू ॥ एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के राजोरी जिले में लगातार भारी बारिश के कारण बाढ़ आ गई है। नदी का पानी उफान पर है। कई निचले इलाकों में पानी भर गया है, जिससे आम जनजीवन प्रभावित हुआ है। लोगों में चिंता बढ़ गई है और जिला प्रशासन ने सतर्कता बरतने की अपील की है। राजोरी जिले में भारी बारिश के कारण अचानक आई बाढ़ से धरहल नदी का पानी उफान पर आकर न्यू बस स्टैंड बेला इलाके में फैल गया। सड़कें तालाब में तब्दील हो गईं। पार्किंग क्षेत्र में बाढ़ का पानी घुसने से बस स्टैंड पर खड़ी कई गाड़ियां डूब गईं। बारिश के दौरान बाजारों में पानी भर जाने से लोगों की आवाजाही प्रभावित रही। कई स्थानों पर नालियों का पानी सड़कों पर बहने

लगा, जिससे यातायात भी प्रभावित हुआ। दुकानदारों को अपने प्रतिष्ठानों में घुसे पानी को बाहर निकालने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से जल निकासी व्यवस्था को और बेहतर बनाने की मांग की है। जिला प्रशासन ने लोगों से बेवजह यात्रा न करने की अपील की है। उन्हें नदियों, नालों और बाढ़ की आशंका वाले इलाकों से दूर रहने को कहा गया है।

रिपोर्ट ॥ 2031 तक 1.1 अरब के पार होंगे 5जी यूज़र्स

सबसे ज्यादा मोबाइल डेटा खर्च कर रहे भारतीय

नई दिल्ली ॥ एजेंसी

अपने देश में तेजी से मोबाइल यूजर बढ़ रहे हैं। डेटा की भी खूब खपत हो रही है। इस मामले में भारत विकसित देश अमेरिका और चीन से भी आगे निकल चुका है। भारतीय स्मार्टफोन यूजर हर महीने औसतन 37जीवी मोबाइल डेटा खर्च कर रहे हैं। यानी प्रत्येक व्यक्ति हर रोज करीब 1.23 जीबी डेटा की खपत कर रहा है। आने वाले समय में डेटा की खपत और बढ़ेगी। साल 2031 तक देश में 5जी यूजर्स की संख्या 111 करोड़ के पार हो जाएगी। हाल ही में जारी स्वीडिश कंपनी एरिक्सन की रिपोर्ट में बताया

गया है कि साल 2031 तक भारत के कुल मोबाइल उपभोक्ताओं में से करीब 81न्न लोग 5जी इंटरनेट का प्रयोग करेंगे। देश के कोने-कोने तक इंटरनेट की पहुंच बढ़ी है। इससे डेटा की खपत में भी इजाफा हुआ है। 5जी फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस तकनीक का ज्यादा विस्तार हो रहा है। लोगों को बिना केबल या वायर के ही फास्ट वाई-फाई की सुविधा मिल रही है।

अब नए इंफास्ट्रक्चर से मिल रहा 5जी

लोगों तक इंटरनेट पहुंचाने के लिए टेलीकॉम कंपनियां तेजी से काम कर रहीं हैं। पहले 5जी नेटवर्क पुराने 4जी टावरों और इंफास्ट्रक्चर के ही सहारे था। इस व्यवस्था को नॉन स्टैंडअलोन के नाम से जाना जाता था। अब इसमें काफी बदलाव आया है। अब कंपनियां 5जी के लिए नया इंफास्ट्रक्चर विकसित कर रहीं है। इसे 5जी स्टैंडअलोन के नाम से जाना जाता है। इससे ग्राहकों को कई प्रीमियम सुविधाएं मिल रहीं हैं।

देश में 43 करोड़ 5जी यूजर

रिपोर्ट के अनुसार भारत में 5जी का तेजी से विस्तार हो रहा है। साल 2025 के अंत तक देश में कुल 43 करोड़ 5जी यूजर रिकॉर्ड किए गए थे। साल 2031 तक यह संख्या 111 करोड़ तक पहुंच सकती है। वहीं दुनिया में जितने भी लोग मोबाइल इंटरनेट का इस्तेमाल करते हैं, उनमें से करीब आधे लोगों ने अब 4-जी छोड़कर 5जी कनेक्शन ले लिया है। हालांकि 4-जी नेटवर्क का अभी भी सबसे ज्यादा इस्तेमाल हो रहा है।

लॉरी और कार की टक्कर में चार लोगों की मौत

विजयनगरम। आंध्र प्रदेश के विजयनगरम से एक दुखद घटना सामने आई है, जहां एक भीषण सड़क हादसा हुआ है। यह दुर्घटना आनंदपुरम राष्ट्रीय राजमार्ग पर सत्तरावु जंक्शन के पास हुई। यहां एक लॉरी और कार के बीच जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। इस दर्दनाक हादसे में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हुआ है। घटना की जानकारी मिलते ही आनंदपुरम पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से घायल व्यक्ति को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल भेजा। आनंदपुरम के सर्कल इंस्पेक्टर येरम नायडू ने हादसे की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस की टीम घटनास्थल पर मौजूद है और हादसे से जुड़ी जरूरी जानकारी जुटा रही है।

दिल्ली में प्रदर्शन के लिए पीडीपी भी तैयार, महबूबा ने रखी शर्तें

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर की राजनीति इन दिनों असमंजस की स्थिति में है। सत्ताधारी नेशनल कॉन्फ्रेंस ने पूर्ण राज्य के दर्जे के लिए दिल्ली में प्रोटेस्ट का आह्वान किया है। इसके लिए सभी पार्टियों को न्योता दिया गया है। राज्य की दूसरी सबसे बड़ी पार्टी पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कुछ शर्तें रखी हैं।पार्टी का कहना है कि अगर उमर अब्दुल्ला अपने आंदोलन के एजेंडे में आर्टिकल 370 की बहाली, राजनीतिक बंदियों की रिहाई और जमात-ए-इस्लामी पर से प्रतिबंध हटाने की मांग को शामिल करते हैं, तो पीडीपी भी उनके आंदोलन में शामिल होने के लिए तैयार है। पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने इस मुद्दे पर शनिवार को मीडिया से बात की। उन्होंने कहा कि पार्टी ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारुख अब्दुल्ला को पत्र लिखकर अपनी शर्तें बता दी हैं। अगर इस आंदोलन में इन तीन मांगों को भी शामिल किया जाता है, तो पार्टी उनके साथ चलने के लिए तैयार है।

ईरान के खुजेस्तान में 5 तीव्रता का भूकंप

तेहरान। ईरान के दक्षिण-पश्चिमी खुजेस्तान प्रांत में रविवार सुबह 5.0 तीव्रता का भूकंप आया। इसके बाद प्रांतीय प्रशासन ने इमरजेंसी अलर्ट जारी कर राहत और बचाव एजेंसियों को पूरी तरह एक्टिव कर दिया। खुजेस्तान के गवर्नर सैयद मोहम्मद रजा मौलाइजादेह ने बताया कि प्रभावित इलाकों में टीमें भेजी गई हैं और हालात का लगातार जायजा लिया जा रहा है। भूकंप करीब 12 किलोमीटर की गहराई पर आया।इस बीच अमेरिका ने लगातार आठवीं रात भी ईरान पर हवाई हमले किए।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि उन्होंने खुद इन हमलों को मंजूरी दी थी और यह कार्रवाई जॉर्डन में दो अमेरिकी सैनिकों की मौत के जवाब में की गई है। इराक सरकार बसरा से किरकुक होते हुए तुर्किये के सेहान बंदरगाह और सीरिया के बनियास तक नई रणनीतिक तेल पाइपलाइन बिछाने की योजना पर अध्ययन कर रही है। इसकी जानकारी इराक के तेल मंत्री बसीम मोहम्मद खुदैर ने वॉशिंगटन में दी।

खुदैर ने कहा कि तेल मंत्रालय की रणनीति तेल निर्यात के रास्तों में विविधता लाने और केवल होर्मुज पर निर्भर नहीं रहने की है। इसी उद्देश्य से पाइपलाइन परियोजना का अध्ययन किया जा रहा है।

इंदौर में तेज रफ्तार कार चाय की गुमटी में घुसी:रिवर्स लेते समय दो बाइकों को मारी टक्कर, पुलिस ड्राइवर की तलाश में जुटी

इंदौर। इंदौर के लसूडिया थाना क्षेत्र में रविवार तड़के एक तेज रफ्तार कार चाय की गुमटी में घुस गई। हादसे के बाद ड्राइवर ने कार रिवर्स लेने की कोशिश में दो बाइक को भी टक्कर मार दी। मौके पर मौजूद लोगों ने उसे पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन वह कार लेकर फरार हो गया। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर ड्राइवर की तलाश कर रही है।घटना स्कीम नंबर-78 स्थित टेलीपरफॉर्मेंस के बाहर की है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक अर्टिगा कार तेज रफ्तार में आई और संतुलन बिगड़ने से सड़क किनारे लगी चाय की गुमटी में जा घुसी। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि ड्राइवर नशे की हालत में था। गुमटी से कार निकालने के दौरान उसने रिवर्स लेते हुए पास में खड़ी दो बाइक को भी टक्कर मार दी। इस दौरान सड़क किनारे खड़े लोगों की ओर भी कार बढ़ गई, जिससे लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागे।मौके पर मौजूद लोगों ने कार ड्राइवर को पकड़ने की कोशिश की, लेकिन वह मौके से फरार हो गया। पुलिस को घटना के सीसीटीवी वीडियो मिले हैं। फुटेज के आधार पर कार और उसके ड्राइवर की पहचान कर कार्रवाई की जा रही है।

जम्मू के पुंछ-किश्तवाड़ में बादल फटे, 11 मौतें:मलबे से 2 साल के मासूम का शव निकाला; उत्तराखंड में भी लैंडस्लाइड

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पुंछ और किश्तवाड़ में शनिवार रात बादल फट गए। बाढ़-लैंडस्लाइड में अब तक 11 लोगों की मौत हो गई है। पुंछ के सुरनकोट में लैंडस्लाइड से एक मकान मलबे में दब गया। उस वक्त घर में 8 लोग थे। इनमें 2 साल के बच्चे समेत 5 लोगों के शव बरामद किए गए। किश्तवाड़ के सुर्नू इलाके में बादल फटने से लोगों के घरों और खेतों को नुकसान पहुंचा। राजौरी में भी भारी बारिश के बाद धारहाल नदी का जलस्तर बढ़ गया। करीब 200 से 250 गाड़ियां बह गईं। उत्तराखंड में शनिवार को लैंडस्लाइड के बाद केदारनाथ यात्रा के रूट पर घोड़े- खच्चरों की सेवाएं रोक दी गईं और कैलाश-मानसरोवर यात्रियों का एक जत्था भी रुक गया। अरुणाचल में बाढ़ और भूस्खलन के इस दौर में अब तक सात लोगों की मौत हो चुकी है, 29 लोग घायल हुए हैं और 1,49,257 लोग प्रभावित हुए हैं। मानसून की मार से कुल 26 जिले, 328 सर्कल और 576 गांव प्रभावित हुए हैं। इधर, पिथौरागढ़ में, कैलाश-मानसरोवर यात्रा का चौथा जत्था, जिसमें 50 तीर्थयात्री शामिल हैं धारचूला बेस कैंप में रोक दिया गया है। बेस कैंप के इंचार्ज धन सिंह बिष्ट ने बताया कि गरबाधार में भूस्खलन के कारण गुंजी जाने वाला रास्ता बंद हो गया है।

कोर्टरूम में रील-वीडियो बनाने वाले वकीलों की खैर नहीं, बार काउंसिल की सख्त चेतावनी जारी

नई दिल्ली। भारतीय बार काउंसिल ने वकीलों, कानून के छात्रों और इंटर्न के लिए सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म के इस्तेमाल को लेकर नई आचार संहिता जारी की है। इसके तहत अदालत परिसर, कोर्टरूम, गलियारों, बाररूम, वकीलों के चैंबर और न्यायिक भवनों में रील, वीडियो, फोटो या किसी भी तरह का प्रचार वाला कंटेंट बनाने पर रोक लगा दी गई है। बीसीआई ने स्पष्ट किया कि अदालत की गरिमा और कानूनी पेशे की मर्यादा के खिलाफ किसी भी तरह का डिजिटल प्रदर्शन स्वीकार नहीं किया जाएगा। वकीलों के बैंड और गाउन का उपयोग भी सोशल मीडिया पर प्रचार या व्यक्तिगत ब्रांडिंग के लिए करने से मना किया गया है। कानूनी शिक्षा से जुड़े छोटे वीडियो, रील, पॉडकास्ट क्लिप या पोस्ट साझा करने की इजाजत रहेगी, बशर्ते वे तथ्यात्मक, संतुलित, गोपनीयता का सम्मान करने वाले और भ्रामक दावे करने वाले न हों। बीसीआई ने सभी राज्य बार काउंसिलों और बार एसोसिएशनों को सोशल मीडिया एथिक्स नोडल अधिकारी नियुक्त करने का निर्देश दिया है, जो डिजिटल आचार संहिता से जुड़े मामलों और शिकायतों की निगरानी करेगा। नए नियमों के तहत वकील के रूप में नामांकन कराने वाले प्रत्येक अभ्यर्थी को सोशल मीडिया, डाटा गोपनीयता, एआई, न्यायालय की गरिमा और पेशेवर आचरण से जुड़े नियमों का पालन करने संबंधी शपथपत्र देना होगा। पहले से प्रैक्टिस कर रहे वकीलों को भी इस आचार संहिता को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की पहल से जनजाति नायकों और श्रेष्ठ प्रशासकों का किया जा रहा है सम्मान-स्मरण

राजधानी के बाहर हुई कैबिनेट बैठकों से प्रदेश के गौरवशाली व्यक्तित्व हुए सम्मानित

सच संवाददाता ॥ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रि परिषद बैठकों के आयोजन के लिए नवाचार करते हुए प्रदेश के विभिन्न अंचलों में इन्हें करने की पहल की। जनकल्याण से जुड़े नीतिगत निर्णय सिर्फ मंत्रालय, भोपाल में ही नहीं प्रदेश के सुदूर अंचलों में भी लिए जाने लगे हैं। राजधानी भोपाल से लगे हुए प्राचीन महल और स्मारक वाले गांव जगदीशपुर में मंत्री परिषद की बैठक की गई। प्राचीन धरोहर को देखने समझने का भी यह एक अवसर था। प्रदेश की पुरा संपदा के प्रति आमजन की जानकारी में भी वृद्धि होती है और ऐसे स्थलों का महत्व भी बढ़ता है। महेश्वर, सिंग्रामपुर और इंदौर का राजवाड़ा ऐसे ही स्थान हैं जहां कैबिनेट बैठक हुई और इन स्थानों के प्रति जनता की जिज्ञासा बढ़ी। यह भविष्य में पर्यटन की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण होगा।

मुख्यमंत्री डॉ यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश में गत ढाई वर्ष में राजधानी भोपाल में होने वाली नियमित कैबिनेट बैठकों के अलावा अन्य स्थानों पर सात मंत्रि-परिषद बैठकों का नवाचार हुआ है। मध्य प्रदेश में किया गया ये नवाचार आम जनता द्वारा भी काफी सराहा गया है। भोपाल के साथ ही अब जबलपुर, दमोह, खरगोन, नर्मदापुरम, छतरपुर और बड़वानी जिलों में मंत्रि परिषद की बैठकों की कार्यवाही हो चुकी है। विश्व धरोहर स्थल खजुराहो जिला छतरपुर में हुई बैठक के साथ ही इन सभी बैठकों में जनकल्याण से जुड़े बहुआयामी निर्णय लिए गए हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सामान्य कैबिनेट के साथ ही कृषि कैबिनेट भी प्रदेश के प्रत्येक अंचल में करने का निर्णय लिया है। उल्लेखनीय है कि बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन में भी कैबिनेट प्रस्तावित है। प्रदेश के विभिन्न स्थानों से जनप्रतिनिधियों और वरिष्ठ अधिकारियों के संपर्क का कार्य भी इससे आसान हुआ है। जहां राजधानी में ही जन हित से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाते रहे हैं, अब इस नवाचार के अंतर्गत प्रदेश के छोटे से ग्राम स्तर से भी जन कल्याण के महत्वपूर्ण फैसले लिए जा रहे हैं।

मंत्रि-परिषद बैठक के आयोजन के लिए साहस और शौर्य की प्रतीक रानी दुर्गावती और सुशासन और लोक कल्याण की पर्याय मानी गई देवी अहिल्याबाई की स्मृति से जुड़े स्थानों का भी ध्यान रखा गया। कैबिनेट की बैठक के आयोजन के लिए प्रदेश में ऐसे व्यक्तित्व चयनित किए गए जिनका शौर्य, सुशासन, लोककल्याण और सेवा क्षेत्र में विशेष स्थान रहा है। इस कड़ी में ऐसे स्थानों में दमोह जिले का सिंग्रामपुर, खरगोन जिले का महेश्वर, नर्मदापुरम जिले के पचमढ़ी, छतरपुर जिले का खजुराहो और इंदौर का राजवाड़ा स्मारक आदि शामिल हैं। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने जनजातीय संस्कृति के प्रमुख केंद्र बड़वानी जिले के नागलवाड़ी में मंत्री परिषद की बैठक का आयोजन किया। पचमढ़ी में जनप्रिय शासक रहे भभूत सिंह जी की स्मृति में कैबिनेट बैठक आयोजित की गई। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने मुख्यमंत्री पद का दायित्व ग्रहण करने के पश्चात सर्वप्रथम ऐसे गौरवशाली व्यक्तित्व के जीवन से नागरिकों को परिचित करवाने की पहल की जिनके बारे में प्रदेश के जन-जन को जानकारी होना चाहिए। रानी दुर्गावती के शौर्य का स्मरण करते हुए वर्ष 2024 प्रारंभ होते ही 3 जनवरी को जबलपुर में कैबिनेट बैठक आयोजित की गई। विश्व धरोहर स्थल खजुराहो और प्रदेश के प्रसिद्ध हिल स्टेशन पचमढ़ी में बैठकों का आयोजन हुआ है।

राजधानी भोपाल के अलावा इन स्थानों पर हुईं बैठकें

- 3 जनवरी 2024 : जबलपुर के शक्ति भवन में मंत्रि परिषद की बैठक आयोजित की गई।
- 5 अक्टूबर 2024 : दमोह जिले के सिंग्रामपुर में वीरांगना रानी दुर्गावती के सम्मान में मंत्रि परिषद की बैठक आयोजित की गई।
- 24 जनवरी 2025 : लोकमाता अहिल्याबाई की नगरी महेश्वर (जिला खरगोन) में मंत्रि परिषद की बैठक आयोजित की गई।
- 20 मई 2025 : लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर के 300 वें जयंती वर्ष पर इंदौर के राजवाड़ा में मंत्रि परिषद की बैठक आयोजित की गई।
- 3 जून 2025 : नर्मदापुरम जिले के पचमढ़ी के राजभवन में राजा भभूत सिंह के शौर्य को समर्पित मंत्रि परिषद की बैठक आयोजित की गई।
- 9 दिसम्बर 2025 के खजुराहो के महाराजा छत्रसाल कन्वेंशन सेंटर में मंत्रिपरिषद् की बैठक आयोजित की गई।
- 2 मार्च 2026 : बड़वानी जिले के जनजातीय बहुल क्षेत्र भीलट बाबा देवस्थल नागलवाड़ी में मंत्रि परिषद की बैठक आयोजित की गई।

बंजर जमीन पर लहलहा रही फसल, आदिवासी किसान ने कर दिया ऐसा

खेत बना कृषि तीर्थ, देशभर से अनोखी खेती देखने छिंदवाड़ा आएंगे अन्नदाता

सच संवाददाता ॥ छिन्दवाड़ा

तीर्थ का नाम सुनते ही मन में किसी धार्मिक यात्रा की तस्वीर बनने लगती है पर मध्य प्रदेश के कृषि विभाग ने कृषि तीर्थ की शुरुआत की है। छिन्दवाड़ा कृषि विभाग ने कृषि तीर्थ के रूप में हर्रई के प्रगतिशील किसान पूरन लाल इवनाती का चयन किया है। कृषि तीर्थ से तात्पर्य है ऐसी खेती, जिसे देखने के लिए दूर-दूर से लोग यहां आएंगे। मध्य प्रदेश के साथ ही दूसरे राज्यों के किसान भी उनके खेतों में घूमकर प्राकृतिक खेती की उन्नत तकनीकों को सीख सकेंगे और फिर अपने खेतों और प्रदेश में इन तकनीकों को अपना सकेंगे।छिन्दवाड़ा के विकासखंड हर्रई के किसान पूरन लाल इवनाती का चयन मध्यप्रदेश शासन की आत्मा योजना के अंतर्गत एक्सपोजर साइट के रूप में किया गया है। उप संचालक कृषि मोरिस नाथ व परियोजना संचालक आत्मा धीरज ठाकुर ने टीम के साथ पूरन लाल इवनाती के खेत का निरीक्षण किया। किसान पूरन लाल इवनाती ने अपने खेत को समन्वित कृषि मॉडल के रूप में विकसित किया है। यहां उद्यानिकी फसलों में केला, नारियल, आम,

आंवला और कटहल के साथ गेहूं, मक्का व कई सब्जियों का उत्पादन किया जा रहा है।

इसके अलावा पशुपालन और मत्स्य पालन को भी खेती के साथ जोड़ा गया है, जिससे उन्हें पूरे साल नियमित आमदनी भी हो रही है। प्राकृतिक खेती और समन्वित कृषि मॉडल के सफल क्रियान्वयन के कारण पूरन लाल इवनाती का खेत अब कृषि तीर्थ के रूप में विकसित होगा, जहां कई राज्यों के किसान भ्रमण कर प्राकृतिक खेती की तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण एवं अनुभव प्राप्त करेंगे।आदिवासी किसान ने यहां ड्रिप पद्धति व फसल के कचरे का मैनेजमेंट कर प्राकृतिक रूप से केले की टिशु कल्चर द्वारा जी-9 किस्म लगाई है। इसके लिए फसल का कचरा प्रबंधन करके मिट्टी की गुणवत्ता को सुधारा जा रहा है। शुरुआत में आधा एकड़ में केले की प्राकृतिक खेती कर 2 लाख सात हजार रु का मुनाफा कमाया था।

उसके बाद एक एकड़ से 4 से 5 लाख रु का मुनाफा कमाया था और एक एकड़ में 800 पौधे लगाए थे और प्रत्येक पौधे से औसतन 45 किलो फल मिलते हैं।कृषि उपसंचालक मोरिस नाथ ने बताया, हर्रई विकासखंड के भुमका के जनजातीय किसान पूरनलाल इनवाती ने अपनी 6 एकड़ पथरीली व बंजर भूमि को समेकित कृषि प्रणाली अपनाकर उपजाऊ खेत में परिवर्तित कर दिया है। खेत में तालाब और कूप रिचार्ज पिट के निर्माण से जलस्तर बढ़ा और अब साल भर सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध हो रहा है। खेत तालाब के माध्यम से उन्होंने मछली पालन के साथ-साथ जिले में पहली बार मखाने की खेती का नवाचार भी किया है। प्राकृतिक खेती, उद्यानिकी, पशुपालन और मत्स्य पालन को एक साथ जोड़कर वे अब सालाना लगभग 11।45 लाख रु की कमाई कर रहे हैं।

बांधवगढ़ में सरकारी बंगले में घुस काटे फिर चुरा ले गए चंदन और सागौन के पेड़

उमरिया। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के मानपुर वन परिक्षेत्र में उस समय हड़कंप मच गया। जब शासकीय बंगले के अंदर से चंदन का पेड़ चोरी होने की घटना सामने आई। बताया जाता है कि, मानपुर वन परिक्षेत्र में स्थित शासकीय बंगला खाली पड़ा था और बंगले में चंदन सागौन सहित कई कीमती पेड़ लगे हुए थे। जहां सूने बंगले का फायदा उठाकर चोरों ने पहले सागौन के पेड़ को काटा। उसके बाद चंदन के पेड़ को काटकर रफू चक्कर हो गए। मानपुर वन परिक्षेत्र में चंदन के पेड़ की चोरी ने इलाके में सनसनी फैला दी है। इसके बाद से ही वन विभाग के बंगले की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। घटना शनिवार की है। वहीं वन विभाग पुलिस को शिकायत सौंप कर मामला दर्ज करने की मांग कर रहा है। बता दें कि वन परिक्षेत्र अधिकारी मुकेश अहिरवार का स्थानांतरण होने के बाद से बंगले में ताला लगा हुआ है। घटना की जानकारी के बाद वन विभाग के अधिकारी मौके का निरीक्षण करने पहुंचे और आगे की जांच शुरू कर दी। इसके साथ ही सहायक संचालक मानपुर नितिन निगम ने पुलिस को शिकायत पत्र सौंप कर अज्ञात चोरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। इस घटना के बाद अब स्थानीय लोग कह रहे हैं कि जब मानपुर क्षेत्र में शासकीय बंगाली सुरक्षित नहीं है तो आम लोगों कितने सुरक्षित होंगे।

कोर्ट ने शून्य घोषित किया निर्वाचन

कांग्रेस पार्षद को प्रॉपर्टी की जानकारी छिपाना पड़ा भारी

सच संवाददाता ॥ इंदौर

शहर के वार्ड क्रमांक 60 की पार्षद सुनेहरा अंसारी की पार्षद की कुर्सी छिन गई है। इंदौर डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने कांग्रेस पार्षद सुनेहरा अंसारी का निर्वाचन शून्य घोषित कर दिया है। उनके सामने खड़े हुए एक निर्दलीय पार्षद ने उनके निर्वाचन को लेकर कई तरह के सवाल खड़े करते हुए एक याचिका दायर की थी। इंदौर की जिला कोर्ट में दायर की गई इस याचिका की सुनवाई करते हुए पार्षद पर लगे आरोप सही पाए गए।

शुक्रवार को कोर्ट ने वार्ड क्रमांक 60 से खड़े हुए निर्दलीय प्रत्याशी मुन्ना अंसारी की याचिका पर सुनवाई की। मुन्ना अंसारी ने पार्षद सुनेहरा अंसारी पर जानकारी छिपाने के आरोप लगाए थे। मुन्ना अंसारी द्वारा कोर्ट में प्रस्तुत याचिका में बताया गया कि पार्षद सुनेहरा अंसारी ने जब निर्वाचन कार्यालय में नामांकन दाखिल किया, तो उन्होंने अपनी संपत्तियों के बारे में जानकारी निर्वाचन आयोग को नहीं दी थी। साथ ही उस दौरान शहर में उनकी कई कमर्शियल प्रॉपर्टी मौजूद थीं, जिनकी जानकारी उन्होंने नामांकन

फार्म में नहीं दी थी।याचिका में ये भी कहा गया कि वार्ड क्रमांक 60 की पार्षद ने शहर में मौजूद अपनी प्रॉपर्टियों के टैक्स भी जमा नहीं किए थे। तकरीबन 3 सालों से इंदौर की जिला कोर्ट इस मामले में सुनवाई कर रही थी।वहीं पूर्व पार्षद मुन्ना अंसारी के द्वारा अपने एडवोकेट के माध्यम से कई तरह के तर्क इंदौर की जिला कोर्ट में प्रस्तुत किए गए।

तमाम तरह के तर्कों से सहमत होते हुए हुए न्यायाधीश विनोद कुमार शर्मा की कोर्ट ने कांग्रेस पार्षद सुनेहरा अंसारी के निर्वाचन को शून्य घोषित कर दिया है। इंदौर की जिला कोर्ट के द्वारा दिए गए इस आदेश से कांग्रेस को फिर एक झटका इंदौर नगर निगम में लगा है।इस मामले पर एडवोकेट विजय शर्मा ने कहा, 6 जुलाई 2022 को इंदौर निगम चुनाव में वार्ड क्रमांक 60 से सुनेहरा अंसारी को निर्वाचित किया गया था। लेकिन उनके प्रतिद्वंदी मुन्ना अंसारी ने उनके निर्वाचन को चुनौती देते हुए याचिका दायर कराई थी। याचिका में बताया गया कि कैसे पार्षद ने नामांकन के दौरान अपनी प्रॉपर्टी संबंधी जानकारियां छिपाई थीं, जो एक प्रकार से चुनाव में जनता के साथ धोखा है। लोगों ने बिना इस जानकारी को जाने उन्हें वोट दिया, ऐसे में कोर्ट ने उनका निर्वाचन शून्य कर दिया है।

व्यवस्थाओं का लिया जायजा

जेल महानिदेशक डॉ वरुण कपूर द्वारा शाजापुर जिला जेल का सघन निरीक्षण

सच संवाददाता ॥ भोपाल

महानिदेशक जेल एवं सुधारात्मक सेवाएँ, मध्यप्रदेश, भोपाल डॉ. वरुण कपूर (आईपीएस) द्वारा दिनांक 17 जुलाई 2026 को जिला जेल, शाजापुर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जेल की सुरक्षा व्यवस्था, भोजन व्यवस्था, साफ-सफाई, बंदियों के लिए उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं तथा समग्र प्रशासनिक व्यवस्थाओं का गहन अवलोकन किया तथा व्यबवस्थाधओं पर प्रसन्नता व्यंक्तक करते हुए संबंधित अधिकारियों को जेलों की सुरक्षा व्य वस्थास को और अधिक सुदृढ़ करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कहा कि जेलों की सुरक्षा व्यवस्था जेल विभाग का प्रथम दायित्व है, इसलिए सुरक्षा संबंधी सभी व्यवस्थाओं का प्रभावी एवं सतत पालन सुनिश्चित किया जाए।

निरीक्षण के दौरान डॉ. कपूर ने बंदियों के सुधार, पुनर्वास एवं जेल व्यवस्थाओं में गुणात्मक सुधार हेतु किए जा रहे उल्लेखनीय प्रयासों की जानकारी दी। जेल में निरुद्ध बंदियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। बंदियों ने किसी भी प्रकार की समस्या नहीं होना बताया गया तथा जेल विभाग द्वारा उनके कल्याण एवं सुधार हेतु किए जा रहे प्रयासों के लिए आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पदोन्न त होने पर उप अधीक्षक श्री एस. के. मण्डलेकर के कंधे पर अशोक स्तंभ, प्रमुख मुख्य प्रहरी श्री बी. एल. चौधरी के कंधे पर एक स्टार, तथा मुख्य प्रहरी श्रीमती रेशमा भाभर, श्रीमती मालती अम्रतफले एवं आबिद अंसारी के बाजू पर तीन फीती लगाकर उन्हें सम्मानित किया गया। तत्पश्चात महानिदेशक महोदय ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत जेल परिसर में पौधारोपण किया तथा उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पर्यावरण संरक्षण, अधिकाधिक वृक्षारोपण एवं प्रकृति संवर्धन का संकल्प दिलाया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्रीमती प्रियंका शुक्लाध, सर्किल जेल अधीक्षक श्री मनोज कुमार साहू, जिला जेल अधीक्षक डी. के. पगारे, उप अधीक्षक सुनील कुमार मण्डलेकर, सहायक जेल अधीक्षक श्रीमती मंजू कुजूर सहित समस्त जेल अधिकारी एवं कर्मचारी साथ ही स्थानीय एनजीओ से श्री ओ. पी. विजयवर्गीय एवं श्रीमती गायत्री विजयवर्गीय तथा बंदीगण भी उपस्थित रहे।

जनगणना 2027 में खुलेगी प्रॉपर्टी टैक्स चोरी करने वालों की पोल!

55 लाख शहरी घरों का किया जाएगा सर्वे, जलकर रिकॉर्ड भी होगा चेक

सच संवाददाता ॥ भोपाल

मध्यप्रदेश सरकार शहरी क्षेत्रों में बड़ा सत्यापन अभियान चलाने की तैयारी में है। दरअसल फरवरी 2027 की जनगणना के दौरान करीब 55 लाख घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का सर्वे किया जाएगा। वहीं इस प्रक्रिया में प्रॉपर्टी टैक्स, जलकर, नल कनेक्शन और भवनों के रिकॉर्ड का मिलान भी होगा।जनगणना 2027 में खुलेगी प्रॉपर्टी टैक्स चोरी करने वालों की पोल! 55 लाख शहरी घरों का किया जाएगा सर्वे, जलकर रिकॉर्ड भी होगा चेक

मध्यप्रदेश में जनगणना 2027 केवल आबादी गिनने तक सीमित नहीं रहेगी। दरअसल इस बार सरकार शहरी क्षेत्रों में संपत्तियों का भी बड़ा सत्यापन कराने की तैयारी कर रही है। इसका मकसद उन मकानों और दुकानों की पहचान करना है जहां नगर निकाय की सुविधाएं मिलने के बावजूद प्रॉपर्टी टैक्स या जलकर जमा नहीं किया जा रहा है। वहीं इस अभियान से शहरी निकायों के रिकॉर्ड को भी अपडेट किया जाएगा।दरअसल नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने सभी जिलों के कलेक्टरों, नगर निगम आयुक्तों, नगरपालिकाओं और नगर परिषदों को प्रारंभिक तैयारी शुरू करने के निर्देश दिए हैं। वहीं विभाग के अनुसार प्रदेश के शहरी इलाकों में करीब 55 लाख मकान हैं। जनगणना के दौरान नए बने भवनों, बदले हुए उपयोग और टैक्स रिकॉर्ड का भी सत्यापन किया जाएगा ताकि वास्तविक स्थिति के अनुसार सभी जानकारियां अपडेट हो सकें।

जनगणना फॉर्म में जुड़ेंगे नए कॉलम

वहीं सरकार जनगणना फॉर्म में प्रॉपर्टी टैक्स और जलकर से जुड़े दो अतिरिक्त कॉलम जोड़ने का प्रस्ताव तैयार कर रही है। सर्वे के दौरान हर मकान और व्यावसायिक प्रतिष्ठान का भौतिक सत्यापन करेंगे। इसमें भवन का उपयोग, स्वामित्व, निर्माण की स्थिति और नगर निकाय के रिकॉर्ड से उसका मिलान किया जाएगा। यदि कोई संपत्ति अब तक कर के दायरे में दर्ज नहीं है, तो उसे नियमानुसार रिकॉर्ड में शामिल किया जाएगा।

इन चीज़ों का लगाया जाएगा पता

दरअसल सर्वे टीम यह भी जांच करेगी कि भवन में नगर निकाय का पानी का कनेक्शन है या नहीं। यदि कनेक्शन मौजूद है तो यह भी देखा जाएगा कि वह चालू है या बंद, मीटर लगा है या नहीं और संबंधित जलकर का भुगतान किया जा रहा है या नहीं। इसके अलावा संपत्ति कर और जलकर की आईडी भी दर्ज की जाएगी, ताकि नगर निकाय के डिजिटल रिकॉर्ड से उसकी पुष्टि की जा सके। इससे भविष्य में गलत रिकॉर्ड, डुप्लीकेट एंट्री और टैक्स से जुड़ी विसंगतियों को कम करने में मदद मिलने की उम्मीद है। दरअसल राज्य सरकार इस अभियान के साथ शहरी संपत्तियों का डिजिटल डेटाबेस भी मजबूत करना चाहती है। सभी भवनों के लिए यूनिक प्रॉपर्टी आईडी तय करने और जीआईएस आधारित रिकॉर्ड को अपडेट करने के निर्देश दिए गए हैं। सत्यापन पूरा होने के बाद पूरी जानकारी समयबद्ध तरीके से ई-नगरपालिका पोर्टल पर अपलोड की जाएगी जिससे सभी नगर निकायों के पास एक समान और अपडेट रिकॉर्ड उपलब्ध रहेगा।

राज्य सरकार पर हाईकोर्ट की टिप्पणी

जो शहीदों के बलिदान को भुला दे उस देश का भविष्य अच्छा नहीं होता

सच संवाददाता ॥ ग्वालियर

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने शहीद सैनिक परिवारों को दी जाने वाली विशेष नियुक्ति के एक मामले की सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की कार्यप्रणाली पर कड़ी टिप्पणी की है। कोर्ट में कहा है कि जो देश अपने शहीदों को भूल जाए, सम्मान ना करे ऐसे राष्ट्र का भविष्य उज्जवल नहीं हो सकता। भारतीय सेना के शहीद लांस नायक कल्याण सिंह तोमर के बेटे अभय सिंह तोमर द्वारा विशेष नियुक्ति को लेकर हाईकोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ में दायर की गई याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने कहा है कि इस केस को सरकार के गृह विभाग के अधिकारियों ने एक आम अनुकंपा नियुक्ति की अपील समझ लिया है। ग्वालियर हाई कोर्ट में दायर की गई याचिका के अनुसार ग्वालियर के रहने वाले भारतीय थल सेना के लांस नायक कल्याण सिंह तोमर 23 मार्च 1996 में कश्मीर में भारतीय सेना द्वारा चलाए गए ऑपरेशन रक्षक के दौरान एक उग्रवादी की गोली से शहीद हो गए थे। उस वक्त उनका बेटा महज 4 साल का था। जब शहीद कल्याण का बेटा अभय बड़ा हुआ और 2016 में उसने अपनी पढ़ाई पूरी कर सरकारी नौकरी के लिए विशेष नियुक्ति के तहत गृह विभाग को आवेदन दिया। उसे बिना किसी ठोस कारण गृह विभाग के अधिकारियों द्वारा अस्वीकार कर दिया गया।इसके बाद शहीद के बेटे अभय सिंह तोमर ने सैनिक कल्याण बोर्ड के माध्यम से भी सरकार को विशेष नियुक्ति के सम्बंध में कई बार अपील की। लेकिन हर बार नियुक्ति के आवेदन को रिजेक्ट कर दिया गया। नौकरी के लिए वर्षों के संघर्ष से हारकर आखिर में हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया और अप्रैल 2026 में एक रिट याचिका दायर की। जिसमें सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने याची के पक्ष में फैसला देते हुए सरकार को याचिकाकर्ता को शिक्षा के आधार पर विशेष नियुक्ति देने का आदेश दिया है।सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट के जस्टिस आनंद सिंह बहरावत की एकल पीठ ने कहा,मौजूदा केस में देश की सेवा करते हुए अपनी जान देने वाले और लड़ाई में हुए शहीदों के प्रति हमदर्दी और दया की बहुत बुरी हालत दिखाई देती है जो देश की सेवा करते हुए अपनी जान कुर्बान कर देते हैं। उनके लिए राज्य सरकार ने 11.10.2001 की एक पॉलिसी बनाई है जिसके तहत विशेष नियुक्ति की स्कीम तय की गई है। जिसके लिए सिर्फ़ एक ही पात्रता है कि आवेदक ऐसे मिलिट्री ऑफिसर/सैनिक का आश्रित होना चाहिए।

आचार्य समय सागर के स्वागत में उमड़ा जनसैलाब

3 किमी की अगवानी यात्रा में गूंजा नमोस्तु...नमोस्तु...

सच संवाददाता ॥ भोपाल

राजधानी भोपाल ने रविवार को आस्था, श्रद्धा और भक्ति का ऐसा अद्भुत नजारा देखा, जिसे शहर लंबे समय तक याद रखेगा। लगभग 16 वर्षों के अंतराल के बाद भोपाल की पावन धरा को आचार्य श्री 108 समय सागर महाराज ससंघ के वर्षायोग का सौभाग्य मिला। पहली बार राजधानी पहुंचे आचार्यश्री के स्वागत में हजारों श्रद्धालु सड़कों पर उमड़ पड़े। नारायण नगर जैन मंदिर से विद्योदय तीर्थ तक निकली करीब तीन किलोमीटर लंबी भव्य शोभायात्रा श्रद्धा और उत्साह का अनुपम उदाहरण बनी। पूरे मार्ग में नमोस्तु... नमोस्तु... नमोस्तु...के जयघोष गूंजते रहे और श्रद्धालु आचार्यश्री के दर्शन के लिए घंटों इंतजार करते नजर आए।

नागपुर से पदविहार करते हुए भोपाल पहुंचे आचार्य समय सागर महाराज 19 मुनिराजों के साथ नगर में प्रवेश किए। उनके स्वागत के लिए राजधानी का जैन समाज बड़ी संख्या में उपस्थित रहा। शोभायात्रा में महाकाल बैंड, पंचरंगी धर्मध्वज, दिव्य घोष दल, ऐरावत हाथी, 11 सजे-धजे घोड़े, वीरांगना दल, महिला एवं बहू मंडल, मयूर नृत्य, पंजाबी ढोल, जिनवाणी वैयावृति मंडल, चौक पाठशाला के बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, महिला बैंड, कागज के फूलों की तोप तथा सिरोंज जैन समाज की झांकियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। आचार्यश्री के चित्रों से सुसज्जित

रथ और धार्मिक झांकियों ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। गणेश मंदिर के समीप बनाए गए मंच पर गुरु-शिष्य मिलन का भावपूर्ण दृश्य देखने को मिला। पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि संभवसागर महाराज, मुनि निर्णयसागर महाराज तथा एलक दयासागर जी महाराज ने आचार्य समय सागर महाराज की परिक्रमा कर वंदना की। इसके बाद शोभायात्रा आगे बढ़ी। भाजपा कार्यालय के पास अनेक जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों ने आचार्यश्री का स्वागत कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

लाखों श्रद्धालुओं की मौजूदगी के कारण तीन किलोमीटर का सफर पूरा करने में करीब तीन घंटे लगे। मार्ग में जगह-जगह तोरण द्वार सजाए गए थे। श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा (कागज के फूल) कर आचार्य संघ का स्वागत किया और कई स्थानों पर जलपात्र रखकर मुनिराजों के चरण पखारे। शोभायात्रा में शहर के विभिन्न जैन मंदिरों की समितियां, महिला मंडल, पाठशाला परिवार, सामाजिक संगठन और युवा समूह बड़ी संख्या में शामिल हुए। धर्मध्वज लहराते श्रद्धालुओं और जयघोष से पूरा मार्ग धर्ममय हो गया। आचार्यश्री के दर्शन के लिए इटारसी, नर्मदापुरम, हरदा, बैतूल, रायसेन, सीहोर, विदिशा, नरसिंहपुर, इंदौर सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में धर्मावलंबी भोपाल पहुंचे। अश्वों पर सवार बच्चों ने धर्मध्वज थामकर शोभायात्रा की अगुवाई की, जबकि कलाकारों ने नृत्य प्रस्तुतियों से स्वागत को और भव्य बनाया। भीड़ को देखते हुए स्वयंसेवकों और पुलिस ने पूरे मार्ग में यातायात व्यवस्था संभाली। कई प्रमुख चौराहों पर भारी भीड़ के चलते ट्रैफिक डायवर्ट करना पड़ा। श्रद्धा, अनुशासन और जनसहभागिता से सजी इस ऐतिहासिक अगवानी ने राजधानी भोपाल के धार्मिक इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ दिया।

भोपाल नगर निगम में प्रमोशन प्रक्रिया पर संकट

खुद सीआर पर कराओ साइन आदेश से कर्मचारियों में नाराजगी, 350 फाइलें अटकीं

सच संवाददाता ॥ भोपाल

भोपाल नगर निगम में पदोन्नति (प्रमोशन) प्रक्रिया के बीच जारी एक नए प्रशासनिक आदेश ने कर्मचारियों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। निगम प्रशासन ने अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपनी वार्षिक गोपनीय चरित्रावली (सीआर) पर संबंधित अधिकारियों के हस्ताक्षर स्वयं करवाकर लाएं। इस फैसले के बाद कर्मचारियों में भारी नाराजगी देखी जा रही है।

नगर निगम में फिलहाल 650 पदोन्नति मामलों पर विचार चल रहा है, लेकिन इनमें से करीब 350 कर्मचारियों की सीआर अधूरी होने के कारण प्रमोशन प्रक्रिया प्रभावित हो रही है। वहीं जिन कर्मचारियों की सीआर तैयार हो चुकी है, उन्हें भी अंतिम हस्ताक्षर के लिए मूल दस्तावेज स्वयं लेकर

संबंधित अधिकारियों के पास भेजा जा रहा है। प्रमोशन प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए निगम मुख्यालय में देर रात तक सीआर तैयार करने का कार्य किया जा रहा है, लेकिन कर्मचारियों का कहना है कि प्रशासन अपनी जिम्मेदारी उनसे पूरी करवा रहा है।

कर्मचारियों ने इस व्यवस्था को सेवा नियमों के विपरीत बताते हुए तत्काल वापस लेने की मांग की है। उनका कहना है कि गोपनीय चरित्रावली एक संवेदनशील और गोपनीय दस्तावेज होती है, जिसे कर्मचारियों के हाथों में देकर हस्ताक्षर कराने भेजना उचित नहीं है। कर्मचारियों का यह भी कहना है कि जिन अधिकारियों के अधीन उन्होंने वर्षों पहले काम किया था, उनमें से कई का तबादला हो चुका है या वे सेवानिवृत्त हो चुके हैं। ऐसे में उनसे संपर्क कर हस्ताक्षर करवाना बेहद कठिन और समय लेने वाला कार्य है।

नियमों के अनुसार कर्मचारियों की वार्षिक गोपनीय चरित्रावली तैयार करना संबंधित विभाग की जिम्मेदारी होती है और इसे हर वर्ष समय पर पूरा किया जाना चाहिए।

कर्मचारियों का आरोप है कि प्रशासनिक लापरवाही का सबसे ज्यादा असर तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों पर पड़ रहा है। उन्हें दो-दो अधिकारियों के हस्ताक्षर स्वयं कराने के निर्देश दिए गए हैं, जिससे वे अपने नियमित कार्य छोड़कर विभिन्न कार्यालयों के चक्कर लगाने को मजबूर हैं। कर्मचारियों ने निगम प्रशासन से मांग की है कि सीआर तैयार कराने और आवश्यक हस्ताक्षर करवाने की पूरी प्रक्रिया विभागीय स्तर पर ही पूरी कराई जाए, ताकि पदोन्नति प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब न हो और कर्मचारियों को परेशानी का सामना न करना पड़े।

बढ़लेगा मौसम, आज कई जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश

भोपाल। भोपाल सहित मध्य प्रदेश में मानसून की रफ्तार धीमी पड़ने से बारिश का आंकड़ा लगातार पीछे चल रहा है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि मौजूदा कमजोर मौसम प्रणाली खत्म होने के बाद 20 से 22 जुलाई के बीच बंगाल की खाड़ी में नया कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है। इसके असर से मध्य प्रदेश में मानसून फिर सक्रिय होगा और कई जिलों में अच्छी बारिश का दौर शुरू हो सकता है। मौसम विभाग के अनुसार आज रीवा, मऊगंज, मैहर, सीधी और सिंगरौली में गरज-चमक के साथ मध्यम बारिश की संभावना है। वहीं रायसेन, इंदौर, धार, झाबुआ, अलीराजपुर, बड़वानी, खरगोन, खंडवा, बुरहानपुर, हरदा, बैतूल, नर्मदापुरम, पन्ना, दमोह, सतना, छिंदवाड़ा, सिवनी, नरसिंहपुर, जबलपुर, कटनी, उमरिया, शहडोल और अनूपपुर सहित कई जिलों में हल्की बारिश हो सकती है। बारिश के मामले में देवास प्रदेश में सबसे आगे है। यहां अब तक करीब 17.9 इंच बारिश हो चुकी है, जो सामान्य का आधे से अधिक हिस्सा है।

भोपाल में विशेष लोक अदालत आयोजित धारा 138 के 95 प्रकरणों का हुआ निराकरण

सच संवाददाता ॥ भोपाल

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार जिला न्यायालय भोपाल एवं तहसील न्यायालय बैरसिया में 18 जुलाई 2026 को धारा 138 लिखत परकाम्य अधिनियम, 1881 एवं उससे संबंधित अपील प्रकरणों के निराकरण के लिए विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष मनोज कुमार श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

विशेष लोक अदालत का शुभारंभ नवम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश (जिला समन्वयक, विशेष लोक अदालत) आशुतोष शुक्ल, बीसवें अपर सत्र न्यायाधीश संजय वर्मा, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं न्यायाधीश सुनीत अग्रवाल तथा जिला विधिक सहायता

अधिकारी मुहम्मद जीलानी ने मां सरस्वती एवं महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

इस अवसर पर विशेष लोक अदालत के लिए गठित खंडपीठों के पीठासीन अधिकारी, सुलहकर्ता सदस्य, विभिन्न बैंकों के अधिकारी, बैंक पैनल अधिवक्ता तथा न्यायालयीन स्टाफ भी उपस्थित रहे। धारा 138 लिखत परकाम्य अधिनियम एवं संबंधित अपील प्रकरणों के त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण निराकरण के उद्देश्य से 07 खंडपीठों का गठन किया गया। इन खंडपीठों के माध्यम से कुल 95 प्रकरणों का सफलतापूर्वक निराकरण किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने बताया कि विशेष लोक अदालत का उद्देश्य लंबित मामलों का शीघ्र, सरल और आपसी सहमति के आधार पर निपटारा कर न्यायालयों का भार कम करना तथा पक्षकारों को त्वरित एवं सुलभ न्याय उपलब्ध कराना है।

मास्टर प्लान के इंतजार में भोपाल इंदौर समेत कई बड़े शहर अनियोजित विकास पर बढ़ी चिंता

सच संवाददाता ॥ भोपाल

मध्य प्रदेश के प्रमुख शहरों भोपाल, इंदौर और ग्वालियर सहित कई नगर वर्षों से नए मास्टर प्लान का इंतजार कर रहे हैं। मास्टर प्लान तैयार न होने से शहरों का विकास अनियोजित तरीके से हो रहा है, जबकि भूमि विकास नियमों का मसौदा भी फिलहाल कागजों तक ही सीमित है। विशेषज्ञों का मानना है कि मास्टर प्लान लागू होने के बाद ही किसी भूमि का वास्तविक उपयोग (लैंड यूज) स्पष्ट रूप से निर्धारित किया जा सकेगा। राज्य सरकार ने हाल ही में मध्य प्रदेश मेट्रोपॉलिटन रीजन प्लानिंग एंड डेवलपमेंट एक्ट लागू किया है, जिसके तहत बड़े शहरों के सुनियोजित विकास के लिए नए विकास प्रारूप तैयार किए जा रहे हैं। हालांकि, मास्टर प्लान के अभाव में भूमि के आवासीय, व्यावसायिक, औद्योगिक और हरित क्षेत्र जैसे उपयोगों का अंतिम निर्धारण नहीं हो पा रहा है।

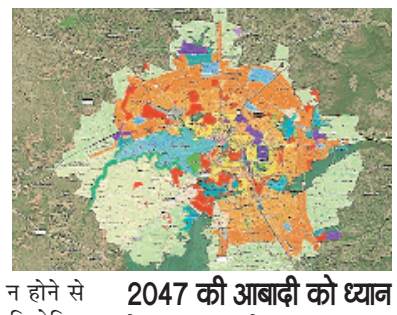

2047 की आबादी को ध्यान में रखकर बनेगा नया प्लान

सरकार का कहना है कि भोपाल का नया मास्टर प्लान अब वर्ष 2047 की अनुमानित आबादी को ध्यान में रखते हुए तैयार किया जाएगा। इससे पहले वर्ष 2031 के मास्टर प्लान पर दावे और आपत्तियां आमंत्रित की गई थीं, लेकिन बाद में उसे नए सिरे से तैयार करने का निर्णय लिया गया। भोपाल के जनप्रतिनिधियों ने भी पुराने मसौदे के कई प्रावधानों पर असहमति जताते हुए भविष्य की जरूरतों के अनुरूप सुझाव दिए थे। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने भी नए सुझावों के आधार पर संशोधित मास्टर प्लान तैयार करने की बात कही थी, लेकिन अब तक इस दिशा में ठोस प्रगति नहीं हो सकी है।

पुराने मास्टर प्लान की अवधि हो चुकी समाप्त

भोपाल का मौजूदा मास्टर प्लान वर्ष 1995 में लागू हुआ था, जिसकी अवधि दिसंबर 2005 में ही समाप्त हो गई थी। उस समय शहर की आबादी लगभग 10 से 15 लाख के बीच थी। वहीं, इंदौर, जबलपुर और ग्वालियर के मास्टर प्लान की वैधता 2021 में समाप्त हो चुकी है। वर्ष 1975 के बाद से भोपाल के लिए केवल दो मास्टर प्लान ही स्वीकृत किए गए हैं।

अवैध कॉलोनियों को मिल रहा बढ़ावा

मास्टर प्लान में लगातार हो रही देरी का असर शहरों के नियोजित विकास पर पड़ रहा है। स्पष्ट भूमि उपयोग नीति के अभाव में अवैध कॉलोनियों का विस्तार तेजी से हो रहा है, जिससे भविष्य में शहरी नियोजन और बुनियादी सुविधाओं को लेकर नई चुनौतियां खड़ी होने की आशंका जताई जा रही है।

भोपाल में बीटेक छात्रा ने फांसी लगाकर दी जान

भोपाल। राजधानी भोपाल के कमला नगर थाना क्षेत्र में 19 वर्षीय बीटेक प्रथम वर्ष की छात्रा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना शनिवार सुबह सामने आई, जब परिजनों ने कमरे का दरवाजा खोला तो छात्रा फंदे पर लटकी मिली। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस को मौके से एक सुसाइड नोट भी मिला है, जिसमें छात्रा ने लिखा है कि वह पढ़ाई और जिंदगी से तंग आ चुकी हूं तथा अपनी मौत के लिए स्वयं को जिम्मेदार बताया है। पुलिस के अनुसार, कोटरा सुल्तानाबाद निवासी अंजली राय (19) ने इसी वर्ष एक निजी इंजीनियरिंग कॉलेज में बीटेक प्रथम वर्ष में प्रवेश लिया था। उसके पिता शासकीय स्कूल में शिक्षक हैं, जबकि मां गृहिणी हैं। परिवार में एक भाई और एक बहन भी हैं। शनिवार सुबह काफी देर तक अंजली के कमरे से बाहर नहीं आने पर परिजनों ने दरवाजा खोला, जहां वह फंदे पर लटकी मिली। इसके बाद तत्काल कमला नगर थाना पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को नीचे उतरवाया और पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

भोपाल से राजस्थान तक फैले स्मैक नेटवर्क का खुलासा

अब तक कुल 12 आरोपियों की हुई गिरफ्तारी

सच संवाददाता ॥ भोपाल

राजधानी में नशे के कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के तहत क्राइम ब्रांच ने पिछले 48 घंटे में चार बड़ी कार्रवाई करते हुए एक नाबालिग बालिका समेत 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 74.27 ग्राम स्मैक, 927 ग्राम गांजा, 1.04 ग्राम एमडी ड्रग, एक कार, दो दोपहिया वाहन और सात मोबाइल फोन समेत करीब 37.13 लाख रुपये का माल जब्त किया है। जांच में भोपाल से राजस्थान तक फैले अंतरराज्यीय ड्रग सिंडिकेट का खुलासा हुआ है।

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (क्राइम ब्रांच) शैलेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि कटारा हिल्स थाना क्षेत्र के ग्राम बर्रई स्थित पंडित दीनदयाल पार्क के पास स्मैक सप्लाई की सूचना मिली थी। इसके बाद निरीक्षक अपाला सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने घेराबंदी कर सात आरोपियों को गिरफ्तार किया। उनके पास से 74.27 ग्राम स्मैक, एक कार, एक एक्टिवा, एक मोटरसाइकिल और सात मोबाइल फोन बरामद किए गए। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी राजस्थान के झालावाड़ से स्मैक लाकर भोपाल और आसपास के इलाकों में छोटे तस्करों के माध्यम से सप्लाई करते थे। पुलिस जब्त मोबाइल फोन के तकनीकी विश्लेषण के आधार पर पूरे नेटवर्क की जांच कर रही है। क्राइम ब्रांच ने निशातपुरा क्षेत्र में 426 ग्राम गांजा के साथ महिला आरोपी विमला उर्फ सुनीता को गिरफ्तार किया। उसकी निशानदेही पर गांजा सप्लायर फरहान खान को भी पकड़ा गया। पूछताछ में फरहान ने अन्य सप्लायरों के नाम बताए हैं, जिनकी तलाश जारी है। वहीं हबीबगंज नाका क्षेत्र से अशोक साकले को 501 ग्राम गांजा के साथ गिरफ्तार किया गया। वह ग्राहकों को गांजा बेचने की तैयारी में था। शाहजहांनाबाद क्षेत्र में पुलिस ने एक विधि-विरुद्ध बालिका को 1.04 ग्राम एमडी ड्रग, एक मोबाइल फोन और नशे के कारोबार से जुड़े पांच डिजिटल स्क्रीनशॉट के साथ पकड़ा। पुलिस इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के आधार पर नेटवर्क की जांच कर रही है। गिरफ्तार आरोपियों में रितिक नामदेव, कौशल जाटव, शाहरुख अंसारी, चंदाबाई सिसोदिया, नानूराम तंवर, पप्पूलाल तंवर और देव सिंह तंवर शामिल हैं। पुलिस पूछताछ में पता चला कि झालावाड़ (राजस्थान) से स्मैक लाकर भोपाल में इसकी सप्लाई की जाती थी।

आरोपियों में खंडवा निवासी 29 वर्षीय जितेंद्र चाकरडे भी शामिल है, जो वर्तमान में सेज यूनिवर्सिटी, कटारा हिल्स में सुरक्षा गार्ड के रूप में कार्यरत है। पुलिस के अनुसार जितेंद्र रितिक से स्मैक खरीदकर आगे बेचता था। पुलिस ने बताया कि विमला उर्फ सुनीता, फरहान खान और अशोक साकले को गांजा तस्करी के मामले में तथा एक विधि-विरुद्ध बालिका को एमडी ड्रग तस्करी के मामले में गिरफ्तार किया गया है। सभी मामलों में आगे की जांच जारी है।

जिला अभिभावक संघ के चुनाव विनम्र कुमार कोठारी की जीत से संघ एवं कोठारी परिवार में खुशी की लहर

सच संवाददाता ॥ भोपाल

जिला अभिभावक संघ, भोपाल के वर्ष 2026-2028 के द्विवार्षिक चुनाव में अधिवक्ता विनम्र कुमार कोठारी ने कनिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य पद पर 1977 मत हासिल करके विजय प्राप्त कर उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। उनकी जीत के बाद संघ के सदस्यों, समर्थकों तथा कोठारी परिवार में खुशी और उत्साह का माहौल है। जीत के उपरांत विनम्र कुमार कोठारी ने सभी मतदाताओं, वरिष्ठ अधिवक्ताओं एवं समर्थकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह जीत सभी के विश्वास, सहयोग और स्नेह का परिणाम है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि वे अपने दायित्व का पूरी ईमानदारी, पारदर्शिता और समर्पण के साथ निर्वहन करेंगे। उन्होंने कहा कि उनका प्रयास संघ के हितों की रक्षा, सदस्यों की समस्याओं के त्वरित समाधान तथा संगठन को और अधिक सशक्त एवं प्रभावी बनाने की दिशा में रहेगा। साथ ही उन्होंने सभी सदस्यों को विश्वास दिलाया कि वे संघ के विकास और सदस्यों के हितों के लिए निरंतर कार्य करते रहेंगे। उनकी जीत पर कोठारी परिवार के चाचा एवोकेट पीसी कोठारी, पिता भूपेन्द्र कोठारी, बहन एडवोकेट वर्षा कोठारी, आकाश यादव, दीपक पसारी,अक्षय अग्रवाल, प्रखर अग्रवाल और शुभचिंतकों एवं सहयोगियों ने उन्हें बधाई देते हुए सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दी हैं।

मध्यप्रदेश में दो हिस्सों में बंटेगी मेडिकल यूनिवर्सिटी

भोपाल। मध्य प्रदेश की चिकित्सा शिक्षा व्यवस्था में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। राज्य की एकमात्र आयुर्विज्ञान (मेडिकल) विश्वविद्यालय को दो हिस्सों में विभाजित करने की तैयारी पूरी कर ली गई है। इसका प्रारूप (ड्राफ्ट) तैयार हो चुका है और इसे जल्द ही राज्य मंत्रिमंडल की मंजूरी के लिए पेश किया जा सकता है। प्रस्तावित व्यवस्था के तहत राजधानी भोपाल, इंदौर समेत मध्य, पश्चिमी और ग्वालियर-चंबल क्षेत्र के सभी सरकारी एवं निजी मेडिकल कॉलेज उज्जैन मेडिकल यूनिवर्सिटी से संबद्ध होंगे, जबकि महाकौशल और विंध्य क्षेत्र के मेडिकल कॉलेज जबलपुर मेडिकल यूनिवर्सिटी के अधीन आएंगे। सरकार का मानना है कि दो विश्वविद्यालय बनने से मेडिकल कॉलेजों के प्रशासनिक, परीक्षा, परिणाम और शैक्षणिक कार्यों में तेजी आएगी तथा छात्रों और संस्थानों को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी। शुरुआत में सरकार की योजना जबलपुर, भोपाल और उज्जैन में तीन अलग-अलग मेडिकल यूनिवर्सिटी स्थापित करने की थी। बाद में ग्वालियर-चंबल क्षेत्र से भी अलग विश्वविद्यालय की मांग उठी। क्षेत्रीय संतुलन और प्रशासनिक जरूरतों को देखते हुए सरकार ने संशोधित प्रस्ताव तैयार किया, जिसके तहत पूरे प्रदेश के लिए दो मेडिकल यूनिवर्सिटी बनाने का निर्णय लिया गया। हालांकि, इस नई व्यवस्था के लागू होने पर राज्य सरकार को प्रतिवर्ष लगभग 10 करोड़ रुपये का अतिरिक्त वित्तीय भार वहन करना पड़ेगा। जबलपुर मेडिकल यूनिवर्सिटी के अंतर्गत महाकौशल और विंध्य क्षेत्र के जिले शामिल होंगे। इनमें जबलपुर, रीवा, सतना, सीधी, सिंगरौली, शहडोल, उमरिया, डिंडोरी, मंडला, बालाघाट, सिवनी, छिंदवाड़ा, पन्ना, टीकमगढ़ सहित आसपास के जिले शामिल किए गए हैं। वहीं उज्जैन मेडिकल यूनिवर्सिटी के अधीन भोपाल, रायसेन, विदिशा, सीहोर, राजगढ़, नर्मदापुरम, बैतूल, ग्वालियर, मुरैना, भिंड, दतिया, शिवपुरी, श्योपुर, गुना, इंदौर, उज्जैन, देवास, धार, रतलाम, मंदसौर, नीमच, खरगोन, खंडवा, बड़वानी, बुरहानपुर तथा सागर संभाग के जिले शामिल किए जाएंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि विश्वविद्यालयों का विभाजन होने से संबद्ध कॉलेजों की संख्या कम होगी, जिससे परीक्षा, मूल्यांकन, डिग्री वितरण और प्रशासनिक प्रक्रियाएं अधिक प्रभावी और समयबद्ध हो सकेंगी।

सावधानी से स्वास्थ्य रक्षा

वर्षा ऋतु में सजग जीवनशैली से रोगमुक्ति

बरसात का मौसम स्वास्थ्य की दृष्टि से नाजुक माना गया है। क्योंकि इन दिनों शरीर में अनेक जैविक परिवर्तन होते हैं। वात दोष व पाचन में धीमापन इस ऋतु की खासियत है। अनेक तरह के रोग पैदा हो सकते हैं। आयुर्वेद के मुताबिक, यदि हम वर्षा ऋतु में संतुलित भोजन करें , स्वच्छता अपनाएं व उचित दिनचर्या का पालन करें तो मौसमी रोगों से बच सकते हैं।

भीषण गर्मी की तपन के बाद जब धरती पर वर्षा की शीतल फुहारें पड़ती हैं तो समूची प्रकृति नवजीवन से भर उठती है। खेत हरियाली से लहलहा उठते हैं, नदियां और सरोवर जल से भर जाते हैं। वातावरण में अद्भुत ताजगी का संचार होता है। किन्तु प्रकृति का यही मनमोहक रूप स्वास्थ्य की दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील भी माना गया है। आयुर्वेद के अनुसार वर्षा ऋतु केवल मौसम का परिवर्तन नहीं, बल्कि शरीर के भीतर होने वाले अनेक जैविक परिवर्तनों का भी समय है। यदि इस ऋतु में उचित आहार-विहार का पालन न किया जा, तो अनेक रोग पैदा हो सकते हैं।

जीवनशैली में बदलाव का समय

आयुर्वेद में प्रत्येक ऋतु के अनुरूप जीवनशैली अपनाने पर विशेष बल दिया गया है। वर्षा ऋतु में वातावरण की नमी, सूर्य की मंद किरणें तथा दूषित जल शरीर की कार्यक्षमता को प्रभावित करते हैं। इस समय वात दोष का प्रकोप तथा पित्त का संचय होने लगता है। इसका प्रभाव जठराग्नि अर्थात् पाचन शक्ति पर पड़ता है। मंद अग्नि के कारण भोजन का समुचित पाचन नहीं हो पाता और पाचन जन्य विकार सहित अनेक प्रकार के विकार उत्पन्न होने लगते हैं। यही कारण है कि आयुर्वेद वर्षा ऋतु को रोगों की उत्पत्ति का महत्वपूर्ण काल मानता है।

सुपाच्य भोजन से रोग-प्रतिरोध

वर्षा के दिनों में जल स्रोतों का दूषित होना तथा वातावरण में नमी का बढ़ना शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को कमजोर कर देता है। परिणामस्वरूप अजीर्ण, अतिसार, ज्वर, त्वचा रोग, सर्दी-जुकाम, खांसी, जोड़ों का दर्द तथा विभिन्न संक्रामक रोग अधिक देखने को मिलते हैं। वर्षा ऋतु में भोजन हल्का, गर्म तथा आसानी से पचने वाला होना चाहिए। जौ, गेहूं तथा पुराना चावल जैसे पुराने धान्य अपेक्षाकृत सुपाच्य माने गए हैं। मूंग की दाल इस मौसम का सर्वोत्तम आहार है क्योंकि यह हल्की होने के साथ-साथ पाचन में भी सहायक होती है। खट्टे और नमकीन रस का सीमित मात्रा में सेवन वात दोष को संतुलित करने में सहायक होता है। दही का उपयोग उचित है। पुराना शहद भी इस ऋतु में लाभकारी माना गया है क्योंकि यह कफ और आम को कम करने में सहायता करता है।

उबालकर ठंडा किया जल

पीने वाले पानी के विषय में विशेष सावधानी आवश्यक है। वर्षा के दिनों में जल आसानी से दूषित हो सकता है, इसलिए सदैव उबालकर ठंडा किया हुआ जल ही पीना चाहिए। अदरक, काली मिर्च और पिप्पली जैसे दीपनीय द्रव्य भोजन में सम्मिलित करने से पाचन शक्ति सुदृढ़ रहती है और रोगों की संभावना कम होती है।

नमी से बचाव

वर्षा ऋतु में केवल आहार ही नहीं बल्कि विहार अर्थात् जीवनशैली पर भी समान रूप से बल देता है। शरीर और वस्त्रों को सदैव स्वच्छ तथा शुष्क रखना चाहिए क्योंकि नमी अनेक रोगों को आमंत्रित करती है। भीग जाने पर तुरंत सूखे वस्त्र बदल लेना उचित है। घर और आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखना, जल जमाव से बचना तथा मच्छरों की रोकथाम करना आवश्यक है।

नियमित धूपन से वातावरण शुद्ध रहता है और अनेक रोगाणुओं का नाश होता है।

तिल के तेल से मालिश

आयुर्वेदिक चिकित्सा में वर्षा ऋतु के लिए कुछ विशेष उपाय बताए गए हैं। तिल के तेल से अभ्यंग अर्थात् शरीर की मालिश करने से वात दोष शांत होता है तथा शरीर में स्फूर्ति बनी रहती है। पंचकर्म में बस्ति कर्म को वात विकारों की श्रेष्ठ चिकित्सा माना गया है। आवश्यकता अनुसार विशेषज्ञ आयुर्वेद चिकित्सक की सलाह से इन उपचारों का लाभ लिया जा सकता है।

बरसात में न खाएं ये 5 सब्जियां, पाचन तंत्र को कर सकती हैं कमजोर

बरसात का मौसम जितना सुहावना होता है, उतना ही यह स्वास्थ्य की दृष्टि से चुनौतीपूर्ण भी माना जाता है। ऐसे मौसम में गलत खान-पान पेट में गैस और अपच का कारण बन जाता है। बरसात के मौसम में कुछ फूड्स से परहेज करना बेहद जरूरी है। इस मौसम में कुछ सब्जियां पेट के रोगों का कारण बनती है। कुछ सब्जियां इस मौसम में जल्दी खराब होती हैं या उनमें बैक्टीरिया और फंगस जल्दी पनपते हैं, जिससे संक्रमण और पाचन संबंधी दिक्कतें हो सकती हैं।

बैंगन नहीं खाएं

आयुर्वेद के मुताबिक बैंगन पित्तवर्धक माना जाता है। इसका सेवन करने से बॉडी में गर्मी बढ़ती है। इसे खाने से पेट में गैस, एसिडिटी और पेट में जलन की परेशानी हो सकती है। बरसात में बैंगन को स्टोर करना मुश्किल होता है और ये जल्दी सड़ जाते हैं। इस मौसम में बैंगन का सेवन करने से परहेज करें।

अरबी नहीं खाएं

अरबी एक जड़ वाली सब्जी है जिसमें स्टार्च की मात्रा बहुत ज्यादा होती है। यह स्वाद में भारी और पचाने में कठिन होती है। बरसात में इस सब्जी का सेवन अपनी पाचन शक्ति को ध्यान में रखकर करना चाहिए। बरसात के मौसम में जठराग्नि (छ्वद्वद्दह्यह्वद्व1द्ग द्वद्वह्लद्ध) कमजोर हो जाती है, और अरबी पचने में भारी होती है। बरसात में अरबी का सेवन करने से पेट में गैस, कब्ज और अपच की समस्या हो सकती है। ये सब्जी पेट फूलने का कारण बन सकती है। बरसात में अरबी का सेवन नहीं करें।

पत्ता गोभी से करें परहेज

पत्ता गोभी की परतों में बरसात के मौसम में कीड़े और बैक्टीरिया छिप जाते हैं जो पेट में जाकर संक्रमण का कारण बनते हैं। अगर इस मौसम में इस सब्जी को ठीक से साफ नहीं किया जाए तो यह फूड पॉइजनिंग या इंफेक्शन का कारण बन सकती है।

पालक और दूसरी पत्तेदार सब्जियां नहीं खाएं

बरसात में नमी के कारण पत्तेदार सब्जियों पर फंगस और कीड़े जल्दी लग जाते हैं। इसका सेवन करने से पेट में गैस, दस्त, उल्टी और संक्रमण का खतरा बढ़ने लगता है। बरसात में आप इससे परहेज करें।

फूलगोभी नहीं खाएं

फूलगोभी जमीन के अंदर पैदा होती है। इस मौसम में गोभी में छोटे कीट और बैक्टीरिया आसानी से छिप जाते हैं जो खाने के साथ पेट में चले जाते हैं और पाचन को बिगाड़ देते हैं। इस मौसम में गोभी का सेवन करने से उसे पचाना मुश्किल होता है और पेट में गैस बनती है। ये सब्जी फूड पॉइजनिंग या आंतों में संक्रमण का कारण भी बन सकती है

कुछ सावधानियां

वर्षा ऋतु में अत्यंत आवश्यक हैं। भोजन सदैव ढककर रखना चाहिए तथा बासी या दूषित भोजन से बचना चाहिए। अनावश्यक रूप से वर्षा में भीगना उचित नहीं। फिसलन वाले स्थानों पर सावधानी बरतनी चाहिए। दिन में सोना, अत्यधिक व्यायाम तथा अधिक पैदल चलना इस ऋतु में हितकर नहीं माना गया है। गीले कपड़ों में लंबे समय तक रहना त्वचा रोगों तथा संक्रमण का कारण बन सकता है। जूते या चप्पल पहनना भी आवश्यक है। वर्षा ऋतु में कुछ वस्तुओं और आदतों से विशेष रूप से बचना चाहिए। नदी, तालाब या खुले जल स्रोतों का पानी पीना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। बासी भोजन, अत्यधिक भारी एवं तैलीय खाद्य पदार्थ, अधिक मात्रा में सत्तू तथा दिन में सोने जैसी आदतें पाचन शक्ति को और कमजोर कर सकती हैं। इसलिए ताजा, स्वच्छ और सुपाच्य भोजन का सेवन करें। वर्षा ऋतु प्रकृति का अनुपम उपहार है, परंतु यह स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने का भी संदेश देती है। यदि हम वर्षा ऋतु में संतुलित भोजन, स्वच्छता, उचित दिनचर्या तथा आयुर्वेदिक सिद्धांतों का पालन करें तो न केवल मौसमी रोगों से बच सकते हैं, बल्कि अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी सुदृढ़ बना सकते हैं।

महाकाली की आराधना का विराट लोकपर्व बोनालू उत्सव आज से

बोनालू में मां काली के विभिन्न स्वरूपों-मायसम्मा, पोचम्मा, येल्लम्मा, डोक्कलम्मा, पेदाम्मा, पोलेरम्मा, अंकलम्मा, मारेम्मा तथा नूकलम्मा-की पूजा की जाती है। इस पर्व की शुरुआत वर्ष 1813 में हैदराबाद और सिकंदराबाद से हुई थी। उस समय इन शहरों में प्लेग की भयंकर महामारी फैली थी।

हैदराबाद के ऐतिहासिक गोलकुंडा किले में स्थित श्रीजगदंबा महाकाली मंदिर से शुरू होने वाला गोलकुंडा बोनालू उत्सव पूरे एक महीने तक तेलंगाना के अनेक शक्तिपीठों में आयोजित होता है। यह उत्सव आगामी 19 जुलाई से शुरू होगा। इसके बाद क्रमश: सिकंदराबाद के उज्जैनी महाकाली मंदिर, पुराने शहर के लाल दरवाजा तथा अन्य प्रमुख शक्तिपीठों में लगातार रविवारों को बोनालू उत्सव आयोजित होगा। यह हिंदू पर्व मूलत: देवी महाकाली की आराधना को समर्पित वार्षिक उत्सव है। उत्सव के पहले और अंतिम दिन देवी येल्लम्मा की विशेष पूजा की जाती है। लोग अपनी मनोकामनाएं पूर्ण होने पर देवी को धन्यवाद स्वरूप भी यह पर्व मनाते हैं। तेलुगु भाषा में 'बोनम' का अर्थ होता है भोजन। अर्थात ? वह भोजन, जो देवी को अर्पित किया जाता है। इसके लिए घर की महिलाएं चावल को दूध और गुड़ के साथ नए मिट्टी या पीतल के पात्र में पकाती हैं। इस पात्र को नीम की पत्तियों, हल्दी और सिंदूर से सजाया जाता है। महिलाएं इसे सिर पर रखकर मंदिर तक ले जाती हैं और देवी को बोनम (भोजन), चूड़ियां तथा साड़ी अर्पित करती हैं।

,बोनालू में मां काली के विभिन्न स्वरूपों-मायसम्मा, पोचम्मा, येल्लम्मा, डोक्कलम्मा, पेदाम्मा, पोलेरम्मा, अंकलम्मा, मारेम्मा तथा नूकलम्मा—की पूजा की जाती है। इस पर्व की शुरुआत वर्ष 1813 में हैदराबाद और सिकंदराबाद से हुई थी। उस समय इन शहरों में प्लेग की भयंकर महामारी फैली थी, जिससे हजारों लोगों की मृत्यु हो गई थी। इसी दौरान हैदराबाद की एक सैन्य टुकड़ी उज्जैन गई। वहां मध्य प्रदेश स्थित महाकाली मंदिर में सैनिकों ने देवी से प्रार्थना की कि यदि हैदराबाद प्लेग से मुक्त हो जाए, तो वे सिकंदराबाद में महाकाली की प्रतिमा स्थापित

करेंगे। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि देवी महाकाली की कृपा से महामारी का प्रकोप थम गया। इसके बाद सैनिकों ने सिकंदराबाद में महाकाली की प्रतिमा स्थापित कर देवी को बोनालू अर्पित किया। तभी से शहर के विभिन्न हिस्सों में बोनालू उत्सव मनाने की परंपरा चली आ रही है। इसकी शुरुआत आषाढ़ मास के पहले रविवार को गोलकुंडा किले से होती है।

इसके बाद सिकंदराबाद के उज्जैनी महाकाली मंदिर में उत्सव मनाया जाता है। दूसरे रविवार को बाल्कमपेट येल्लम्मा मंदिर में आयोजन होता है। तीसरे रविवार को चिलकलगुडा स्थित पोचम्मा तथा कट्टा मैसम्मा मंदिरों और पुराने हैदराबाद के लाल दरवाजा स्थित मथेश्वरी मंदिर में भव्य उत्सव आयोजित किया जाता है। इसके अतिरिक्त अक्कन्ना-मदन्ना मंदिर तथा शाह अली बांदा स्थित मुथ्यालम्मा मंदिर सहित अन्य मंदिरों में भी बोनालू मनाने की समृद्ध परंपरा है। इस अवसर पर महिलाएं पारंपरिक साड़ियां, आभूषण और अन्य श्रृंगार धारण करती हैं। अविवाहित किशोरियां पारंपरिक हाफ साड़ी पहनकर विशेष रूप से सजती-संवरती हैं। कई महिलाएं देवी के सम्मान में ढोल की थाप पर सिर पर बोनम रखकर नृत्य करती हैं। गोलकुंडा से आरंभ होने वाले इस उत्सव में महिलाएं बोनालू लेकर चलती हैं। मान्यता है कि इस बोनम में देवी की शक्ति का वास होता है। जब वे मंदिर पहुंचती हैं, तो श्रद्धालु उनके पैरों पर पानी छिड़कते हैं, क्योंकि लोकविश्वास है कि देवी की शक्ति अत्यंत प्रचंड होती है और इस प्रकार उनका शांतिपूर्वक स्वागत किया जाता है। इस दौरान भक्त 'थोट्टेलु' भी चढ़ाते हैं। ये रंग-बिरंगे कागज से बने छोटे-छोटे सजावटी ढांचे होते हैं, जिन्हें डंडियों के सहारे खड़ा किया जाता है और श्रद्धा के प्रतीक के रूप में देवी को अर्पित किया जाता है। इस त्योहार के तीन प्रमुख अनुष्ठान होते हैं। पहला 'बोनालू', जिसमें देवी को विशेष प्रसाद अर्पित किया जाता है। इसके बाद यही प्रसाद परिवार तथा अतिथियों में वितरित किया जाता है। दूसरा है 'रंगम', जो मुख्य उत्सव के अगले दिन प्रात: आयोजित होता है। इसमें एक महिला स्वयं पर देवी महाकाली का आह्वान करती है। श्रद्धालु उससे भविष्य के बारे में प्रश्न पूछते हैं और वह आगामी वर्ष के संबंध में भविष्यवाणी करती है। तीसरा प्रमुख अनुष्ठान 'घटम' है। 'घटम' अर्थात ? तांबे का वह कलश, जिसे देवी के स्वरूप के रूप में सजाया जाता है। इसे एक पुजारी पारंपरिक धोती धारण कर तथा शरीर पर हल्दी लगाकर सिर पर उठाता है। उत्सव के प्रथम दिन से अंतिम दिन तक इस घटम की भव्य शोभायात्रा निकाली जाती है। अंत में इसका विसर्जन जल में किया जाता है। विसर्जन के समय ढोल-नगाड़ों की गूंज पूरे वातावरण को भक्तिमय बना देती है।

इरादों की नई कार्यशैली

हर सरकार को अपनी कार्यशैली का एक नक्शा जमीन पर उतारना पड़ता है और इस लिहाज से सुक्खू सरकार ने अपने इरादे चिन्हित कर दिए हैं। मंडे बैठकों के दौर के बाद उच्च स्तरीय बैठकों में इरादों की कार्यशैली स्पष्ट हो रही है। मेडिकल कालेजों को श्रेष्ठ मेडिकल कालेजों के बाद अब जिला, क्षेत्रीय व जोनल अस्पतालों की सुध में नई इच्छा शक्ति जागृत हुई है। आज भी स्वास्थ्य के परिप्रेक्ष्य में पहली दस्तक नजदीकी अस्पतालों और खास तौर पर जिला, क्षेत्रीय या जोनल अस्पतालों में होती है। अगर जिलों की ओपीडी जिला स्तरीय अस्पतालों में संतुष्ट हो जाए, तो मेडिकल कालेज और श्रेष्ठ तथा गुणवत्ता पूर्ण सेवाओं का पैमाना तय कर पाएंगे। इसी संदर्भ में हिमाचल सरकार एमआरआई मशीनों तथा डिजिटल मैमोग्राफी सुविधा का विस्तार बिलासपुर, कुल्लू, ऊना, सोलन, धर्मशाला तथा पालमपुर जैसे अस्पतालों में कर रही है। इसके अलावा मेडिकल कालेजों में 256 स्लाइस हाई एंड सीटी स्कैन तथा डिजिटल-एक्सरे मशीनें आ रही हैं। जाहिर है निरीक्षण-परीक्षण की दृष्टि से बहुत कुछ मुकम्मल होगा। निजी क्षेत्र के सामने हिमाचल की स्वास्थ्य सेवाओं का ढांचा सुदृढ़ होगा, तो मरीजों का विश्वास आज भी सरकारी अस्पतालों को अहमियत दे रहा है। हमारा मानना है कि हिमाचल को रोग विशेष के आधार पर क्षेत्रीय व जोनल अस्पतालों को राज्य स्तरीय दर्जा देना होगा। मसलन कोई एक अस्पताल अगर न्यूरो की दक्षता में संपूर्ण सुसज्जित हो तो उसे इस विषय का राज्य स्तरीय अस्पताल घोषित किया जाए। इसी तरह गैस्ट्रो, मधुमेह, यूरोलॉजी, हड्डी रोग, हार्ट व अन्य रोग विशेष के राज्य स्तरीय अस्पताल बना देने चाहिएं। इससे अनुसंधान, निपुणता व दक्षता को नया आयाम मिलेगा तथा राज्य में सुपरस्पेशियलिटी की श्रृंखला बन जाएगी। हिमाचल को कुछ अस्पतालों को पर्यटन से जोड़ कर देखते हुए हैल्थ टूरिज्म प्रोमोट करना होगा। मसलन कुल्लू-मनाली, शिमला व धर्मशाला के अस्पतालों में हैल्थ टूरिज्म की संभावनाएं देखी जानी चाहिएं, जबकि पपरोला आयुर्वेदिक चिकित्सालय के साथ-साथ कुछ अन्य आयुर्वेदिक अस्पताल भी अंतरराष्ट्रीय स्तर की सेवाएं दे सकते हैं।

रहने लायक शहरों की रैंकिंग से शर्मसार देश

केंद्र सरकार 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की बात करती है। देश को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का सपना दिखाया जा रहा है। विकसित भारत की इमारत उस बुनियाद पर खड़ी की जा रही है जो हर मानसून में हिल जाती है। क्या अब समय नहीं आ गया है कि विकास के दावों से पहले शहरों की जल निकासी व्यवस्था, निर्माण की गुणवत्ता, नगर नियोजन और प्रशासनिक जवाबदेही को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया जाए? लेकिन क्या हर मॉनसून हमारे इन सभी दावों की वास्तविकता सामने नहीं रख देता? क्या विकसित भारत केवल बुलेट ट्रेन, एक्सप्रेस वे और गगनचुंबी इमारतों से बनेगा? या फिर उसकी पहचान ऐसी मजबूत बुनियादी व्यवस्था से होगी जो हर मौसम में नागरिकों को सुरक्षित और सुगम जीवन दे सके? भारत शहरी निवासियों को बुनियादी सुविधाएं देने में विफल रहा है चुनावों के दौरान भाजपा नारा देती रही है, डबल और ट्रिपल इंजिन की सरकार बनाने को। अर्थात भाजपा का शासन केंद्र में हो, राज्य में हो और महानगर निगमों में भी हो तो विकास भी दुगनी और तीगुनी रफ्तार से होगा। देश के ज्यादातर मतदाताओं ने भाजपा की बात पर भरोसा भी कर लिया और केंद्र के अलावा कई राज्यों में सरकार और महानगर निगमों में भाजपा बोर्ड बनवा दिया। अब मतदाता निश्चिंत हो गए कि चलो जिन जहां तीन स्थानों पर भाजपा की सरकार है, वहां विकास रॉकेट की रफ्तार से उड़ेगा। लेकिन परिणाम जन अपेक्षाओं के विपरीत आए। महानगरों में रहने वाले लोगों की हालत नरक में रहने जैसी हो गई। प्रदूषण से लोग जहरीली सांस लेने को मजबूर हो गए। पानी-बिजली के लिए हाहाकार मच गया। ट्रैफिक जाम से लोगों की सांस फूल गई। बारिश के दौरान पूरा शहर जलमग्न हो गया। सडक़ों पर गड्ढों में भरे पानी से लोगों की मौत होने लगी। यह हालत अकेले भाजपा के डबल ट्रिपल इंजिन वाले राज्यों के महानगरों की नहीं है बल्कि कांग्रेस और दूसरे दलों के राज्यों का भी यही हाल है। भारत के महानगरों की यह भयावह तस्वीर इकोनॉमिस्ट इंटेलिजेंस यूनिट द्वारा जारी ग्लोबल

लिवेबिलिटी (रहने योग्य) इंडेक्स 2026 में उजागर हुई है। दुनिया के 173 शहरों का स्वास्थ्य, शिक्षा, आधारभूत ढांचा, पर्यावरण, स्थिरता और सांस्कृतिक सुविधाओं जैसे प्रमुख मानकों के आधार पर मूल्यांकन किया गया, जिसमें देश की राजधानी नई दिल्ली 120वें स्थान पर रही, जबकि आर्थिक राजधानी मुंबई 121वें स्थान पर कायम रही। दक्षिण भारत के प्रमुख महानगर चेन्नई को 123वां और बेंगलुरु को लिवेबिलिटी रैंकिंग में 127वां स्थान मिला है। यह देश के सत्तारूढ़ दलों के नेताओं के लिए बेशक शर्म का विषय नहीं हो, किन्तु रैंकिंग की इस हालत से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की किरकिरी हुई है। उल्लेखनीय बात यह है कि पिछले वर्ष की तुलना में इन शहरों की रैंकिंग में कोई उल्लेखनीय सुधार नहीं हुआ। यह स्थिति दर्शाती है कि तेज आर्थिक विकास के बावजूद भारतीय महानगरों में जीवन गुणवत्ता, यातायात, प्रदूषण, सार्वजनिक सेवाओं और शहरी सुविधाओं से जुड़ी चुनौतियां और भारी भ्रष्टाचार अभी भी गंभीर समस्या बनी हुई हैं। गौरतलब है कि केंद्र में भाजपा सरकार है, दिल्ली राज्य में भाजपा की सरकार है और दिल्ली के महानगर निगम में भी भाजपा का कब्जा है। इसी तरह महाराष्ट्र में भाजपा-शिवसेना की सरकार है। मुंबई महानगर निगम में भाजपा-शिवसेना का बोर्ड है। दिल्ली और मुंबई में ट्रिपल इंजिन की सरकार है। इसके बावजूद विश्व लिवेबिलिटी रैंकिंग में नई दिल्ली 120वें स्थान पर जबकि आर्थिक राजधानी मुंबई 121वें स्थान पर रही है। कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार है। राजधानी बेंगलुरु को लिवेबिलिटी रैंकिंग में 127वां स्थान प्राप्त हुआ। हालांकि कांग्रेस ने कभी डबल या ट्रिपल इंजिन की सरकार का नारा नहीं दिया। इसी तरह ग्रेटर चेन्नई कॉर्पोरेशन में द्रमुक का बोर्ड है, अब यहां एक इंजिन रह गया है, पिछले महीनों तक जब स्टालिन की सरकार तमिलनाडु में थी, तब यहां डबल इंजिन की सरकार थी। अब तमिलनाडु में अभिनेता विजय की सरकार है। विश्व रहने योग्य रैंकिंग में चेन्नई को 123वां मिला है। ग्लोबल लिवेबिलिटी इंडेक्स में डेनमार्क की राजधानी कोपेनहेगन ने पहला स्थान हासिल करते हुए दुनिया के सबसे रहने योग्य शहर का दर्जा बरकरार रखा। ऑस्ट्रिया की राजधानी वियना दूसरे और ऑस्ट्रेलिया का मेलबर्न तीसरे स्थान पर रहा। कल्पना की जा सकती है कि जब भारत के चार प्रमुख शहरों की रहने लायक विश्व रैंकिंग का ये हाल है तो देश के बाकी शहरों का बुनियादी सुविधाओं के मामले में क्या हाल होगा। ऐसा नहीं है कि इन महानगरों की हालत नरक की तरह है, इनमें कुछ कम या ज्यादा खराब हालत देश के बाकी दूसरे छोटे शहरों की भी है, जो महानगर बनने की तरफ तेजी से बढ़ रहे हैं। केंद्र और राज्यों की सरकारों द्वारा किए गए वादे खोखले साबित हुए हैं। पिछले वर्ष शहरी कार्यक्रमों पर खर्च की गई राशि घोषित राशि से 40 प्रतिशत कम थी। सरकार की शहरी स्वच्छता की प्रमुख पहल का बजट आधा कर दिया गया, जबकि कुछ ही सप्ताह पहले इंदौर में कच्चे सीवेज से दूषित पानी पीने से दर्जनों लोगों की मौत हो गई थी। यह वही शहर है जिसे सरकार ने पिछले आठ वर्षों से लगातार देश का सबसे स्वच्छ शहर घोषित किया है। सत्ता के केंद्रों के करीब होने के बावजूद स्थानीय लोग कुशासन से सुरक्षित नहीं रह पाते। गुजरात के गांधीनगर में जनवरी 2026 में दूषित जल से टायफाइड फैल गया था। पिछले साल देश भर के 26 शहरों में कम से कम 5500 लोग दशकों पुरानी खराब पाइपलाइनों के कारण सीवेज से दूषित पानी पीने से बीमार पड़ गए थे और ये तो केवल दर्ज और रिपोर्ट किए गए मामले हैं। क्या स्मार्ट सिटी का अर्थ केवल चौड़ी सडक़ें, चमकदार भवन और आकर्षक परियोजनाएं हैं? क्या स्मार्ट शहर वह नहीं होना चाहिए जो सामान्य से अधिक बारिश को भी सहजता से संभाल सके? यदि अरबों रुपए जल निकासी, सडक़ निर्माण और शहरी विकास पर खर्च हो रहे हैं, तो पहली तेज बारिश में ही सडक़ें नदी और चौराहे तालाब क्यों बन जाते हैं? केंद्र सरकार 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की बात करती है। देश को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का सपना दिखाया जा रहा है। विकसित भारत की इमारत उस बुनियाद पर खड़ी की जा रही है जो हर मानसून में हिल जाती है। क्या अब समय नहीं आ गया है कि विकास के दावों से पहले शहरों की जल निकासी व्यवस्था, निर्माण की गुणवत्ता, नगर नियोजन और प्रशासनिक जवाबदेही को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया जाए? लेकिन क्या हर मॉनसून हमारे इन सभी दावों की वास्तविकता सामने नहीं रख देता? क्या विकसित भारत केवल बुलेट ट्रेन, एक्सप्रेस वे और गगनचुंबी इमारतों से बनेगा? या फिर उसकी पहचान ऐसी मजबूत बुनियादी व्यवस्था से होगी जो हर मौसम में नागरिकों को सुरक्षित और सुगम जीवन दे सके? भारत शहरी निवासियों को बुनियादी सुविधाएं देने में विफल रहा है। स्वच्छ जल, सांस लेने योग्य हवा और एक ऐसी सरकार जिसे विफल होने पर वे वोट देकर हटा सकें। जब तक भारत लोकतांत्रिक जवाबदेही को गंभीरता से नहीं लेता और निर्वाचित शहरी नेताओं को कर लगाने और कार्रवाई करने का अधिकार नहीं देता, तब तक नागरिकों को दुनिया के कुछ सबसे भयावह शहरी वातावरणों में जीवन व्यतीत करने के लिए विवश होना पड़ेगा।

योगेंद्र योगी

पीवी सिंधु ने रचा इतिहास, जापान ओपन का खिताब जीतने वाली बनीं पहली भारतीय

टोक्यो। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने जापान ओपन का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। उन्होंने फाइनल मैच में तीन बार की विश्व चैंपियन अकाने यामागुची को 21-17, 21-17 से हराया और दो साल से अधिक समय बाद अपना पहला खिताब जीता।

इसके साथ सिंधू ये खिताब जीतने वाली पहली भारतीय भी बन गईं। रविवार (19 जुलाई) को जापान ओपन के फाइनल मैच में 31 साल की सिंधू ने लगातार आक्रमण के साथ-साथ रणनीतिक अनुशासन और अहम पलों में संयम बनाए रखते हुए जीत हासिल की।

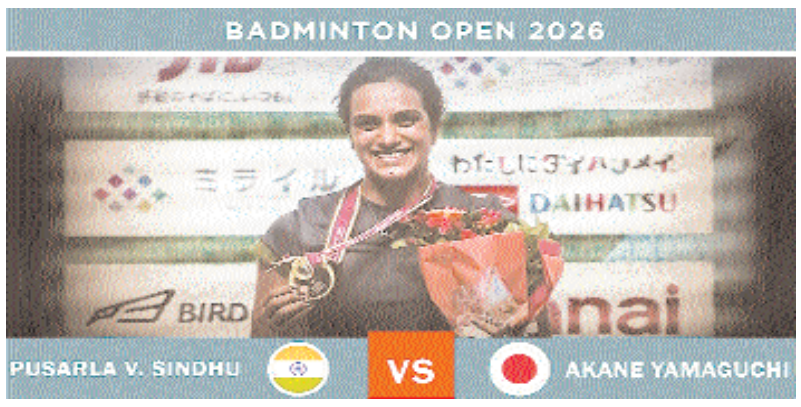

यह पूर्व वर्ल्ड चैंपियन का दिसंबर 2024 में सैयद मोदी टूर्नामेंट जीतने के बाद पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब है। साथ ही, इस जीत के साथ ही सिंधु का सुपर 750 या उससे ऊपर का खिताब जीतने का सात साल का इंतजार भी खत्म हो गया। सिंधू ने 2019 में विश्व चैंपियनशिप का खिताब जीता था।

50 मिनट तक चले मैच में सिंधु ने शानदार शुरुआत की, पहले दो पॉइंट जीते और तीसरे पॉइंट के लिए सफल चुनौती देकर शुरुआती 3-0 की बढ़त बना ली। हालांकि, यामागुची ने शानदार वापसी करते हुए स्कोर बराबर कर दिया। जिसके बाद सिंधु ने कुछ गलतियां की, जिसका फायदा उठाकर यामागुची 9-7 से बढ़त बना ली।मिड-गेम इंटरवल के बाद खेल जब दोबारा शुरू हुआ तो सिंधु का अंदाज बिल्कुल अलग था। वह अपने अटैक में कहीं ज्यादा आक्रामक दिखीं, उन्होंने यामागुची को बैकफुट पर धकेल दिया और अपनी बढ़त को 16-12 तक पहुंचा दिया। दोनों खिलाड़ियों में से कोई भी हार मानने को तैयार नहीं था और स्कोर 17-17 पर बराबर हो गया। हालांकि, भारतीय स्टार ने लगातार चार पॉइंट जीतकर पहला गेम 21-17 से अपने नाम कर लिया।सिंधु ने दूसरे गेम की शुरुआत भी शानदार ढंग से की, पहले 6-3 की बढ़त बनाई और फिर उसे बढ़ाकर 8-3 कर दिया। जापानी शटलर ने लगातार चार पॉइंट जीतकर सिंधु की रफ्तार को कुछ देर के लिए रोका, लेकिन आखिर में भारतीय खिलाड़ी ही 11-7 की बढ़त के साथ मिड-गेम ब्रेक में पहुंची।

ब्रेक के बाद, पूर्व वर्ल्ड चैंपियन थोड़ी घबराई हुई दिखीं, सिंधु ने तेजी से 14-7 की बढ़त बनाई और फिर 16-12 से अपनी बढ़त बनाए रखी। यामागुची ने पांच पॉइंट जीतकर वापसी की कोशिश की और अंतर को कम करके 18-17 कर दिया। लेकिन सिंधु ने तेजी से तीन मैच-पॉइंट के मौके बनाए और 21-17 से गेम अपने नाम कर लिया।

सच बाजार

त्योहारी सीजन में पहले में शक्कर में ऐतिहासिक उछाल

चीनी में घुली महंगाई की कड़वाहट पहली बार 50 रुपए किलो के पार

वाणिज्य संवाददाता.भोपाल

कमजोर मानसून और घटते स्टॉक के बीच चीनी (शक्कर) ने ऊंची छलांग लगाई है। अब तक के इतिहास में पहली बार राजधानी भोपाल में चीनी के थोक भाव 50 रुपए प्रति किलो बोला गया और आने वाले त्यौहारी सीजन में चीनी के भाव में और महंगाई की कड़वाहट घुलेगी। स्थानीय भोपाल के हनुमानगंज और जुमेराती बाजार स्थित तेल-शक्कर ब्रोकर और शकर व्यापारी देवानंद

सचदेवा ने बताया कि त्योहारी सीजन के पहले चीन के दाम ऐतिहासिक ऊंचाई पर पहुंच गए हैं। पहली बार चीनी के एक्स फैक्टरी भाव 5,000 रुपए प्रति क्विंटल (50 रुपए प्रति किलो) खुला। इसका असर थोक बाजार पर भी पड़ा और आगे भी पड़ेगा। स्थानीय थोक बाजार में शक्कर 55 रुपए किलो के पार पहुंचने की संभावना है।

व्यापारियों के अनुसार कमजोर मानसून के कारण गन्ना उत्पादन पर असर और पुराने स्टॉक में कमी कीमतों में तेजी के प्रमुख कारण हैं। त्योहारी सीजन में मिठाइयों और अन्य खाद्य पदार्थों की मांग बढ़ने के साथ चीनी की कीमतों में और बढ़ोतरी की आशंका बनी हुई है।

व्यापारियों के अनुसार चालू सीजन में एथनॉल के लिए चीनी आवंटन में बदलाव के बाद उत्पादन अनुमान पहले 300 लाख टन से अधिक लगाया गया था, लेकिन अब इसके घटकर 280 से 285 लाख टन रहने की संभावना है। सितंबर तक चीनी का क्लोजिंग स्टॉक भी घटकर 10 से 15 लाख टन रहने का अनुमान है, जबकि देश में हर महीने करीब 22 से 25 लाख टन चीनी की जरूरत होती है। विशेषज्ञों का कहना है कि कम कैरीओवर स्टॉक, मानसून की अनिश्चितता और अगले सीजन के उत्पादन को लेकर चिंता कीमतों को समर्थन दे रही है। हालांकि, चीनी की कीमतें 50 रुपए किलो के ऊपर लंबे समय तक बनी रहेंगी या नहीं, यह जुलाई-अगस्त में मानसून की स्थिति और नए सीजन के उत्पादन अनुमान पर निर्भर करेगा।

मंडी बोर्ड में 18 भृत्य और चौकीदारों को सहायक वर्ग-3 पद पर पदोन्नति

वाणिज्य संवाददाता.भोपाल

मध्यप्रदेश राज्य कृषि विपणन बोर्ड ने विभागीय पदोन्नति समिति की अनुशंसा और मंडी बोर्ड के प्रबंध संचालक कुमार पुरुषोत्तम के दिशा- निर्देश पर 18 भृत्य एवं चौकीदार कर्मचारियों को सहायक वर्ग-3 के पद पर पदोन्नत किया है। बोर्ड द्वारा जारी आदेश के अनुसार इन कर्मचारियों को स्थानापन्न रूप से सहायक वर्ग-3 के पद पर सातवें वेतनमान में कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से पदोन्नति दी गई है।

मध्यप्रदेश राज्य कृषि विपणन बोर्ड, किसान भवन, अरेरा हिल्स भोपाल से जारी आदेश में बताया गया कि समिति ने पात्र पाए गए कर्मचारियों को सहायक वर्ग-3 के पद पर पदोन्नति देने की अनुशंसा की थी। पदोन्नत होने वाले कर्मचारियों में गुलजार सिंह चक्रवर्ती, शिवकुमार शर्मा, मातादीन गोड, भंवरलाल वर्मा, गोपीलाल वर्मा, दिनेश कुमार बाजोरिया, मनोज कुमार शाक्य, उदले सिंह गोंड, विजयेंद्र चंद्रायण, मनमोहन प्रजापति, प्रकाश चंद्र जोशी, जयप्रकाश मिश्रा, निशा झारे, इंदिरा, दाखीराम अहिरवार, सोनू मालवीय, राजेंद्र बाथम और माचल सिंह शामिल हैं।

इन कर्मचारियों की पदस्थापना मंडी बोर्ड मुख्यालय भोपाल सहित विभिन्न आंचलिक कार्यालयों और तकनीकी संभागों में है। इनमें भोपाल, ग्वालियर, सागर, उज्जैन और अन्य कार्यालयों में कार्यरत कर्मचारी शामिल हैं। आदेश में यह भी प्रमाणित किया गया है कि पदोन्नति प्रक्रिया में मध्यप्रदेश लोक सेवा (अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण) नियम 1994 तथा मध्यप्रदेश लोक सेवा पदोन्नति नियम 2025 के प्रावधानों और शासन के निर्देशों का पालन किया गया है।

मुख्यमंत्री की मौजूदगी में एमपीआईडीसी और अमेजन के बीच एमओयू

मप्र के एमएसएमई को मिलेगा ग्लोबल मार्केट का रास्ता

वाणिज्य संवाददाता.भोपाल

मध्य प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों एमएसएमई), उद्यमियों, डी2सी ब्रांड्स, निर्माताओं, बुनकरों, कारीगरों और उत्पादकों को वैश्विक बाजार से जोड़ने के उद्देश्य से अमेजन इंडिया और एमपी इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन एमपीआईडीसी) के बीच एक मैमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

यह समझौता दिल्ली में आयोजित भारत टेक्स कार्यक्रम के दौरान मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस साझेदारी के तहत अमेजन ग्लोबल सेलिंग के माध्यम से प्रदेश के व्यवसायों को अंतरराष्ट्रीय ई-कॉमर्स बाजार तक पहुंचाने के लिए जागरूकता अभियान, प्रशिक्षण और नॉलेज शेयरिंग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। समझौते के तहत राज्य के लिए एक ई-कॉमर्स एक्सपोर्ट रोडमैप भी तैयार किया जाएगा। यह पहल वर्ष 2030 तक भारत के 200-300 अरब अमेरिकी डॉलर के ई-कॉमर्स एक्सपोर्ट के राष्ट्रीय लक्ष्य को हासिल करने में भी सहायक मानी जा रही है। एमपीआईडीसी के प्रबंध संचालक एवं मध्य प्रदेश सरकार के एक्सपोर्ट कमिश्नर चंद्रमौली शुक्ला ने कहा कि भारत के निर्यात में मध्य प्रदेश का योगदान लगातार बढ़ रहा है और राज्य के एमएसएमई तथा विविध उत्पाद श्रेणियां इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि आज वैश्विक ग्राहक विभिन्न बाजारों के उत्पादों की तलाश कर रहे हैं, ऐसे में ई-कॉमर्स एक्सपोर्ट स्थानीय व्यवसायों के लिए दुनिया भर के ग्राहकों तक पहुंचने और अपना वैश्विक ब्रांड स्थापित करने का बड़ा अवसर है।

मप्र में ग्राहकों और विक्रेताओं ने बनाया नया रिकॉर्ड

इस बार 10वां प्राइम डे अमेजन इंडिया कंपनी के इतिहास का सबसे बड़ा आयोजन साबित हुआ। मध्य प्रदेश समेत देशभर में प्राइम सदस्यों ने बढ़-चढ़कर खरीदारी की, जबकि राज्य के हजारों विक्रेताओं को भी इसका बड़ा लाभ मिला। कंपनी के अनुसार, इस बार पिछले सभी प्राइम डे आयोजनों की तुलना में सबसे अधिक ग्राहकों ने हिस्सा लिया और 70 प्रतिशत से अधिक नए प्राइम सदस्य टियर-2 और टियर-3 शहरों एवं कस्बों से जुड़े। तीन दिवसीय प्राइम डे सेल के दौरान भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर सहित प्रदेश के विभिन्न शहरों में ग्राहकों ने स्मार्टफोन, इलेक्ट्रॉनिक्स, फैशन, ब्यूटी, होम एंड किचन, ग्रॉसरी, फर्नीचर और बड़े घरेलू उपकरणों की जमकर खरीदारी की। ग्राहकों को विशेष प्राइम डे ऑफर्स, बैंक डिस्काउंट, नो-कॉस्ट ईएमआई और तेज डिलीवरी जैसी सुविधाओं का लाभ मिला।

अमेजन इंडिया और इमर्जिंग कंट्रीज के वाइस प्रेसिडेंट (प्राइम एंड कस्टमर फुलफिलमेंट एक्सपीरियंस) अक्षय साही ने कहा कि प्राइम डे ग्राहकों के लिए बचत और बेहतरीन डील्स का उत्सव है, वहीं विक्रेताओं के लिए भी यह बड़ा अवसर बनकर उभरा। अमेजन ने बताया कि मध्य प्रदेश में उसके 70 हजार से अधिक विक्रेता और 23 हजार से अधिक लोकल शॉप्स अमेजन पर सक्रिय हैं।

जियो और ऑयल-टू-केमिकल कारोबार ने संभाली रफ्तार

रिलायंस इंडस्ट्रीज का वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही : रिकॉर्ड एबिटडा के साथ 24.5 फीसदी बढ़ा राजस्व

एजेंसी. मुंबई

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के शानदार वित्तीय परिणाम घोषित किए हैं। कंपनी ने चुनौतीपूर्ण वैश्विक आर्थिक माहौल और ऊर्जा बाजार में बड़े उतार-चढ़ाव के बावजूद मजबूत प्रदर्शन दर्ज किया है। कंपनी का समेकित राजस्व सालाना आधार पर 24.5 प्रतिशत बढ़कर 3,40,257 करोड़ रुपए पहुंच गया। वहीं तिमाही का रिकॉर्ड रिकरिंग कंसोलिडेटेड एबिटडा 54,067 करोड़ रुपए रहा, जो पिछले साल की तुलना में 10.1 प्रतिशत अधिक है।

एबिटडा में बढ़ोतरी का प्रमुख योगदान ऑयल-टू-केमिकल और डिजिटल सर्विसेज कारोबार से मिला। कंपनी का प्रॉफिट बिफोर टैक्स 8.5 प्रतिशत बढ़कर 30,630 करोड़ रुपए रहा। वहीं रिकरिंग शुद्ध लाभ (माइनॉरिटी से पहले) अब तक का सबसे अधिक 23,196 करोड़ रुपए दर्ज किया गया, जो सालाना आधार पर 6.1 प्रतिशत की वृद्धि है। कंपनी ने बताया कि 5जी एसेट्स के कैपिटलाइजेशन से बढ़ी वित्त लागत और डेप्रिसिएशन का असर मुनाफे पर पड़ा। रिलायंस का तिमाही कैपेक्स 38,682 करोड़ रुपए रहा। कंपनी का कैश प्रॉफिट 41,254 करोड़ रुपए रहा, जिससे निवेश जरूरतें पूरी की गईं। 30 जून 2026 तक कंपनी का नेट डेट लगभग स्थिर रहकर 1,22,914 करोड़ रुपए रहा।

जियो का मजबूत प्रदर्शन, 53.3 करोड़ से ज्यादा ग्राहक रिलायंस के डिजिटल सर्विस बिजनेस में जियो ने शानदार प्रदर्शन जारी रखा। जियो का एबिटडा सालाना आधार पर 15 प्रतिशत बढ़कर 20,865 करोड़ रुपए हो गया। जियो प्लेटफॉर्म का राजस्व 45,961 करोड़ रुपए रहा, जिसमें 12 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

जून 2026 तक छद्मश्र का कुल ग्राहक आधार बढ़कर 53.33 करोड़ पहुंच गया है, जिसमें करीब 28.5 करोड़ 5त्न ग्राहक शामिल हैं। कंपनी ने पिछले 12 महीनों में 7.3 करोड़ से अधिक 5जी ग्राहक और करीब 86 लाख फिक्स्ड ब्रॉडबैंड ग्राहक जोड़े। जियो का कुल फिक्स्ड ब्रॉडबैंड ग्राहक आधार 2.86 करोड़ रहा, जबकि जियोएयर फाइबर के ग्राहकों की संख्या 1.4 करोड़ से अधिक हो गई। डेटा खपत में भी तेजी जारी रही और तिमाही में कुल डेटा ट्रैफिक 69 एक्साबाइट दर्ज किया गया।

जियो का औसत राजस्व प्रति ग्राहक बढ़कर 215.6 हो गया, जो सालाना आधार पर 3.3 प्रतिशत की वृद्धि है।

रिलायंस रिटेल का राजस्व 90,408 करोड़

रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड का राजस्व सालाना आधार पर 7.4 प्रतिशत बढ़कर 90,408 करोड़ रुपए रहा। आरसीपीएल डिमर्जर के प्रभाव को हटाने पर ग्रॉस रेवेन्यू ग्रोथ 11.6 प्रतिशत रही। रिटेल कारोबार का ग्राहक आधार 10.6 प्रतिशत बढ़कर 39.6 करोड़ हो गया। तिमाही में कुल 56.8 करोड़ ट्रांजेक्शन दर्ज किए गए, जो पिछले साल की तुलना में 46 प्रतिशत अधिक हैं।

पीएनबी और डिजिटल इंडिया भाषिणी के बीच समझौत

एआई आधारित बैंकिंग सेवा अब कई भारतीय भाषाओं में मिलेगी

एजेंसी.नई दिल्ली

पंजाब नेशनल बैंक ने ग्राहकों को उनकी पसंदीदा भारतीय भाषा में डिजिटल बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से डिजिटल इंडिया भाषिणी प्रभाग के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता नई दिल्ली स्थित पीएनबी के कॉर्पोरेट कार्यालय में संपन्न हुआ।

समझौते के तहत भाषिणी की अत्याधुनिक बहुभाषी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक को पीएनबी के डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ा जाएगा। इसके बाद ग्राहक आवाज और टेक्स्ट दोनों माध्यमों से कई भारतीय भाषाओं में आसानी से बैंकिंग सेवाओं का उपयोग कर सकेंगे।

इस अवसर पर पीएनबी के कार्यपालक निदेशक एम. परमसिवम ने कहा कि यह साझेदारी डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर के जरिए समावेशी डिजिटल परिवर्तन को गति देगी। डिजिटल इंडिया भाषिणी प्रभाग के सीईओ अमिताभ नाग ने कहा कि बैंकिंग जैसी आवश्यक सेवाओं के लिए भाषा कभी बाधा नहीं बननी चाहिए। पीएनबी के डिजिटल बैंकिंग ट्रांसफॉर्मेशन प्रभाग के मुख्य महाप्रबंधक अतिश कुमार राउत ने कहा कि बैंक सुरक्षित, सरल और ग्राहक-केंद्रित डिजिटल बैंकिंग सेवाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है।

भारत-ब्रिटेन सीईटीए वैश्विक विकास का नया द्वार उद्योग और निर्यात को मिलेगी नई गतिः आडवाणी

एजेंसी.नई दिल्ली

भारत और ब्रिटेन के बीच हुए व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते (भारत-यूके व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता - सीईटीए) का उद्योग जगत ने स्वागत किया है। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) पश्चिमी क्षेत्र के अध्यक्ष एवं ब्लू स्टार लिमिटेड के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक वीर एस.आडवाणी ने इसे केवल एक व्यापारिक समझौता नहीं, बल्कि भारत के निर्यातकों, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई), स्टार्टअप्स, विनिर्माण क्षेत्र, पेशेवरों और कृषि क्षेत्र के लिए वैश्विक विस्तार का नया अवसर बताया। आडवाणी ने कहा कि यह ऐतिहासिक समझौता भारत और ब्रिटेन के बीच व्यापार एवं निवेश को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा तथा भारतीय उद्योगों को वैश्विक बाजार में अपनी प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ाने का अवसर प्रदान करेगा।

उन्होंने कहा कि यह समझौता भारत की वैश्विक आर्थिक विकास यात्रा को और अधिक गति देगा। इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल तथा इस समझौते से जुड़े सभी हितधारकों को बधाई दी। श्री आडवाणी ने कहा कि यह समझौता स्पष्ट संदेश देता है कि भारतीय उद्योग अब बड़े लक्ष्य तय करें, वैश्विक स्तर पर सोचें और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराएं।

गौरव पांडे नियुक्त हुए क्रीमलाइन डेयरी सीईओ

मुंबई। गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड (गोदरेज एग्रोवेट) ने क्रीमलाइन डेयरी प्रोडक्ट्स लिमिटेड के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (सीईओ) के रूप में गौरव पांडे की नियुक्ति की घोषणा की। वह कंपनी के विकास के अगले चरण का नेतृत्व करेंगे। उनका मुख्य फोकस बाजार में कंपनी की अग्रणी स्थिति को और मजबूत करना, कारोबार में बदलाव की गति तेज करना, नवाचार को बढ़ावा देना तथा प्रमुख बाजारों में ब्रांड की मौजूदगी का विस्तार करना होगा। चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर, क्रीमलाइन डेयरी प्रोडक्ट्स लिमिटेड, गौरव पांडे ने अपनी नियुक्ति पर, कहाकि ऐसे समय में क्रीमलाइन डेयरी प्रोडक्ट्स लिमिटेड से जुड़ना मेरे लिए गर्व की बात है, जब भारत का डेयरी क्षेत्र तेजी से बदलाव के दौर से गुजर रहा है, उपभोक्ताओं की बदलती पसंद, वैल्यू-ऐडेड डेयरी उत्पादों की बढ़ती मांग और गुणवत्ता व पोषण पर बढ़ते जोर के कारण यह क्षेत्र नई दिशा में आगे बढ़ रहा है।

कोटक और एनएसआरसीईएल ने की महिला स्टार्टअप प्रोग्राम की घोषणा

मुंबई। कोटक महिंद्रा बैंक लिमिटेड ने अपनी कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी पहल के तहत कोटक बिजलैब्स के सहयोग से संचालित एनएसआरसीईएल के महिला स्टार्टअप प्रोग्राम के अगले संस्करण की घोषणा की है। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को आइडिया से लेकर व्यवसाय के विस्तार (स्केल-अप) तक हर चरण में मार्गदर्शन, नेटवर्किंग और आवश्यक संसाधनों का सहयोग उपलब्ध कराना है। कार्यक्रम का विशेष फोकस टियर-2 और टियर-3 शहरों की महिला उद्यमियों पर रखा गया है, ताकि छोटे शहरों में मौजूद उद्यमिता क्षमता को प्रोत्साहन मिल सके। अब तक इस पहल के माध्यम से 600 से अधिक नई और स्थापित महिला उद्यमियों को मेंटरशिप, स्टार्टअप इकोसिस्टम से जुड़ाव और व्यवसाय विकास में सहयोग मिल चुका है।

गुजरात इंजेक्ट का राजस्व 414 फीसदी और मुनाफा 1,600 फीसदी बढ़ा

वडोदरा। नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में तेजी से विस्तार कर रही गुजरात इंजेक्ट (केरल) लिमिटेड (ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में मजबूत वित्तीय प्रदर्शन दर्ज किया है। कंपनी का परिचालन राजस्व साल-दर-साल आधार पर 414 प्रतिशत बढ़कर 12.45 करोड़ रुपए पहुंच गया, जबकि शुद्ध लाभ में करीब 1,600 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। कंपनी के निदेशक मंडल की बैठक में 30 जून 2026 को समाप्त तिमाही के स्टैंडअलोन अनऑडिटेड वित्तीय परिणामों को मंजूरी दी गई। बैठक में कंपनी का नाम बदलकर रेजेनोवा रिन्यूटेक लिमिटेड करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई। कंपनी के अनुसार, यह बदलाव उसके स्वच्छ ऊर्जा कारोबार और भविष्य की रणनीति को दर्शाता है। अप्रैल से जून 2026 की अवधि में कंपनी का परिचालन राजस्व बढ़कर 12.45 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 2.42 करोड़ रुपये था। इसी अवधि में कंपनी का कर पश्चात लाभ बढ़कर 1.25 करोड़ रुपये हो गया, जबकि पिछले वर्ष यह आंकड़ा केवल 7.35 लाख रुपये था। कंपनी की प्रति शेयर आय में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

श्रीराम ऑटोमॉल और अशोक लेलैंड ने की साझेदारी

चेन्नई। श्रीराम ऑटोमॉल इंडिया लिमिटेड (सामिल) ने हिंदूजा ग्रुप की प्रमुख भारतीय कंपनी और देश की अग्रणी कमर्शियल वाहन निर्माता अशोक लेलैंड के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करके रणनीतिक साझेदारी की है। इस सहयोग का मकसद सर्टिफाइड पुराने अशोक लेलैंड कमर्शियल वाहनों के लिए एक व्यवस्थित, पारदर्शी और कुशल मार्केटप्लेस बनाना है।

वीआईटी भोपाल यूनिवर्सिटी का नया नवाचार

पल्मोनरी फाइब्रोसिस की शुरुआती पहचान और निगरानी में मिलेगी मदद

सच संवाददाता ॥ भोपाल।

स्वास्थ्य क्षेत्र में तकनीक आधारित समाधान विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए वीआईटी भोपाल यूनिवर्सिटी और सहयोगी संस्थानों के शोधकर्ताओं ने एक इंटेलिजेंट रिमोट मॉनिटरिंग सिस्टम विकसित किया है। यह तकनीक पल्मोनरी फाइब्रोसिस जैसी गंभीर फेफड़ों की बीमारी की शुरुआती निगरानी, क्लिनिकल निर्णय लेने और दूरस्थ स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने में सहायक होगी।

इस नवाचार को भारतीय यूटिलिटी पेटेंट प्रदान किया गया है, जो स्वास्थ्य सेवा से जुड़ी जटिल चुनौतियों के लिए तकनीकी समाधान विकसित करने के क्षेत्र में यूनिवर्सिटी की बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। पल्मोनरी फाइब्रोसिस में फेफड़ों के ऊतकों में स्थायी क्षति और स्कारिंग हो जाती है, जिससे मरीजों को सांस लेने में लगातार परेशानी होती है। इस बीमारी की निगरानी के लिए अब तक मरीजों को बार-बार अस्पताल जाकर जांच और क्लिनिकल असेसमेंट कराना पड़ता था। इस चुनौती को देखते हुए शोधकर्ताओं ने एपरेटस फॉर डायनेमिक मॉनिटरिंग एंड एनालिसिस इन पल्मोनरी फाइब्रोसिस नामक इंटेलिजेंट सिस्टम विकसित किया है। यह सिस्टम मरीजों से जुड़े क्लिनिकल डेटा को लगातार एकत्र कर उसका विश्लेषण करता है, जिससे डॉक्टरों को बीमारी की प्रगति समझने, समय पर उपचार संबंधी निर्णय लेने और मरीजों के बेहतर प्रबंधन में सहायता मिल सकेगी। इस तकनीक को भारतीय पेटेंट संख्या 588547 के तहत मान्यता मिली है। पेटेंट आवेदन संख्या 202421039574 के आधार पर इसे 21 मई 2024 को दाखिल किया गया था और 7 मई 2026 को पेटेंट प्रदान किया गया। इस शोध को वीआईटी भोपाल यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग के डॉ. रजनीश कुमह्यह्यह्यह्यहार पटेल और डॉ. सिद्धार्थ सिंह चौहान ने विकसित किया है। इसमें पूर्व शोधकर्ता एवं वर्तमान में एसआरएम यूनिवर्सिटी दिल्ली-एनसीआर में कार्यरत डॉ. नैन्सी कुमारी, एनआईटी अगरतला के डॉ. कृष्ण कुमार पांडे, मैनिट भोपाल के अमित पटेल और सुनील कुमार गौतम ने सहयोग किया। यह सिस्टम मरीजों की निरंतर निगरानी, टेलीमेडिसिन, रिमोट हेल्थकेयर, उपचार मूल्यांकन, श्वसन रोग अनुसंधान और व्यक्तिगत पल्मोनरी केयर जैसे क्षेत्रों में उपयोगी साबित हो सकता है। वीआईटी भोपाल यूनिवर्सिटी की असिस्टेंट वाइस प्रेसिडेंट कादंबरी एस. विश्वनाथन ने कहा कि यह पेटेंट यूनिवर्सिटी की अंतरविषयी अनुसंधान संस्कृति का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि यह तकनीक डॉक्टरों को मरीजों के डेटा की निरंतर निगरानी और विश्लेषण के माध्यम से बेहतर निर्णय लेने में सहायता करेगी। शोध टीम के डॉ. रजनीश कुमार पटेल ने कहा कि पल्मोनरी फाइब्रोसिस में समय के साथ मरीज की स्थिति को समझने के लिए लगातार निगरानी जरूरी होती है। इस सिस्टम का उद्देश्य मरीजों के डेटा का गतिशील विश्लेषण कर समय पर उपचार निर्णयों में सहायता प्रदान करना है। यह उपलब्धि वीआईटी भोपाल यूनिवर्सिटी के बढ़ते इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी पोर्टफोलियो में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि जोड़ती है और इंजीनियरिंग व स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में नवाचार आधारित समाधानों को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

मप्र के राज्यपाल ने किया अखिल भारत गुजराती समाज की प्रथम वेबसाइट का अनावरण

भोपाल। राष्ट्रीय अध्यक्ष संजयभाई जे. पटेल ने राज्यपाल को जानकारी दी कि इस वेबसाइट में पूरे देश के एबीजीएस सदस्यों का समूह शामिल है अर्थात नाम, पता, मोबाइल, पद दिनांक, नंबर और साथ ही उनका व्यवसाय-पेशे की श्रेणी जैसे डॉक्टर-वकील (क्रिमिनल, सिविल, टैक्सेशन), सीए, आर्किटेक्ट, सिविल इंजीनियर , हार्डवेयर - इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक ,सैनिटरी ,टाइल्स, एग्रीकल्चरल सामान, होटल- रेस्टोरेंट जैसे अलग-अलग व्यवसाईयो की लिस्टिंग भी की जा रही है ताकि देश के किसी भी गुजराती को किसी भी तरह की जानकारी , डॉक्टरी, वकील की सलाह लेना हो तो वो अपने समाज के ही लोगों से प्राप्त कर सकता है या व्यवसाय कर सकता है। इसी के साथ संस्था के उद्देश्यों , केंद्रीय सरकार की योजनाओं , गुजरात सरकार के एनआरजीएफ (गुजरात के बाहर बसते गुजरातियों समाज-गुजरातियों के हितों की रक्षा के लिए) की योजनाओं की पूरी जानकारी , देश भर के गुजराती भवनों की जानकारी , संस्थापक प्रमुख सहित पूर्व पदाधिकारियों की सूची उनका इतिहास आदि की पूरी जानकारी एक बटन पर उपलब्ध कराने का प्रयास किया है । भविष्य में सदस्यों के परिजनों की भी जानकारी इसी वेब साइट पर उपलब्ध कराई जावेगी ताकि विवाह लायक बच्चों की जानकारी मिलने पर सदस्य आपस में बच्चों की शादी भी कर सकेंगे । इस अवसर पर चेतन पटेल (महामंत्री), मनोज झा (कोषाध्यक्ष), योगेंद्र लाड और महिला मंडल की सचिव श्रीमती रीना मेहता उपस्थित थी ।

सच अलर्ट

प्रतिभाशाली स्टूडेंट्स के लिए देश के विभिन्न संस्थानों द्वारा दी जाने वाली स्कॉलरशिप, अवार्ड और प्रतियोगिताओं की जानकारी अब buddy4study के सहयोग से सच समाचार पर। आवेदन के लिए लिंक करें
www.buddy4study.com

आईसीपीसी इंटर्नशिप प्रोग्राम 2025

- **विवरण: आईसीपीसी इंटर्नशिप प्रोग्राम 2025, पॉलिसी, पॉलिटिक्स एंड गवर्नेंस फाउंडेशन द्वारा अंतिम वर्ष या पूर्व-अंतिम वर्ष के स्नातक छात्रों को प्रदान किया जा रहा है। यह इंटर्नशिप कार्यक्रम युवा, उत्साही व्यक्तियों को राजनीतिक और नीति निर्माण पारिस्थितिकी तंत्र का अन्वेषण से अवगत कराता है।**
- **मानदंड: आवेदन अंतिम वर्ष या पूर्व-अंतिम वर्ष के स्नातक अध्ययनरत छात्रों के लिए जारी है। उन्हें स्नातक अध्ययन पूर्ण करने के बाद राजनीतिक या नीति रणनीति परामर्श में करियर बनाने में रुचि होनी चाहिए।**
- **इनाम/लाभ: रुपए 5,000 का मासिक स्टाइपेंड तथा सराहना प्रमाण पत्र।**
- **अंतिम तिथि: पूरे वर्ष आवेदन आमंत्रित हैं।**
- **आवेदन कैसे करें: केवल ऑनलाइन आवेदन स्वीकार्य**
- **आवेदन लिंक:. www.b4s.in/sach/ICPI1**
- **QR Code: https://dle9eg0t055l3.cloud-front.net/static/images/scho-media/icpc-internship-programme-20251744330906.png**

नेशनल फेलोशिप स्कीम फॉर शेड्यूल्ड कास्ट स्टूडेंट्स (एनएफएससी) 2026

- **विवरण: नेशनल फेलोशिप स्कीम फॉर शेड्यूल्ड कास्ट स्टूडेंट्स (एनएफएससी) 2026, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा प्रदान किया जा रहा एक अवसर है। यह फेलोशिप यूजीसी-मान्यता प्राप्त संस्थानों में विज्ञान, मानविकी, या सामाजिक विज्ञान संकायों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले अनुसूचित जाति के छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करती है। पात्र छात्रों को प्रत्येक वर्ष 2,000 नई फैलोशिप प्रदान की जाती है।**
- **मानदंड: सक्षमित राज्य सरकारों द्वारा सूचीबद्ध अनुसूचित जाति वर्ग के छात्रों के लिए आवेदन जारी है। आवेदकों को यूजीसी-मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों या अनुसंधान संस्थानों में पूर्णकालिक, नियमित एम.फिल. या पीएच.डी. कार्यक्रमों में नामांकित होना आवश्यक है। इसके अतिरिक्त, उन्हें राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) या स्नातक अभियान्त्रिकी प्रवेश परीक्षा (गेट) में उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।**
- **इनाम/लाभ: प्रति माह अधिकतम 35,000 रुपये तथा अन्य लाभ।**
- **अंतिम तिथि: 20-12-2026**
- **आवेदन कैसे करें: यूजीसी-नेट-जेआरएफ या यूजीसी-सीएसआईआर नेट-जेआरएफ परीक्षा के मेरिट आधारित चयन द्वारा ऑफलाइन आवेदन स्वीकार्य ।**
- **आवेदन लिंक: www.b4s.in/sach/NFSC1**
- **QR Code: https://dle9eg0t055l3. cloud-front.net/static/images/scho-media/nation-al-fellowship-scheme-for-scheduled-caste-students-nfsc-20261769489377.png**

नोकिया फाउंडेशन स्कॉलरशिप

- **विवरण: नोकिया फाउंडेशन स्कॉलरशिप 2026, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकियों (आईसीटी) या सम्बन्धित क्षेत्रों में पीएचडी प्राप्त कर रहे छात्रों को नोकिया फाउंडेशन द्वारा प्रदान किया जा रहा है। यह डॉक्टोरल उम्मीदवारों को अपनी शोध कार्य को कुशलता एवं उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के लिए प्रोत्साहित करने का उद्देश्य रखता है।**
- **मानदंड: आवेदन फिनिश विश्वविद्यालय में आईसीटी या सम्बन्धित वैज्ञानिक क्षेत्रों में डॉक्टोरल डिग्री प्राप्त कर रहे छात्रों के लिए जारी है। आवेदकों के पास आवेदन के समय डॉक्टोरल शोध प्रबंध से सम्बन्धित कम से कम एक स्वीकृत प्रकाशन होना अनिवार्य है, तथा उच्च गुणवत्ता युक्त, तीव्र गति के साथ डॉक्टोरल अध्ययन का अच्छा रिकॉर्ड होना आवश्यक है। उन्हें पूर्व में यह स्कॉलरशिप प्राप्त न हुई हो।**
- **इनाम/लाभ: रु 7,500 तक की स्कॉलरशिप राशि।**
- **अंतिम तिथि: 15-09-2026**
- **आवेदन कैसे करें: केवल ऑनलाइन आवेदन स्वीकार्य**
- **आवेदन लिंक: /www.b4s.in/sach/NKSP2**
- **QR Code : https://dle9eg0t055l3. cloud-front.net/static/images/scho-media/nokia-foundation-scholarship-20261773726760.png**

एएमपी स्कॉलरशिप फंड फॉर हायर एजुकेशन 2026

- **विवरण: एएमपी स्कॉलरशिप फंड फॉर हायर एजुकेशन 2026, एसोसिएशन ऑफ मुस्लिम प्रोफेशनल्स द्वारा प्रदान की जा रही है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य जरूरतमंद और योग्य मुस्लिम छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करना है, ताकि वे अपनी उच्च और व्यावसायिक शिक्षा को अधिक सुगमता से जारी रख सकें।**
- **मानदंड: उन छात्रों के लिए आवेदन जारी है, जिन्होंने किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से कक्षा 12 या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण की हो। उन्हें अपनी उच्च शिक्षा के अंतर्गत पेशेवर, व्यावसायिक या तकनीकी पाठ्यक्रम में अध्ययनरत होना चाहिए। आवेदकों का यूजीसी/एआईसीटीई-मान्यता प्राप्त सरकारी या निजी संस्थान में नामांकित होना अनिवार्य है, साथ ही शैक्षणिक योग्यता और आर्थिक आवश्यकता का प्रदर्शन करना होगा। उन्हें शरिया दिशा-निर्देशों के अनुसार जकात प्राप्त करने की पात्रता होना अनिवार्य है।**
- **इनाम/लाभ: रुपए 10,000 की वित्तीय सहायता।**
- **अंतिम तिथि: 31-08-2026**
- **आवेदन कैसे करें: केवल ऑनलाइन आवेदन स्वीकार्य**
- **आवेदन लिंक: www.b4s.in/sach/AHE5**
- **QR Code: https://dle9eg0t055l3.cloud-front.net/static/images/scho-media/amp-scholarship-fund-for-higher-education-20261782807407.png**

एजुकेशन फ्यूचर इंटरनेशनल स्कॉलरशिप 2026

- **विवरण: एजुकेशन फ्यूचर इंटरनेशनल स्कॉलरशिप 2026, एजुकेशन फ्यूचर संगठन द्वारा उन मेधावी भारतीय छात्रों को प्रदान की जा रही है जो विदेश में अपनी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।**
- **मानदंड: आवेदन वैध पासपोर्ट युक्त भारतीय नागरिकों के लिए जारी है, जो भारत से बाहर किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/कॉलेज में पूर्वस्नातक/स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में अध्ययनरत हैं। आवेदकों द्वारा 10वीं एवं 12वीं कक्षा में न्यूनतम 60% अंक प्राप्त करना आवश्यक है तथा शिक्षा वित्त पोषण हेतु आर्थिक अभाव का प्रदर्शन करने में सक्षम होना अनिवार्य है।**
- **इनाम/लाभ: रुपए 2 से रुपए 10 लाख के बीच की छात्रवृत्ति।**
- **अंतिम तिथि: 30-08-2026**
- **आवेदन कैसे करें: केवल ऑनलाइन आवेदन स्वीकार्य**
- **आवेदन लिंक: www.b4s.in/sach/EFIS1**
- **QR Code: https://dle9eg0t055l3.cloud-front.net/static/images/scho-media/educa-**

फिजिक्सवाला (पीडब्ल्यू) ने नीट 2026 में छात्रों के शानदार प्रदर्शन का जश्न मनाया

सच संवाददाता ॥ भोपाल।

फिजिक्सवाला (पीडब्ल्यू) ने नीट 2026 में अपने छात्रों के शानदार प्रदर्शन का भव्य जश्न मनाया। इस वर्ष, रविकांत दिवाकर ने 720 में से 695 अंक प्राप्त कर एआईआर 55 के साथ पीडब्ल्यू के टॉपर्स की सूची में शीर्ष स्थान हासिल किया। अन्य उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों में दिव्यांश जायसवाल (एआईआर 173) और साक्षी कुमारी (एआईआर 192) शामिल हैं। नीट (2026 में लगभग 20 लाख छात्रों ने हिस्सा लिया था, जिनमें से 11.21 लाख उम्मीदवार सफल घोषित किए गए। देश भर के विभिन्न पीडब्ल्यू विद्यापीठ केंद्रों और ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म्स ने इस सफलता को सेलिब्रेट किया। रविकांत दिवाकर (एआईआर 55), शिवंश आनंद (एआईआर 152), दिव्यांश जायसवाल (एआईआर 173) और साक्षी कुमारी एआईआर 192) शीर्ष प्रदर्शन करने वाले छात्रों में शामिल हैं। यह सफलता पीडब्ल्यू द्वारा प्रदान किए जाने वाले सुगम शिक्षण वातावरण का प्रमाण है, जहां छात्र अपनी व्यक्तिगत पसंद और सीखने की शैली के अनुसार ऑनलाइन पाठ्यक्रमों या ऑफलाइन, तकनीक-सक्षम पीडब्ल्यू विद्यापीठ केंद्रों के माध्यम से उच्च अंक प्राप्त कर रहे हैं। इसके अलावा, छात्रों के उत्कृष्ट प्रदर्शन का जश्न मनाने के लिए भुवनेश्वर में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। शहर में फिजिक्सवाला के कुछ शीर्ष प्रदर्शन करने वाले छात्रों में अंशु प्रकाश जेना (एआईआर 730), सत्यजीत नायक (एआईआर 5558) और आशुतोष साहू (एआईआर 6010) शामिल हैं। मुझे बहुत खुशी है कि मेरी मेहनत रंग लाई। रविकांत दिवाकर ने कहाकि पीडब्ल्यू के बैचों ने मेरी सारी उलझनें दूर कर दीं। शिक्षक अब विषयों को इतनी अच्छी तरह समझाते थे कि मैं सिर्फ फॉर्मूले याद करने के बजाय उनके पीछे का तर्क समझ पाता था। जब भी मैं किसी जटिल समस्या में फंस जाता था, पीडब्ल्यू के वीडियो स्पष्टीकरण मुझे तुरंत सही चरण दिखा देते थे, जिससे मेरा बहुत समय बच जाता था।

फिजिक्सवाला (पीडब्ल्यू) के संस्थापक और सीईओ अलख पांडे ने कहाकि एनईटी 2026 के हर उस उम्मीदवार को बधाई जिन्होंने इस सफर में अपनी कड़ी मेहनत, अनुशासन और लगन दिखाई है। आपका दृढ़ संकल्प वाकई सराहनीय है। आज अपने नतीजों का जश्न मना रहे छात्रों को बधाई, आपकी सफलता पूरी तरह से योग्य है। और जो अपने लक्ष्य को हासिल करने में असफल रहे हैं, उन्हें याद रखना चाहिए कि यह परीक्षा सिर्फ एक पड़ाव है, यह आपकी योग्यता या आपके भविष्य का पैमाना नहीं है।

फिज़िक्सवाला (पीडब्ल्यू) ने नीट 2026 म ंछात्रों के शानदार प्रदर्शन का जश्न मनाया फिज़िक्सवाला (पीडब्ल्यू) ने नीट 2026 में अपने छात्रों के शानदार प्रदर्शन का भव्य जश्न मनाया। इस वर्ष, रविकांत दिवाकर ने 720 में से 695 अंक प्राप्त कर एआईआर 55 के साथ पीडब्ल्यू के टॉपर्स की सूची में शीर्ष स्थान हासिल किया। अन्य उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों में दिव्यांश जायसवाल (एआईआर 173) और साक्षी कुमारी (एआईआर 192) शामिल हैं नीट (2026 में लगभग 20 लाख छात्रों ने हिस्सा लिया था, जिनमें से 11.21 लाख उम्मीदवार सफल घोषित किए गए?देश भर के विभिन्न पीडब्ल्यू विद्यापीठ केंद्रों और ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म्स ने इस सफलता को सेलिब्रेट किया।

6000 से अधिक घरों वाली कॉलोनी में महिला परिषद की पहल

मीनाल रेसीडेंसी से गूंजा 'रेड डॉट अभियान' का संदेश, सफाई कर्मियों को बनाया बदलाव का साथी

सच संवाददाता ॥ भोपाल।

अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महिला परिषद के प्रांतीय प्रोजेक्ट रेड डॉट अभियान का शुभारंभ मीनाल अयोध्या नगर परिसर शाखा एवं विजयवर्धिनी शाखा द्वारा संयुक्त रूप से मीनाल रेसीडेंसी में किया गया। अभियान का नेतृत्व पद्मावती संभाग अध्यक्ष डॉ. सविता जैन ने किया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को सुरक्षित मासिक धर्म अपशिष्ट निस्तारण के प्रति जागरूक करना तथा सफाई कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना रहा।

कार्यक्रम में मीनाल अयोध्या नगर परिसर शाखा की अध्यक्ष सीमा जैन, विजयवर्धिनी शाखा की अध्यक्ष सुनीता जैन तथा उपाध्यक्ष सुधा काला ने सक्रिय भूमिका निभाई। इस अवसर पर विशिष्ट अधिकारी सुशीला बाकलीवाल एवं चेयरपर्सन शोभना कियावत की गरिमामयी उपस्थिति रही।

एशिया की सबसे बड़ी कवर्ड कॉलोनियों में शामिल मानी जाने वाली मीनाल रेसीडेंसी में 6000 से अधिक आवास और विशाल व्यावसायिक क्षेत्र है। यहां लगभग 350 सफाई कर्मचारी कार्यरत हैं, जिनमें 32 कर्मचारी प्रतिदिन घर-घर से कचरा संग्रहण का कार्य करते हैं। महिला परिषद ने इन सफाई कर्मियों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और उन्हें रेड डॉट अभियान के महत्व से अवगत कराया। अभियान के तहत उन्हें उपयोगी उपहार एवं ठंडे पेय वितरित किए गए, वहीं कचरा संग्रहण वाहनों पर रेड डॉट अभियान के पम्पलेट भी लगाए गए ताकि प्रत्येक घर तक यह संदेश पहुंचे। कार्यक्रम के दौरान रेड डॉट अभियान के प्रेरक नारों के माध्यम से स्वच्छता और सुरक्षित अपशिष्ट प्रबंधन का संदेश दिया गया। कॉलोनी के मध्य भाग में स्पीकर के जरिए अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया, जिससे बड़ी संख्या में निवासी भी इस मुहिम से जुड़े। उपस्थित लोगों ने मासिक धर्म अपशिष्ट का रेड डॉट चिन्ह के साथ सुरक्षित निस्तारण करने तथा दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया।

महिला परिषद ने बताया कि अभियान के अगले चरण में कॉलोनी की महिलाओं, युवतियों एवं नागरिकों के बीच घर-घर जनजागरूकता अभियान चलाया जाएगा, ताकि स्वच्छ, सुरक्षित और सम्मानजनक अपशिष्ट प्रबंधन की संस्कृति विकसित हो सके। परिषद का मानना है कि छोटे-छोटे प्रयास समाज में बड़े बदलाव का आधार बनते हैं और रेड डॉट अभियान इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

पटेल इंजीनियरिंग ने सबसे लंबी सुरंग बनाने का ऐतिहासिक काम पूरा किया

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री, डॉ. मोहन यादवभारत की सबसे लंबी सिंचाई सुरंग का निर्माण सफलतापूर्वक पूरा होने के बाद स्लीमनाबाद कैरियर कैनाल प्रोजेक्ट के उद्घाटन के लिए पहुँचे। पटेल इंजीनियरिंग लिमिटेड द्वारा बनाई गई लगभग 12 किलोमीटर लंबी यह सुरंग राज्य की सिंचाई व्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है। इस परियोजना से प्रदेश के चार जिलों में लगभग 2.45 लाख हेक्टेयर जमीन के लिए पक्के तौर पर सिंचाई की सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे पानी की निश्चित आपूर्ति के साथ-साथ खेती के विकास में भी मदद मिलेगी।स्लीमनाबाद कैरियर कैनाल असल में नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण द्वारा विकसित की जा रही बरगी डायवर्जन परियोजना का हिस्सा है। नर्मदा नदी पर बने बरगी डैम से 197 किलोमीटर लंबी ट्रांस-वैली नहर के जरिए पानी पहुंचाने के लिए तैयार की गई इस परियोजना से पूरे मध्य प्रदेश में लगभग 245,000 हेक्टेयर जमीन पर सिंचाई की सुविधा उपलब्ध होगी, साथ ही जबलपुर और कटनी में घरेलू और कल-कारखानों में उपयोग के लिए हर दिन 284 मिलियन लीटर पानी की आपूर्ति भी संभव होगी।

आकाश भोपाल के दो स्टूडेंट्स ने नीट यूजी 2026 में टॉप रैंक हासिल की

भोपाल। आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (एईएसएल), जो टेस्ट की तैयारी कराने वाली सर्विसेज़ में देश की लीडर है, ने गर्व के साथ बताया कि भोपाल में उसके क्लासरूम प्रोग्राम के अनेक स्टूडेंट्स ने नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (नीट यूजी) 2026 में टॉप रैंक हासिल की है।

आर्यमन सोलंकी ने आल इंडिया रेंक 46 के साथ मध्यप्रदेश स्टेट टापर हैं. यह शानदार परफॉर्मेंस स्टूडेंट्स की लगातार कड़ी मेहनत, पक्के इरादे और डिसिप्लिन्ड तैयारी को दिखाता है, जिसे आकाश में एकेडमिक मेंटरशिप और स्ट्रक्चर्ड लर्निंग इकोसिस्टम का सपोर्ट मिला है। लिस्ट में टॉप पर अरुणिमा प्रियंबदा दास हैं, जिन्होंने एआईआर1058 हासिल किया है। दूसरे टॉप परफॉर्मर में देव चौधरी हैं, जिन्होंने एआईआर2727 हासिल किया है, साथ ही दक्षिता केसरवानी के आल इंडिया रैंक 2382 हासिल की है।

एमआईटी-डब्ल्यूपीयू में हाफीज कॉन्ट्रैक्टर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर की शुरुआत

भोपाल। डॉ. विश्वनाथ कराड एमआईटी वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी (एमआईटी-डब्ल्यूपीयू) ने देश में वास्तुकला शिक्षा को नया आयाम देने के उद्देश्य से हाफीज कॉन्ट्रैक्टर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर की स्थापना की घोषणा की है। यह नया संस्थान देश के प्रख्यात वास्तुकार और पद्म भूषण से सम्मानित आर्किटेक्ट हाफीज कॉन्ट्रैक्टर के सम्मान में स्थापित किया गया है।

हाफीज कॉन्ट्रैक्टर पिछले चार दशकों से भारत के शहरी परिदृश्य को बदलने वाली कई आवासीय, व्यावसायिक, संस्थागत और टाउनशिप परियोजनाओं का नेतृत्व कर चुके हैं।

उनकी आधुनिक डिजाइन शैली और नगर नियोजन में विशेषज्ञता को देखते हुए यह स्कूल छात्रों को उद्योग की जरूरतों के अनुरूप और भविष्य-केंद्रित शिक्षा प्रदान करेगा। संस्थान का प्रमुख बैचलर ऑफ आर्किटेक्चर पांच वर्षीय व्यावसायिक डिग्री कार्यक्रम होगा, जिसे काउंसिल ऑफ आर्किटेक्चर के दिशा-निर्देशों और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप तैयार किया गया है। पाठ्यक्रम में आर्किटेक्चरल डिजाइन, बिल्डिंग साइंस, डिजिटल टेक्नोलॉजी, रिसर्च, प्रोफेशनल प्रैक्टिस और सस्टेनेबिलिटी पर विशेष जोर दिया गया है।

200 से अधिक चर्म रोग विशेषज्ञ होंगे शामिल

भोपाल में आज लेजर एवं एस्थेटिक डर्मेटोलॉजी समिट

भोपाल। इंडियन एसोसिएशन ऑफ डर्मेटोलॉजिस्ट्स, वेनेरियोलॉजिस्ट्स एंड लेप्रोलॉजिस्ट्स (आईएडीवीएल) तथा भोपाल डर्मेटोलॉजी सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में आज शहर में भोपाल लेजर एवं एस्थेटिक डर्मेटोलॉजी समिट का आयोजन किया जाएगा। इस एक दिवसीय वैज्ञानिक सम्मेलन में मध्य प्रदेश सहित मध्य भारत के विभिन्न शहरों से 200 से अधिक चर्म रोग विशेषज्ञ भाग लेंगे। आयोजन समिति के कॉन्फ्रेंस प्रेसिडेंट डॉ. नीरज राय, ऑर्गेनाइजिंग चेयरपर्सन एवं आईएडीवीएल मध्यप्रदेश के अध्यक्ष डॉ. नितिन पंड्या तथा ऑर्गेनाइजिंग को-चेयरपर्सन डॉ. अनिमेष सक्सेना ने बताया कि सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य चर्म रोगों के उपचार में अत्याधुनिक लेजर तकनीकों के प्रभावी उपयोग पर विशेषज्ञों के बीच विचार-विमर्श करना तथा युवा त्वचा रोग विशेषज्ञों को आधुनिक लेजर एवं एस्थेटिक प्रक्रियाओं का व्यावहारिक प्रशिक्षण उपलब्ध कराना है।

भारत का पहला छोटा भीम कैफे हैदराबाद में खुला

हैदराबाद। भारत के लोकप्रिय एनिमेटेड किरदार छोटा भीम की दुनिया अब वास्तविक रूप में बच्चों और परिवारों के लिए खुल गई है। ग्रीन गोल्ड एनिमेशन ने ईबीजी ग्रुप के साथ मिलकर हैदराबाद के जुबली हिल्स में देश का पहला छोटा भीम कैफे शुरू किया है।

यह कैफे बच्चों के लिए एक ऐसा वेलनेस डेस्टिनेशन है, जहां पौष्टिक भोजन, खेल, सीखने और मनोरंजन का अनोखा अनुभव एक ही स्थान पर मिलेगा। कैफे में बच्चों को छोटा भीम, चुटकी, राजू, जग्गू और धोलकपुर की थीम पर आधारित आकर्षक माहौल मिलेगा।

पहाड़ियों ने ओढ़ी हरियाली की चादर

बाबु पांचाल आष्टा।

आष्टा ब्लॉक के भोपाल इंदौर हाईवे के पास बिलपान में स्थित मां नेवज नदी के उद्गम स्थल व पुरातत्विक धरोहर देवांचल धाम देवबड़ला जो कि चारों तरफ पहाड़ियों से घिरा हुआ क्षेत्र है बारिश में यह क्षेत्र चारों तरफ हरियाली से घिर जाता है यही कारण है की बारिश में यहां पर सबसे ज्यादा लोग पहुंचते हैं पहले रास्ता खराब था अब पुरातत्व विभाग और शासन ने यहां पर रोड भी बना दिया है मेहतवाड़ा से लेकर देवबडला तक का सफर भी अब अच्छा हो गया है।

बता दे कि देवबड़ला विंध्याचल पर्वत की नाभि स्थल माना जाने वाला देव बड़ला समुद्र सतह से 2042 फीट की ऊंचाई पर है यहीं से नेवज नदी का उद्गम हुआ है पहाड़ी से नीचे की धरातल भूमि को देखा जाए तो इस समतल भूमि से नेवज नदी का उद्गम स्थल 332 फीट की ऊंचाई पर है इस पहाड़ी पर चारों तरफ अनेक प्रकार के छोटे बड़े पेड़ हैं जो वर्षा ऋतु प्रारंभ होते ही हरे भरे हो जाते हैं यहां का हरा भरा मनमोहक दृश्य देखकर यहां आने वाले श्रद्धालु सकारात्मक ऊर्जा व शांति का अनुभव करते हैं जो भी यहां पर आते है यहां की शुद्ध हवा व आसपास हरा-भरा घना जंगल देखते ही मंत्र मुगन हो जाते है।

स्मारक इंचार्ज विजेंद्र सिंह भाटी बताते हैं कि मेरे दादोसा हुकुम ठाकुर ओंकार सिंह भाटी अपनी युवा अवस्था से ही इस धरोहर की रक्षा करते हुए यहां के विकास कार्यों में हमेशा तत्पर रहते हैं अभी वर्तमान अवस्था में 100 वर्ष की उम्र होने के बावजूद भी यहां के विकास के लिए हर संभव प्रयास करते हैं लोग उन्हें (भगतजी) और (जी साहब) कहकर संबोधित करते हैं ठाकुर ओंकार सिंह जागीरदार साहब का कहना है मेरे पूर्वज पीढ़ी दर पीढ़ी हमारे भाटी राजपूत सिरदार देव बड़ला धरोहर की रक्षा करते आ रहे हैं और अगली पीढ़ीयो से भी यही निवेदन है कि आप इस धरोहर को सुरक्षा प्रदान करते रहें राष्ट्रीय राजमार्ग इंदौर भोपाल पर स्थित ग्राम मेहतवाड़ा से देवबड़ला मंदिर 10 किलोमीटर की दूरी पर है। यहां पर पुरातत्व विभाग खुदाई के दौरान 15 मंदिरों के बेस मिले हैं दो मंदिर बना दिए गए हैं बाकी का कार्य भी पुरातत्व विभाग ने फिर से शुरू कर दिया है। पिछले तीन दशक के लंबे संघर्ष के बाद यहां पर बीते वर्ष पक्की सड़क का निर्माण हो गया है पक्की सड़क का निर्माण होने से आने जाने वाले टूरिस्ट को सुविधा मिली है साथ ही यहां पर टूरिस्ट की संख्या भी बड़ी है श्रावण मास के प्रारंभ होते ही यहां पर रोजाना सैकड़ो की संख्या में भक्ति पहुंचते हैं श्रावण सोमवार के शुभ अवसर पर दूर दराज से बड़ी संख्या में बाबा विलवैश्वर महादेव के भक्ति कावड़ यात्री यहां पर बाबा को जल चढ़ाने पैदल आते हैं इस क्षेत्र का धार्मिक व आस्था का सबसे बड़ा केंद्र है।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित

बैतूल। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत 18 जुलाई को जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। उप संचालक कृषि राम गोपाल रजक ने बताया कि कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य फसल बीमा योजना अंतर्गत कृषकों को जागरूक करना एवं कृषकों को प्राकृतिक कारणों से होने वाले जोखिमों की जानकारी के बारे में बताना एवं व्यक्तिगत क्षति की भरपाई के लिए किस-किस तरीके से सूचनाओं को कैसे दर्ज करते हैं एवं सर्वे कैसे किया जाता है, इसकी जानकारी उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि बैतूल जिले में खरीफ मौसम 2026 कृषकों को फसल बीमा करवाने के लिए जागरूक किया जा रहा है और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में फसल बीमा करवा कर जोखिमों एवं फसल बीमा के हित लाभ के बारे में जागरूक किया जा रहा है। वर्तमान खरीफ मौसम 2026 में अधिसूचित फसलों के लिए कृषक द्वारा देय प्रीमियम राशि सोयाबीन के लिए 850 रुपए, मक्का 722 रुपए, धान सिंचित के लिए 838 रुपए, धान असिंचित 660 रुपए तथा अरहर के लिए 740 रुपए प्रति हेक्टेयर निर्धारित की गई हैं।

सच संक्षेप

अवैध शराब जब्त

सिलवानी। नशे के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत सिलवानी थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 82 पेटी अवैध देशी एवं अंग्रेजी शराब जब्त की है। पुलिस ने मौके से दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 735 लीटर शराब तथा परिवहन में प्रयुक्त बोलेरो पिकअप वाहन भी जब्त किया है। जब्त शराब की कीमत लगभग 4.17 लाख रुपये तथा वाहन की कीमत करीब 6 लाख रुपये बताई गई है।

पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक नायक के मार्गदर्शन एवं एसडीओपी कुंवर सिंह मुकाती के नेतृत्व में थाना सिलवानी पुलिस नशे के विरुद्ध विशेष अभियान चला रही है। इसी क्रम में 17-18 जुलाई की दरमियानी रात मुखबिर से सूचना मिली कि बम्होरी की ओर से गैरतगंज की दिशा में एक बोलेरो पिकअप क्रमांक एमपी09 जीजे 0664 में अवैध शराब का परिवहन किया जा रहा है।

सूचना मिलते ही थाना प्रभारी निरीक्षक संजीत परते के नेतृत्व में पुलिस टीम ने थाने के सामने तिराहे पर घेराबंदी कर वाहन की जांच की। तलाशी लेने पर वाहन में 82 पेटी देशी एवं अंग्रेजी शराब बरामद हुई। वाहन में सवार दोनों व्यक्तियों ने अपना नाम सोनू यादव 33 वर्ष एवं संजू कलावत 28 वर्ष निवासी ग्राम समनापुर कला, थाना गैरतगंज, जिला रायसेन बताया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध धारा 34(2) आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक संजीत परते, उपनिरीक्षक अभिषेक खरे, सहायक उपनिरीक्षक हरिओम चौबे, भोजपाल शर्मा सहित प्रधान आरक्षक, आरक्षक एवं सैनिकों की टीम की सराहनीय भूमिका रही। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले में अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

कल्पना सिंह बनीं वनपाल

सिलवानी। वन विभाग में पदस्थ वनरक्षक कल्पना सिंह को पदोन्नति मिलने के बाद वनपाल का दायित्व सौंपा गया है। उनकी इस उपलब्धि पर जिला मुख्यालय में आयोजित सम्मान समारोह में वन विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई देकर उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में डीएफओ प्रतिभा शुक्ला ने कल्पना सिंह की कार्यशैली, कर्तव्यनिष्ठा और विभाग के प्रति समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि मेहनत और ईमानदारी से कार्य करने वाले कर्मचारियों को आगे बढ़ने का अवसर देना विभाग की प्राथमिकता है। उन्होंने विश्वास जताया कि कल्पना सिंह अपने नए दायित्वों का भी पूरी दक्षता और जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करेंगी। वनरक्षक से वनपाल के पद पर पदोन्नत होने पर कल्पना सिंह ने विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह पदोन्नति उनके लिए नई जिम्मेदारी है, जिसे वे पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ निभाएंगी। इस अवसर पर विभागीय अधिकारियों, कर्मचारियों, परिजनों एवं शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

बेलपत्र पौधों का किया वितरण

मंडीदीप। श्री शीतल कुंड बालाजी धाम में आयोजित दो दिवसीय स्थापना दिवस महोत्सव का रविवार को श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ भव्य समापन हुआ। समारोह में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भगवान बालाजी के दर्शन कर सुख-समृद्धि की कामना की। पूरे आयोजन के दौरान मंदिर परिसर धार्मिक आस्था और भक्तिमय वातावरण से गुंजायमान रहा। समापन अवसर पर मंदिर समिति द्वारा पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए 51 बेलपत्र के पौधों का निःशुल्क वितरण किया गया। समिति पदाधिकारियों ने श्रद्धालुओं से पौधों का संरक्षण एवं अधिकाधिक वृक्षारोपण करने का आह्वान किया। इस पहल की उपस्थित लोगों ने सराहना की।

समारोह के दौरान विशेष पूजन-अर्चन, हवन, भजन-कीर्तन एवं महाआरती का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्रभर से पहुंचे श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। प्रसादी वितरण के साथ दो दिवसीय धार्मिक आयोजन का समापन हुआ। मंदिर समिति ने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी श्रद्धालुओं, दानदाताओं एवं स्वयंसेवकों का आभार व्यक्त किया तथा भविष्य में भी इसी प्रकार धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों के आयोजन का संकल्प दोहराया।

मंडीदीप पहुंचे आचार्य समय सागर

मंडीदीप। परम पूज्य आचार्य श्री 108 समय सागर जी महामुनिराज ससंघ का शुक्रवार को पहली बार मंडीदीप में मंगल प्रवेश हुआ। उनके आगमन को लेकर जैन समाज सहित पूरे नगर में श्रद्धा और उत्साह का माहौल रहा। शाम करीब 5 बजे अनंत चौराहे से श्रद्धालुओं ने जयघोष, धर्मध्वज और भक्ति गीतों के साथ आचार्य श्री की भव्य अगवानी की। इस दौरान भोजपुर विधायक सुरेंद्र पटवा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। शंकराचार्य नगर के वर्धमान सेवा दल द्वारा दिव्यघोष वादन ने पूरे वातावरण को धर्ममय बना दिया।

आचार्य श्री समय सागर जी ससंघ मुख्य मार्ग से मंगल विहार करते हुए श्री 1008 महावीर दिगंबर जैन मंदिर, पटेल नगर पहुंचे, जहां समाजजनों ने विनयपूर्वक उनका स्वागत कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के पावन चरणों की स्थापना भी की गई, जिससे श्रद्धालुओं की आस्था और भावनाएं विशेष रूप से जुड़ गईं। समाजजनों ने इसे मंडीदीप के धार्मिक इतिहास का एक गौरवपूर्ण एवं अविस्मरणीय क्षण बताया।

आचार्य श्री ससंघ का रात्रि विश्राम पटेल नगर स्थित जैन मंदिर में रहेगा। शनिवार प्रातः 5:30 बजे संघ भोपाल की ओर मंगल विहार करेगा। मार्ग में 11 मील पर आहारचर्या संपन्न होने के बाद संघ नारायण नगर के लिए प्रस्थान करेगा। गौरतलब है कि इस वर्ष आचार्य श्री समय सागर जी महाराज का चातुर्मास भोपाल में प्रस्तावित है।

ठगी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

बनखेड़ी। रामदेव शुगर प्राइवेट लिमिटेड ठेनी में गन्ना सप्लाई के लिए मजदूर उपलब्ध कराने का झांसा देकर 49 लाख 50 हजार रुपये की धोखाधड़ी करने के मामले में बनखेड़ी पुलिस ने महाराष्ट्र निवासी आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। थाना प्रभारी विजय सनस ने बताया कि घटना 12 अगस्त 2024 से 25 सितंबर 2025 के बीच की है। आरोपी रोहिदास सोमा (चौहान) पिता सोमादास चौहान, निवासी ग्राम गोलेगांव, पोस्ट जातेगांव, तहसील गेवराई, जिला बीड (महाराष्ट्र) ने रामदेव शुगर प्राइवेट लिमिटेड में गन्ना कटाई और सप्लाई के लिए बड़ी संख्या में मजदूर उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाया था। इस दौरान उसने छलपूर्वक कंपनी से 49 लाख 50 हजार रुपये प्राप्त कर लिए और बाद में फरार हो गया।

सीएमओ ने किया निरीक्षण

सिलवानी। नगर परिषद के नवागत मुख्य नगर पालिका अधिकारी राकेश मिश्रा ने शनिवार को नगर की सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया। वे नगर परिषद के अमले के साथ विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण करते हुए होली चौक पहुंचे, जहां फैली गंदगी देखकर उन्होंने नाराजगी जताई। सीएमओ ने सफाई कर्मचारियों को तत्काल संपूर्ण क्षेत्र की सफाई कर कचरे का उचित निस्तारण करने के निर्देश दिए। साथ ही कार्य में लापरवाही बरतने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी। निरीक्षण के दौरान सीएमओ राकेश मिश्रा ने बताया कि नगर परिषद द्वारा डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण अभियान नियमित रूप से संचालित किया जा रहा है। परिषद के कचरा वाहन प्रतिदिन प्रत्येक वार्ड में पहुंचकर घर-घर से कचरा एकत्रित कर रहे हैं। उन्होंने नगरवासियों से अपील की कि वे घरों एवं प्रतिष्ठानों से निकलने वाले कचरे को सड़क या सार्वजनिक स्थानों पर न फेंकें, बल्कि नगर परिषद के कचरा वाहनों में ही डालें, ताकि नगर स्वच्छ और सुंदर बना रहे। गौरतलब है कि रविवार सुबह इतिहास रत्नाकर बाल ब्रह्मचारी बसंतजी महाराज का नगर आगमन प्रस्तावित है। इसे देखते हुए प्रशासन नगर की साफ-सफाई और व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने में जुटा हुआ है,ताकि आगंतुकों एवं श्रद्धालुओं को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।

स्वतंत्र कुमार रघुवंशी बने इतिहास के सहायक प्राध्यापक

सिलवानी। तहसील सिलवानी के ग्राम डुंगरिया (मैरव) निवासी जसवंत सिंह रघुवंशी के पुत्र स्वतंत्र सिंह रघुवंशी का चयन मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा इतिहास विषय के सहायक प्राध्यापक पद पर हुआ है। स्वतंत्र कुमार रघुवंशी ने परीक्षा में प्रदेश में 13वीं रैंक प्राप्त की। वहीं मुख्य परीक्षा में 660 अंक अर्जित कर दूसरा सर्वोच्च स्थान हासिल किया, जो उनकी उत्कृष्ट प्रतिभा और कठिन परिश्रम का प्रमाण है। अपनी सफलता का श्रेय उन्होंने अपने माता-पिता, गुरुजनों एवं शुभचिंतकों को दिया। उन्होंने बताया कि वे चार बार यूजीसी, नेट व जेआरएफ परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके हैं। उनका अगला लक्ष्य यूपीएससी परीक्षा उत्तीर्ण कर भारतीय प्रशासनिक सेवा में चयनित होकर देश सेवा करना है।

डेंगू और चिकनगुनिया के खिलाफ नगरपालिका सख्त

आष्टा। नगरपालिका द्वारा संक्रामक बीमारियों की रोकथाम के लिए एक विशेष जागरूकता और नियंत्रण अभियान की शुरुआत की गई है। आज वार्ड क्रमांक 15 स्थित अंजनी नगर क्षेत्र में नागरिकों को डेंगू, चिकनगुनिया जैसी गंभीर बीमारियों से बचाने के उद्देश्य से जलजमाव वाले स्थानों और रिक्त पड़े प्लॉटों पर ऑइल बॉल फेंकने का कार्य नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा की उपस्थिति में किया गया।

स्वयं नपाध्यक्ष प्रतिनिधि ने संभाली कमान

मच्छरों के लार्वा को पनपने से रोकने के लिए इस्तेमाल होने वाली विशेष ऑइल बॉल जो लकड़ी के बुरादे को तेल में डुबोकर तैयार की जाती है, को अध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा ने स्वयं अपने हाथों से विभिन्न जल स्रोतों और खाली प्लॉटों में भरे पानी में डाला। स्वास्थ्य विभाग और नगरपालिका की संयुक्त टीम लगातार क्षेत्र के जल स्रोतों में इन ऑइल बॉल्स को डाल रही है, ताकि मच्छरों का प्रजनन रोका जा सके।

आमजन से की विशेष अपील

इस अवसर पर नपाध्यक्ष प्रतिनिधि श्री मेवाड़ा ने आम जनता से स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहने की अपील करते हुए एक विशेष फॉर्मूला साझा किया। उन्होंने कहा कि सभी नागरिक प्रत्येक सप्ताह रविवार को सुबह 10 बजे केवल 10 मिनट का समय निकालें। इस दौरान अपने घरों के फ्रिज की ट्रे, कूलर, डस्टबिन, पानी की टंकियों के ढक्कन, बाथरूम में भरा पानी, चिड़ियों के पानी पीने के सकोरे और पौधों के गमलों आदि की अच्छी तरह सफाई करें। मच्छरों को भगाने के लिए शाम के समय घरों में नीम की पत्तियों या अन्य सुरक्षित माध्यमों से धुआं करें। इस मौसम में बच्चों को मच्छरों के काटने से बचाने के लिए हमेशा पूरी आस्तीन के कपड़े पहनाएं। इस अवसर पर पार्षद तेजसिंह राठौर, रवि शर्मा, पूरणसिंह मेवाड़ा, मनीष किल्लौदिया सहित स्वास्थ्य विभाग की टीम उपस्थित थी।

नपा अध्यक्ष ने विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

मंडीदीप। नगर को आधुनिक, शिक्षित और सुविधासंपन्न बनाने की दिशा में सोमवार को एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती प्रियंका राजेंद्र अग्रवाल ने विभिन्न वार्डों में ?50.88 लाख की लागत से होने वाले तीन महत्वपूर्ण विकास कार्यों का विधिवत भूमिपूजन किया। इन परियोजनाओं के पूर्ण होने के बाद विद्यार्थियों को बेहतर अध्ययन सुविधा, युवाओं को खेलों के लिए आधुनिक परिसर और नागरिकों को आकर्षक सार्वजनिक स्थल की सौगात मिलेगी। सबसे बड़ी परियोजना वार्ड क्रमांक 12 में आश्रय स्थल

की प्रथम मंजिल पर बनने वाले अत्याधुनिक वाचनालय की है, जिस पर रु23.15 लाख खर्च किए जाएंगे। यह वाचनालय प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों और युवाओं के लिए ज्ञान का महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा।

इसी क्रम में वार्ड क्रमांक 23 में फ्लाईओवर ब्रिज के नीचे रु15.89 लाख की लागत से आधुनिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स विकसित किया जाएगा। यहां युवाओं को खेल प्रतिभा निखारने के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। वहीं वार्ड क्रमांक 11 में फायर स्टेशन के सामने स्थित स्वर्गीय सुंदरलाल पटवा की प्रतिमा परिसर का ?11.84 लाख की लागत से सौंदर्यीकरण एवं आकर्षक सेल्फी पॉइंट बनाया जाएगा, जिससे यह स्थल नगर की नई पहचान के रूप में विकसित होगा। भूमिपूजन अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती प्रियंका राजेंद्र अग्रवाल ने कहा कि मंडीदीप को विकास, स्वच्छता, शिक्षा और खेल के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना नगर परिषद की सर्वोच्च प्राथमिकता है। नगर के प्रत्येक वार्ड में चरणबद्ध तरीके से विकास कार्य कराए जा रहे हैं और नागरिकों की अपेक्षाओं के अनुरूप आधारभूत सुविधाओं का लगातार विस्तार किया जाएगा।

पेंशनर्स एसोसिएशन की कार्यकारिणी गठित

बैतूल। प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन जिला शाखा बैतूल की तहसील शाखा बैतूल की प्रबंध कार्यकारिणी का गठन सर्वसम्मति से किया गया। नई कार्यकारिणी में रमेश कुमार वर्मा को तहसील अध्यक्ष, बी.आर. सरटकर एवं शिवपाल इंगर को उपाध्यक्ष, भास्कर राव मानकर को सचिव, अविनाश देशमुख को संयुक्त सचिव तथा राजेंद्र जोशी को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया। सदस्य के रूप में प्रदीप वर्मा, सुरेश कुमार हजारे, सुरेश कुमार पांसे, सैयद सज्जाद अली, मुन्नालाल परिहार और साहबलाल रावत को शामिल किया गया। इस अवसर पर प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन जिला शाखा

बैतूल ने सेवानिवृत्ति के बाद 26 वर्षों तक चली कानूनी लड़ाई में हाईकोर्ट से प्रमोशन का फैसला अपने पक्ष में कराने वाले 88 वर्षीय वरिष्ठ पेंशनर नरेंद्र कुमार नेपाली का उनके निवास पहुंचकर फूलमाला, श्रीफल और शॉल भेंट कर सम्मान किया। सम्मान के दौरान नरेंद्र कुमार नेपाली भावुक हो गए और उन्होंने अपने लंबे संघर्ष के अनुभव साझा किए।

आयुष विभाग की समीक्षा में कलेक्टर ने दिए सख्त निर्देश

बैतूल। कलेक्टर की अध्यक्षता में शुक्रवार को आयुष विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित हुई, जिसमें जिला आयुर्वेद चिकित्सालय और रोगी कल्याण समिति से जुड़े विभिन्न विषयों पर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में पंचकर्म, शल्य तंत्र एवं शालाक्य तंत्र में होने वाली प्रक्रियाओं की दरें निर्धारित करने, चिकित्सालय परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगाने तथा आयुष विंग की नई रोगी कल्याण समिति के गठन को स्वीकृति दी गई। बैठक में देवारण्य योजना एवं जिला आयुष मिशन सोसायटी की प्रगति की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने आयुष विभाग की कार्यप्रणाली पर आवश्यक निर्देश देते हुए बताया कि वे स्वयं जिले की सभी आयुष संस्थाओं का निरीक्षण करेंगे। बैठक में जिला पंचायत, नगर पालिका, लोक निर्माण विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला जनसंपर्क कार्यालय तथा रोगी कल्याण समिति के प्रतिनिधि सदस्य उपस्थित रहे। आयुष विभाग की ओर से जिला आयुष अधिकारी डॉ. योगेश चौकीकर के नेतृत्व में डॉ. प्रियंका उइके, डॉ. रीना चौकीकर, डॉ. मनक धुर्वे, डॉ. विजय तांडिलकर और डॉ. निधि मालवी मौजूद रहीं।

एक दिवसीय अल्प विराम कार्यशाला का आयोजन

शिवपुरी। आई.टी.बी.पी दूरसंचार वाहिनी में एक दिवसीय अल्प विराम कार्यशाला का आयोजन श्री राजीव लोचन शुक्ल, उप महानिरीक्षक, दूरसंचार वाहिनी के निर्देशन में किया गया, जिसमें वाहिनी में उपस्थित समस्त पदाधिकारियों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया। इस अवसर पर आनंद विभाग शिवपुरी के प्रशिक्षकों द्वारा हिमवीरों को अपनी दैनिक जीवन में ठहराव लाने के लिए अल्प विराम का इस्तेमाल करने के लिए प्रेरित किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य मन में शांति, स्थिरता और नई उर्जा का संचार करना था।

कार्यक्रम के अंत में श्री शुक्ल द्वारा अवगत करवाया गया कि हिमवीर सरहदों की सुरक्षा और संचार की निर्बाद व्यवस्था के लिए जाने जाते हैं। एक सैनिक के रूप में हिमवीर न केवल भुगोलिक चुनौतियों का समाना करते हैं, बल्कि लंबी ड्यूटी और परिवार से दूर रहने के कारण मानसिक दबाव को भी झेलते हैं। आनंद विभाग से आये प्रतिनिधियों से भविष्य में भी इस प्रकार की कार्यशाला आयोजित करने एवं हिमवीरों को ध्यान को अपने दैनिक जीवन में शामिल करने हेतु निर्देषित किया गया। इस अवसर पर दूरसंचार वाहिनी तथा संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान के अधिकारी, अधीनस्थ अधिकारी एवं हिमवीर उपस्थित रहे।

मुकेश उपराले बने अजाक्स कार्यवाहक जिलाध्यक्ष

बैतूल। अजाक्स संघ बैतूल के कार्यवाहक जिलाध्यक्ष पद पर मुकेश उपराले की नियुक्ति की गई है। उनकी नियुक्ति अजाक्स संभागीय अध्यक्ष अनिल कापसे एवं जिला अध्यक्ष दशरथ धुर्वे की अनुशंसा पर प्रांतीय अध्यक्ष संतोष वर्मा द्वारा की गई। नियुक्ति के बाद घोड़ाडोंगरी विकासखंड के शिक्षक साथियों ने मुकेश उपराले का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया तथा नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। इस दौरान शिक्षक साथियों ने विश्वास जताया कि उपराले अपने अनुभव, कर्मठता और संगठनात्मक क्षमता के बल पर अजाक्स संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे तथा शिक्षक एवं कर्मचारी हितों की आवाज को और मजबूती से उठाएंगे। शिक्षक साथियों ने उनके सफल नेतृत्व और उज्ज्वल कार्यकाल की कामना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में संगठन और अधिक मजबूत होगा तथा कर्मचारियों और शिक्षकों के हितों के लिए निरंतर प्रभावी कार्य किए जाएंगे।

नशे के खिलाफ पुलिस ने चलाया अभियान

शाजापुर। नगर के कमरदीपुरा क्षेत्र में नशीले पदार्थों की अवैध बिक्री पर पुलिस ने सख्ती की है। स्थानीय निवासियों की शिकायत के बाद पुलिस ने चार युवकों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की है। इसके साथ ही क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए निगरानी बढ़ा दी गई है।

यह पूरी कार्रवाई शुक्रवार शाम को शुरू हुई, जब कमरदीपुरा क्षेत्र के बड़ी संख्या में रहवासी एसपी कार्यालय पहुंचे थे। उन्होंने एसपी प्रियंका शुक्ला को एक ज्ञापन देकर शिकायत की थी कि क्षेत्र में कुछ लोग खुलेआम नशीले पदार्थों की बिक्री कर रहे हैं। इस गंभीर

शिकायत को संज्ञान में लेते हुए पुलिस प्रशासन तुरंत सक्रिय हुआ। शनिवार दोपहर करीब 2 बजे कमरदीपुरा में पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में स्थानीय लोगों की एक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में रहवासियों से सीधा संवाद किया गया और अवैध नशे के कारोबार में लिप्त असामाजिक तत्वों को कड़ी चेतावनी दी गई। इस दौरान उपस्थित लोगों को नशा मुक्ति अभियान के तहत नशा न करने और समाज को नशामुक्त बनाने की शपथ भी दिलाई गई। इसके बाद पुलिस ने स्थानीय लोगों की शिकायत और प्राथमिक जांच के आधार पर क्षेत्र के लखन पिता नरसिंह यादव निवासी तेलीवाड़ा, चेतन बरोड पिता राजेश बरोड निवासी तेलीवाड़ा, कलीम पिता सलीम शेख निवासी लक्ष्मीनगर व शाबीर पिता चांद बेग निवासी कमरदीपुरा के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई। कोतवाली थाना प्रभारी संतोष वाघेला ने बताया कि पुलिस टीम लगातार कमरदीपुरा और आसपास के इलाकों में गश्त कर रही है।

पेंशनर समिति की आमसभा संपन्न

शिवपुरी। मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक रिटायरीज पेंशनर समिति ईकाई शिवपुरी, भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध की आमसभा होटल शगुन वाटिका में आयोजित की गई। सभा में केंद्रीय इकाई के पदाधिकारी पी के वाजपेई और नसीम सिद्दीकी विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने सदस्यों का मार्गदर्शन किया और संगठन को मजबूत बनाने पर विचार साझा किए।

आमसभा में उपस्थित सदस्यों ने अपनी विभिन्न समस्याएं रखीं। उनके उचित निराकरण के लिए आवश्यक बिंदुओं पर चर्चा हुई। बैठक में संगठन के विस्तार, सामाजिक और पारिवारिक कार्यक्रम आयोजित करने तथा सेवानिवृत्ति के बाद सदस्यों और उनके परिवारों के स्वस्थ एवं प्रसन्नचित्त जीवन के लिए सक्रियता बनाए रखने पर भी विचार-विमर्श किया गया। सभा में महिला सदस्या श्रीमती किरण तोमर की उपस्थिति विशेष रही। सदस्यों ने संगठन द्वारा पूर्व में किए गए गरिमामय कार्यों को पुनः स्थापित करने का संकल्प लिया। सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया।

इसके तहत संरक्षक आर के कोठारी, अध्यक्ष विमल चंद जैन, उपाध्यक्ष बलराम चंदोरिया, महासचिव डी के सिंघल और कोषाध्यक्ष के सी अग्रवाल को दायित्व सौंपे गए। अन्य पदाधिकारियों और कार्यकारिणी सदस्यों के चयन का अधिकार नवगठित पदाधिकारियों को दिया गया। बैठक में बी डी गुप्ता, सत्यनारायण दीक्षित, नीरज अग्रवाल, सुमत कोचेटा, मुरारीलाल गुप्ता, रामनिवास शर्मा, राम साहू, वीरेंद्र जैन, संजय गुप्ता सहित बड़ी संख्या में सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी की। भोजन के बाद बैठक का समापन हुआ।

भोपाल क्राइम ब्रांच ने नशे के धंधे पर कसा शिकंजा, कई जगह छापामार कार्रवाई

महिला ड्रग तस्कर समेत गिरोह गिरफ्तार 74.27 ग्राम स्मैक,कार,बाइक व 7 फोन जब्त

426 ग्राम गांजा जब्त, महिला समेत दो आरोपी गिरफ्तार, सप्लायर नेटवर्क का हुआ खुलासा

भोपाल

क्राइम ब्रांच ने महिला ड्रग तस्कर और गिरोह से 74.27 ग्राम स्मैक बरामद की है। वहीं एक नाबालिग से 1.4 ग्राम एमडी जब्त की गई। इसके अलावा अन्य तस्करों से 501 ग्राम और 426 ग्राम गांजा जब्त किया है। आरोपियों से तस्करी में इस्तेमाल कार, बाइक और 7 मोबाइल समेत करीब 37 लाख रुपए का माल जब्त किया है।

क्राइम ब्रांच के मुताबिक मुखबिर से सूचना मिली कि तीन युवक और एक महिला पंडित दीनदयाल पार्क कटारा हिल्स में स्मैक लेकर खरीद-फरोख्त के लिए आने वाले हैं। क्राइम ब्रांच ने इलाके

नाबालिग लड़की से 1.4 ग्राम एमडी ड्रग बरामद

की घेराबंदी कर बताए हुलिए के तीन युवक व एक महिला को एक्टिवा व कार के पास खड़े देखा। सभी को हिरासत में लेकर तलाशी पर उनके पास से अलग-अलग मात्रा में पाउडरनुमा 74.27 ग्राम स्मैक बरामद की । अंतरराष्ट्रीय बाजार में लाखों रुपए कीमत का ड्रग है। आरोपियों से कार,एक्टिवा,बाइक व 7 मोबाइल जब्त किए हैं।

स्मैक से जुड़े आरोपियों की पहचान

आरोपियों के नाम रितिक नामदेव (24) निवासी ईडब्ल्यूएस 19६108 गौरी शंकर आवासीय परिसर कटारा हिल्स, कैशल जाटव (21) निवासी गांव बर्रई कटारा हिल्स, शाहरुख अंसारी (23) निवासी चंपी मोहल्ला नरसिंहगढ़ व चंदा सिसोदिया (28) निवासी गांव गुलखेड़ी पचोर जिला राजगढ़ हाल पता गौरी शंकर परिसर, नानूराम तंवर निवासी गांव कंवरपुरा घाटोली जिला झालावाड़ राजस्थान, पप्पू लाल तंवर निवासी ग्राम पाल खंदा, घाटोली जिला झालावाड़ राजस्थान और देव सिंह तंवर निवासी ग्राम पाल झालावाड़ राजस्थान बताए गए हैं। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने स्मैक की खरीद-फरोख्त और सप्लाई नेटवर्क से जुड़ अहम तथ्य बताए हैं। प्रारंभिक जांच में पता चला कि यह गिरोह भोपाल सहित आसपास के क्षेत्रों में स्मैक की अवैध आपूर्ति और बिक्री में सक्रिय था। इसके तार अन्य जिलों व पड़ोसी राज्य राजस्थान तक जुड़े हुए हैं। आरोपियों के मोबाइल व डिजिटल साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं ताकि इस पूरे नेटवर्क में शामिल अन्य तस्करों एवं खरीदारों की पहचान की जा सके।

501 ग्राम गांजा जब्त

मुखबिर से सूचना मिली कि महिला रविशंकर कॉलेज निशातपुरा के पास गांजा बेचने की फिराक में है। सूचना पर संदिग्ध महिला को हिरासत में लिया गया। तलाशी पर उसके पास से 426 ग्राम गांजा मिला। उसकी पहचान विमला उर्फ सुनीता (55) कल्याण नगर छोला मंदिर हुई है। उसने गांजा फारहान खान से 15 हजार रुपए में खरीदा था। क्राइम ब्रांच ने फरहान खान, अटल नेहरू नगर थाना छोला मंदिर को गिरफ्तार किया। इसी प्रकार क्राइम ब्रांच की टीम ने हबीबगंज नाका स्थित शेड के पास एक संदिग्ध को हिरासत में लेकर उससे 501 ग्राम गांजा जब्त किया है।

विदिशा के दो लोगों से सवा लाख का स्मैक जब्त

भोपाल । टीला जमालपुरा पुलिस ने इस्लामी गेट ग्राउंड से मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले एक तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 9 ग्राम स्मैक बरामद की है। स्मैकएक लाख 30 हजार रुपए की है। आरोपी विदिशा का है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर स्मैक देने वाले साथी को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक 18 जुलाई को सूचना मिली कि इस्लामी गेट ग्राउंड में सीढ़ियों पर व्यक्ति अवैध मादक पदार्थ स्मैक रखे है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और संदिग्ध को हिरासत में ले लिया। पूछताछ पर उसने नाम वरुण दांगी (20) बरईपुरा चौराहा थाना कोतवाली विदिशा बताया। इन दिनों वह ईटखेड़ी में रह रहा था। तलाशी पर 9 ग्राम स्मैक बरामद हुई। पूछताछ में आरोपी वरुण ने बताया कि स्मैक लांबाखेड़ा के अनुज साहू उर्फ अन्नू (27) से ली थी। पुलिस ने अनुज को हिरासत में ले लिया। पूछताछ जारी है।

रिमझिम फुहारों के बीच निकली भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा

27 फीट ऊंचे रथ में सवार होकर निकले भगवान जगन्नाथ

भोपाल

इस्कॉन भोपाल द्वारा आयोजित श्रीजगन्नाथ रथयात्रा महोत्सव शनिवार को अत्यंत श्रद्धा, उत्साह एवं आध्यात्मिक उल्लास के साथ संपन्न हुआ। हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में पूरा भोपाल भगवान श्रीजगन्नाथ की भक्ति, हरे कृष्ण महामंत्र के संकीर्तन और दिव्य उत्साह से सराबोर हो उठा।

नगर के विभिन्न क्षेत्रों से आए श्रद्धालुओं के साथ-साथ विभिन प्रदेशों से एवं रूस और अमेरिका से आए विदेशी भक्तों ने भी उत्सव में सहभागिता कर आयोजन को अंतरराष्ट्रीय स्वरूप प्रदान किया। राजधानी भोपाल में शनिवार शाम रिमझिम बारिश की फुहारों के बीच भगवान श्रीजगन्नाथ की भव्य रथयात्रा निकली। हमीदिया रोड पर हजारों श्रद्धालुओं की मौजूदगी में भगवान श्रीजगन्नाथ, श्री बलराम और माता सुभद्रा का रथ जैसे ही आगे बढ़ा, पूरा क्षेत्र 'हरे कृष्ण, हरे कृष्ण' के महामंत्र और भक्ति गीतों से गूंज उठा। बारिश के बावजूद श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा है। रथयात्रा में महिलाएं, पुरुष, युवा और बच्चे पारंपरिक व रंग-बिरंगे परिधानों में शामिल हुए हैं।

हरे कृष्ण के संकीर्तन में झूमे शहरवासी, रूस और अमेरिका से आए श्रद्धालु भी हुए शामिल

श्रद्धालु भजन-कीर्तन करते हुए भगवान के रथ के साथ चल रहे हैं और जगह-जगह नृत्य कर भगवान के दर्शन कर रहे हैं। रूस और अमेरिका समेत कई देशों से पहुंचे कृष्ण भक्त भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा के रंग में रंगे नजर आए। विदेशी श्रद्धालु भी 'हरे कृष्ण, हरे राम' के संकीर्तन में शामिल होकर भक्तों के साथ नृत्य कर रहे हैं।शनिवार को भगवान जगन्नाथ संग बहन सुभद्रा और बलराम 27 फीट ऊंचे,13 फीट चौड़ाई व 17.5 फीट लंबे रथ में सवार होकर निकले। यात्रा भोपाल टॉकीज से दोपहर 4 बजे पूजा अर्चना व अभिषेक शृंगार के साथ शुरू हुई।

ब्रीफ न्यूज

घर के बाहर खेल रहे 16 माह के बच्चे को कार ने रौंदा, मौत

भोपाल। निशातपुरा थाना क्षेत्र स्थित बेस्ट प्राइज के पीछे मित्तल कॉलेज रोड पर ओरा कार ने सडक़ पर खेल रहे 16 माह के बच्चे को रौंद दिया। कायस्य राव अहिरवार पुत्र पप्पू अहिरवार की उम्र 16 माह थी। उसके पिता मित्तल कॉलेज के पास बन रही कॉलोनी में झुग्गी बनाकर रहते हैं और कॉलोनी में टाइल्स फिटिंग का काम करते हैं। शुक्रवार शाम करीब साढ़े पांच बजे उनका बेटा कायस्य राव झुग्गी के बाहर रोड पर खेल रहा था कि तभी वहां से गुजर रहे ओरा कार के चालक ने तेजी और लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए कार कायस्य को चपेट में ले लिया। कायस्य राव को अंदरूनी चोट आई थी। कार चालक ने कार रोकी और परिजन के साथ कायस्य को लेकर भानपुर स्थित निजी अस्पताल पहुंचा। वहां डॉक्टर ने चेक करने पर कायस्य को मृत घोषित कर दिया।

बीटेक की छात्रा ने लगाई फांसी पिता ने फंदे पर लटके देखा

भोपाल। कमला नगर थाना क्षेत्र के कोटरा सुल्तानाबाद इलाके में शनिवार सुबह बीटेक फर्स्ट ईयर की छात्रा ने अपने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। । शोकाकुल परिजन के बयान होने के बाद ही आत्महत्या की वजह का पता चल सकेगा। ऊसिंग बोर्ड कॉलोनी कोटरा सुल्तानाबाद निवासी अंजली राय पुत्री देवनाथ राय (19) एक निजी इंजीनियरिंग कॉलेज में बीटेक प्रथम वर्ष की छात्रा थी। अंजली ने शनिवार सुबह अपने कमरे में फांसी लगा ली। पिता की नजर पड़ते ही परिजन उसे निजी अस्पताल लेकर गए। वहां से हमीदिया अस्पताल जाने की सलाह दी गई। हमीदिया अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टर ने अंजली को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने उसका मोबाइल जब्त किया है। पुलिस ने बताया कि अंजली के पिता शासकीय स्कूल में टीचर हैं जबकि मां गृहिणी हैं। परिवार में अंजली के अलावा एक भाई और एक बहन हैं।

मल्टी की दूसरी मंजिल से गिरा डेढ़ साल का बच्चा, मौत

भोपाल। कजलीखेड़ा थाना क्षेत्र स्थित गौरव नगर मल्टी में दूसरी मंजिल की बालकनी से गिरकर डेढ़ साल के बच्चे की मौत हो गई। हादसा शुक्रवार सुबह करीब साढ़े सात बजे के आसपास का है। मोक्ष चढ़ार पुत्र धनीराम चढ़ार की उम्र 18 माह थी। उसके पिता धनीराम प्राइवेट नौकरी करते हैं। धनीराम ने पुलिस को बताया कि शुक्रवार सुबह उनका बेटा मोक्ष बालकनी में खेल रहा था। तभी बालकनी से नीचे गिर गया। चीख-पुकार सुनकर परिजन नीचे पहुंचे और उसे उठाकर निजी अस्पताल ले गए। निजी अस्पताल में करीब चार घंटे चले इलाज के बाद मोक्ष को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

युवक की हत्या के आरोपी को उम्रकैद की सजा

पत्नी की आवाज की तारीफ करने पर कर दी थी चॉकलेट कंपनी के कर्मचारी की हत्या

भोपाल

अपर सत्र न्यायाधीश दीपक बंसल की अदालत ने पत्नी की आवाज की तारीफ करने पर लॉज में साथ में ठहरे दोस्त की लॉज की खिड़की के कांच और बॉटल से हमला कर हत्या करने वाले आरोपी नितेश उर्फ नेत्री बल्लभ बृजवासी पिता धर्मानंद बृजवासी 40 साल निवासी कृष्णा कॉलोनी आदर्श नर्सरी हल्दवानी जिला नैनीताल उत्तराखंड को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

अभियोजन के अनुसार त्रिलंगा शाहपुरा भोपाल के अमनदीप सिंह पुत्र हरकेबल सिंह एक चॉकलेट कंपनी में मार्केटिंग का काम करते थे। उनकी पहली पत्नी की मौत हो चुकी है। अमनदीप की दूसरी पत्नी विदेश में रहती हैं। उनकी दो बेटी और एक बेटा त्रिलंगा में ही रहते हैं। अमनदीप सिंह शराब पीने के शौकीन थे। वह डेढ़ महीने पहले से परिजनों से अलग सपना लॉज घोड़ा नक्कास भोपाल में एक कमरा किराये पर लेकर रह रहे थे। सपना लॉज में ही पड़ोस में आरोपी नितिन बृजवासी, उत्तराखंड ठहरा था। एक लॉज में ठहरने से दोनों में अच्छी दोस्ती हो गई थी। आरोपी नितिन बृजवासी की पत्नी से नहीं बनती थी। उसका बीते 5 सालों से पत्नी से विवाद था। घटना की रात अमनदीप सिंह और आरोपी बैठकर शराब पी रहे थे। शराब पीने के दौरान अमनदीप ने आरोपी की पत्नी की आवाज की तारीफ कर दी थी। जब आरोपी ने अमनदीप से पूछा उसे पत्नी की आवाज कहां सुनाई दी। तब अमनदीप ने उसे बताया कि एक दिन उसकी गैर मौजूदगी में उसकी पत्नी का कॉल अटेंड किया था। इसी मामूली बात पर हुए विवाद में आरोपी नितेश उर्फ नेत्री बल्लभ बृजवासी ने लॉज की खिड़की के कांच और बॉटल से हमला कर अमनदीप को गंभीर घायल कर दिया था। खून अधिक बहने के कारण अमनदीप सिंह की दर्दनाक मौत हो गई थी।

नगर निगम के फर्जी बिलिंग शिकायत मामले में अभी तक खाली हाथ जांच टीम

7 वर्ष के डॉटा के भरोसे लोकायुक्त, निगम से मांगा रिकार्ड

भोपाल

लोकायुक्त पुलिस ने नगर निगम से वित्तीय वर्ष 2019-2020 से वित्तीय वर्ष 2025-26 तक का विलोपित (डिलिट) डाटा मांगा है।

अब इस डॉटा के भरोसे ही फर्जी बिलिंग मामले में जांच आगे बढ़ेगी। निगम से हार्ड डिस्क जब्त करने के बाद भी लोकायुक्त किसी नतीजे पर नहीं पहुंचा। हालांकि एफआईआर के बाद तत्कालीन अपर आयुक्त का निगम से ट्रांसफर हो चुका है। इधर लोकायुक्त के पत्र पर निगम 7 साल का डिलिट डॉटा रिकवर करने में लग गया है। दरअसल 13 मार्च को लोकायुक्त ने अवधपुरी आधार शिला निवासी चंद्रशेखर मिश्रा की शिकायत पर नगर निगम के तत्कालीन अपर आयुक्त समेत अन्य कर्मचारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करते हुए निगम के फतेहगढ़ स्थित कम्प्यूटर सेक्शन से रिकार्ड जब्त किया था। शिकायतकर्ता का आरोप था कि निगम में फर्जी बिलिंग से लाखों रुपए का गबन किया है। लेकिन चार महीने बाद भी लोकायुक्त के हाथ कुछ नहीं लगा। अब लोकायुक्त जब्त रिकार्ड का मिलान करना चाहता है। इसके लिए मामले की जांच कर रहे लोकायुक्त उप पुलिस अधीक्षक अजय मिश्रा ने निगम कमिश्नर को पत्र लिखकर वित्तीय वर्ष 2019-2020 से वित्तीय वर्ष 2025-26 तक का विलोपित (डिलिट) डाटा मांगा है।

लोगों से लिया टैक्स का पैसा दोनों कर्मियों ने अपने खाते में डलवाया, रसीदें भी दीं

मार्च में निगम के सभी वार्ड कार्यालयों में लोक अदालत शिविर लगे थे। जोन 7 के वार्ड 33 में भी शिविर के दौरान बड़ी संख्या में लोग ने अपना प्रॉपर्टी टैक्स जमा कर रहे थे। वार्ड के दो कर्मचारी शिराज उलहक और मोहम्मद समीर ने कई लोगों को आधा टैक्स जमा करने का लालच दिया और राशि अपने खाते में जमा करवा ली। जांच में करीब 106 लोगों से लिया टैक्स का पैसा दोनों कर्मचारियों ने अपने खाते में डलवाया और टैक्स जमा की सभी को रसीदें दीं। इस मामले में निगम ने थाना अरेरा हिल्स में 11 और 13 मई को शिकायती आवेदन दिया। लेकिन एक महीने तक इस मामले में एफआईआर दर्ज न होने के बाद तीसरा आवेदन 12 जून को दिया गया। इसके बाद 5 जुलाई को अरेरा हिल्स थाने में पुलिस ने एफआईआर दर्ज करते हुए 29 दिवसीय दैवेभो कर्मचारी शिराज उलहक और मोहम्मद समीर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

विलोपित डाटा मांगा

लोकायुक्त उप पुलिस अधीक्षक अजय मिश्रा ने नगर निगम कमिश्नर को पत्र लिखकर वित्तीय वर्ष 2019-2020 से वित्तीय वर्ष 2025-26 तक का विलोपित (डिलिट) डाटा मांगा है। बताया जाता है कि निगम का वित्तीय लेन-देन एसएपी प्रणाली से होता है। लोकायुक्त ने रिकार्ड मिलान के लिए सभी बैकअप लॉग, मास्टर डाटा, ट्रांजेक्शन डाटा मांगा है। इससे पता लगाया जाएगा कि कितने संपत्तिकर के खातों को वार्ड स्तर पर डिलिट कर टैक्स घटाया गया है या नहीं? इसके अलावा पुराने खातों को डिटिल कर नए खोते खोलकर टैक्स कम दिखाने के मामले की भी शिकायतें सामने आई हैं।

मेन रोड की संपत्ति को गलियों का बताया

हाल ही में नगर निगम अधिकारियों ने जोन 2 में एक निजी स्कूल का संपत्तिकर 7 लाख से घटाकर एक लाख करने का मामला पकड़ा है। इसके बाद निगम में ऐसे भी मामले सामने आए, जहां संपत्तिकर गलियों का लिया जा रहा है। जबकि संपत्ति मेन रोड पर मौजूद है। इनके परिक्षेत्र का मिलान कर निगम नए सिरे से टैक्स वसूली करेगा।

रेलवे पर PCB ने अब तक जुर्माना क्यों नहीं किया?

एनजीटी ने कहा,पीसीबी जुर्माने की गणना करे

भोपाल

भोपाल रेलवे स्टेशन परिसर में गंदगी करने को लेकर रेलवे को जुर्माना भरना होगा। यहां हो रहे ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों के उल्लंघन को लेकर नेशनल ग्रीन ट्रिब्ल्यूनल बोर्ड (एनजीटी) ने मप्र पॉल्यूशन कंट्रोल बार्ड (एमपीपीसीबी) को जुर्माना लगाने के निर्देश दिए हैं।

एनजीटी ने पीसीबी को रेलवे पर पर्यावरण क्षति मुआवजा लगाने उसकी गणना कर दो सप्ताह के भीतर रिपोर्ट पेश करने को कहा है। एनजीटी ने पूछा है कि संयुक्त जांच रिपोर्ट में गंभीर अनियमितताओं के बावजूद एमपीपीसीबी ने रेलवे पर अब तक कोई दंडात्मक कार्रवाई क्यों नहीं की?

एनजीटी की भोपाल स्थित सेंट्रल जोन बेंच की सुनवाई मे याचिकाकर्ता शिवम कुमार कोरी ने संयुक्त समिति की कार्रवाई रिपोर्ट का हवाला देते बताया कि प्लेटफार्म नंबर 4-5 के पास रेलवे ट्रैक के किनारे नालियां जाम,ओवरफ्लो मिलीं। प्लेटफार्म नंबर 6 पर बना ठोस कचरा संग्रहण केंद्र ऊपर से ढका नहीं था,जो ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 का उल्लंघन है। रेलवे ट्रैक और आसपास कचरे से भरे बैग मिले।

एमपीपीसीबी पर जताई नाराजगी

सुनवाई के दौरान एमपीपीसीबी ने बताया कि उसने 22 मई 2026 को एनजीटी के आदेश के पालन के लिए रेलवे को पत्र भेजा था। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इस पर एनजीटी ने नाराजगी जताते कहा कि जब जांच रिपोर्ट में स्पष्ट उल्लंघन दर्ज हैं तो रेलवे के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की गई और पर्यावरण क्षति मुआवजे की गणना क्यों नहीं की गई। एनजीटी ने एमपीपीसीबी को निर्देश दिए कि रेलवे पर लगाए पर्यावरण क्षतिपूर्ति मुआवजे की तत्काल गणना कर पूरा विवरण दो सप्ताह में दिया जाए। मामले की सुनवाई 11 अगस्त को होगी।

भव्य आयोजन

श्री कामाख्या कलापीठ के 50 वर्ष पूरे होने पर आयोजित समारोह स्वर्णिका का आरकेडीएफ के सहयोग से मानव संग्रहालय के वीथी संकुल में विशेष प्रस्तुति

भाव और नृत्य से मंच पर सोनल गुरु ने अवतरित की...कथा सियाराम की

भोपाल

भारत की सनातन संस्कृति और भगवान राम के आदर्शों के प्रति आस्था रखने वाले राजधानी के नाट्य प्रेमियों के लिए शनिवार की शाम उस समय यादगार और अविस्मरणीय बन गई जब विश्व प्रसिद्ध नृत्यांगना पद्मश्री सोनल मानसिंह ने अपनी भाव भंगिमाओं और नृत्य कौशल के साथ बहुचर्चित नाट्यकथा कथा सियाराम की को मंच पर साकार कर दिया।

श्री कामाख्या कलापीठ के 50 वर्ष पूरे होने पर आयोजित समारोह स्वर्णिका के इस श्रेष्ठ आयोजन को आरकेडीएफ के सहयोग से भोपाल के राष्ट्रीय मानव संग्रहालय के वीथी संकुल में पेश करते हुए गुरु सोनल मानसिंह ने इस कथा की शुरुआत राम जन्म की बधाई से की, उसके उपरांत पुष्प वाटिका प्रसंग, सीता स्वयंवर और फिर तुलसीदास जी द्वारा रचित संकट मोचक हनुमानाष्टक की नाट्य कथा के माध्यम से जीवंत प्रस्तुति देकर सभागार में बैठे दर्शकों को श्री राममय कर दिया।

सोनल मानसिंह द्वारा सियाराम कथा का यह ऐसा श्रेष्ठ वर्णन था जिसमें भाव भंगिमा सुर ताल चेहरे के उतार चढ़ाव, वात्सल्य, करुणा प्रेम क्रोध पीड़ा रोमांच सब समाहित था। आरकेडीएफ ग्रुप के चेयरमैन डॉ. सुनील कपूर कुलाधिपति डॉ.साधना कपूर, नवनीत सोनी ने दीप प्रज्ज्वलित कर

शुभारंभ किया। पूर्व आयकर आयुक्त और आरकेडीएफ ग्रुप के सलाहकार डॉ.नवनीत सोनी ने सोनल मानसिंह को भारत का फिलॉसफर और कल्चरल एंबेसडर बताते कहा कि 82 साल की उम्र में भी मंच पर उनकी साधना अवसरणीय बन जाती है। आरकेडीएफ विवि की कुलाधिपति डॉ.साधना कपूर ने कहा कि हमने खुली आंखों से सपना यह देखा था कि हमारी संस्कृति और सनातन को बुलंदियों पर पंहुचाने वाली पदम विभूषण गुरु सोनल मानसिंह का सानिध्य हमें मिले वह सपना आज साकार हो रहा है।

नृत्य भारतीय और सनातन संस्कृति का अभिन्न अंग: पद्मश्री सोनल मानसिंह

भोपाल बुलाने पर आभार व्यक्त करते हुए पद्मश्री सोनल मानसिंह ने पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि नृत्य भारतीय और सनातन संस्कृति का अभिन्न अंग है और जीवन में बैलेंस बनाए रखने का माध्यम भी। उन्होंने कहा कि हमारे सभी देवी देवता नृत्य में पारंगत, शिव नटराज, कृष्ण नटराजन गणेश नृत्य विनायक हैं, नृत्य हमारी रग रग में है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि जनरेशन बदल रही है। छोटे से पालने में बच्चे के हाथ मोबाइल है। अलग समय अलग चैलेंज हैं, उपकरण हावी हो रहे हैं लेकिन आप को कुदरत द्वारा दिए ब्रेन का इस्तेमाल हंसी, खुशी के साथ सही उपयोग करना चाहिए। इसके लिए न सिर्फ पीढ़ी, बल्कि माता पिता सबको समझाइश की जरूरत है। सनातन के सवाल पर उन्होंने कहा कि सनातन किसी ने बनाया नहीं यह तो आदिकाल की परंपरा है जो सोने की थाली में मिली है। इसकी उपेक्षा करना मूर्खता है। हमारा वैभव सिर्फ आर्थिक नहीं है। संस्कृति परंपरा और कलाएं ही हमारा वैभव है। हमारे देश संस्कृति के बारे में युवाओं को जानना चाहिए। इस बारे में सबको बताना विवि, शिक्षा संस्थान, सरकार माता पिता सबकी जिम्मेदारी है। नृत्य एक अभिव्यक्ति है। नृत्य ताल वाद्य यही संगीत है। उन्होंने कहा कि उपनिषद यही कहता है कि गुरु के चरणों में बैठकर प्रश्न पूछे..गूगल पर आँख बंद करके भरोसा करना खतरनाक ट्रेंड है। मैं सच और यथार्थ में जीती हूँ वही बोलती हूँ । उन्होंने एक संदेश भी दिया ....चलो चलो सब ठीक हो जायेगा ।यह सोच बदलनी होगी। कर्मठता जरूरी है।

स्वामी/प्रकाशक/संपादक उज़्मा सिकंदर द्वारा मुद्रक नरेश मंगतानी द्वारा बालाजी प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 21, सेक्टर-एच, गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एरिया, भोपाल, 462023 (म.प्र.) से मुद्रित एवं एफ 113/33 शिवाजी नगर भोपाल 462016 से प्रकाशित।
समूह संपादक : अशोक वर्मा, * समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समाचार संपादक : अंसारुल हसन सिद्दीकी। सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भोपाल होगा। आर.एन.आई. रजि. MPHIN/2025/A2700, Mail-ID sachesamachar013@gmail.com फोन नं. :- 0755-4152506